लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

जन एक्सप्रेस

लखनऊ | वर्षः 15 | अंकः 232 | मूल्यः ₹ 3.00/- | पेज : 12 | बुधवार | 05 जून, 2024

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

चुनाव परिणाम पीएम मोदी की नैतिक हार है : राहुल गांधी

कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर राहुल ने कहा कि यह चुनाव संविधान बचाने का था, यह चुनाव बीजेपी, सीबीआई, ईडी के खिलाफ था

- कहा, यह चुनाव हम भाजपा, हिंदुस्तान की संस्था, सीबीआई-ईडी, इन सबके खिलाफ लड़े
- इन संस्थाओं को नरेंद्र मोदी जी और अमित शाह ने डराया-धमकाया,लड़ाई संविधान को बचाने की थी

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव परिणाम में अच्छे प्रदर्शन से उत्साहित राहुल गांधी ने कांग्रेस मुख्यालय में अपने संबोधन में कहा यह पीएम मोदी की नैतिक हार है। मतगणना के बीच मंगलवार शाम दिल्ली में कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी व राहुल गांधी ने प्रेस कांफ्रेंस की। इस दौरान राहुल ने कहा कि यह चुनाव संविधान बचाने का था। यह चुनाव बीजेपी, सीबीआई, ईडी के खिलाफ था। इंडिया गठबंधन को तोड़ने की कोशिश हुई। संविधान बचाने के लिए जनता एकजुट हुई। राहुल गांधी ने कहा, ÷यह चुनाव इंडिया गठबंधन और कांग्रेस पार्टी सिर्फ एक राजनैतिक दल के खिलाफ नहीं लड़ी, यह चुनाव हम भाजपा, हिंदुस्तान की संस्था, सीबीआई-ईडी, इन सबके खिलाफ लड़े, क्योंकि इन संस्थाओं को नरेंद्र मोदी जी और अमित शाह जी ने डराया-धमकाया। लड़ाई संविधान को बचाने की थी।÷

हमारा अकाउंट फ्रीज कर दिया था, दो सीएम को जेल में डाला

राहुल गांधी ने आगे कहा, हमने ये लड़ाई सविंधान को बचाने के लिए लड़ी थी। उन्होंने हमारा अकाउंट फ्रीज कर दिया था। हमारी पार्टी को तोड़ा। दो मुख्यमंत्रियों को जेल में डाला। कांग्रेस पार्टी के सब नेताओं ने गठबंधन के सभी साथियों की इज्जत की हमें एक नया विजन देश को दिया है। राहुल ने आगे कहा, इसे (संविधान) बचाने का काम हिंदुस्तान के सबसे गरीब लोगों ने किया है। मज़दूरों, किसानों, दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों ने इस संविधान को बचाने का काम किया है।

इंडिया गठबंधन के हमारे साथियों के साथ बैठक करेंगे

जेडीयू और टीडीपी के साथ मिलकर सरकार बनाने की संभावनाओं पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, जैसा हमने पहले कहा कि हम इंडिया गठबंधन के हमारे साथियों के साथ कल बैठक करेंगे। उसके बाद ही इस संबंध में कुछ कहा जा सकेगा। हम अपने गठबंधन के दलों से बात किए बिना हम इस पर कोई बयान नहीं देना चाहते।

कांग्रेस ने देश को साफ तौर पर रास्ता दिखाया है

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, मैं सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं को बधाई देता हूं। जब कांग्रेस का खाता बंद हुआ तो मुझे लगा कि जनता अपने संविधान के लिए लड़ेगी। ये सच साबित हुआ। कांग्रेस ने देश को साफ तौर पर रास्ता दिखाया है।

थोड़ा समय लूंगा और तय करूंगा कि कौन सी सीट पर रहूंगा

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, मैं दोनों सीटों पर जीता हूं। वायनाड और रायबरेली के मतदाताओं को दिल से धन्यवाद देता हूं। थोड़ा समय लूंगा और तय करूंगा कि कौन सी सीट पर रहूंगा। अभी निर्णय नहीं लिया है। उन्होंने आगे कहा, अडाणी के शेयर का हाल देखा होगा। जनता भी दोनों को एक साथ देखती है देश ने साफ कह दिया है कि हम मोदी और शाह को नहीं चाहते। हम वादे पूरे करेंगे।

ममता बनर्जी ने पीएम मोदी से मांगा इस्तीफा

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, मुझे खुशी है कि प्रधानमंत्री ने बहुमत का आंकड़ा हासिल नहीं किया। प्रधानमंत्री अपनी साख खो चुके हैं, उन्हें तुरंत इस्तीफा देना चाहिए क्योंकि उन्होंने कहा था कि इस बार 400 पार। मैने आपसे कहा था कि 200 पार भी होगा या नहीं पता नहीं। अब उन्हें टीडीपी और नीतीश कुमार के पैर पकड़ने होंगे।

राहुल गांधी की रिकॉर्ड जीत, तीन लाख 90 हजार वोटों से भाजपा प्रत्याशी को हराया

रायबरेली की सीट एक बार फिर से कांग्रेसियों के लिए खुशी लेकर आई। कांग्रेस के दिग्गज नेता राहुल गांधी यहां बड़े अंतर से चुनाव जीतने में सफल रहे। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के दिनेश प्रताप सिंह को करीब तीन लाख 90 हजार वोटों से हराया। रायबरेली लोकसभा सीट पर गठबंधन प्रत्याशी राहुल गांधी की जीत ने कांग्रेसियों को काफी लंबे असरे बाद झूमने का मौका दिया। इस बार की जीत बहुत खास रही है। गांधी परिवार की तीसरी पीढ़ी के तौर पर राहुल गांधी चुनाव मैदान में उतरे थे और पूरे देश की निगाह रायबरेली परिणाम पर लगी थी। वहीं कांग्रेस का दुर्ग जीतने की मंशा सफल न होने से भाजपाइयों में बहुत मायूसी रही। कोई भी पदाधिकारी कुछ भी बोलने से बचता रहा।

राहुल गांधी की रिकॉर्ड जीत, तीन लाख 90 हजार वोटों से भाजपा प्रत्याशी को हराया

रायबरेली की सीट एक बार फिर से कांग्रेसियों के लिए खुशी लेकर आई। कांग्रेस के दिग्गज नेता राहुल गांधी यहां बड़े अंतर से चुनाव जीतने में सफल रहे। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के दिनेश प्रताप सिंह को करीब तीन लाख 90 हजार वोटों से हराया। रायबरेली लोकसभा सीट पर गठबंधन प्रत्याशी राहुल गांधी की जीत ने कांग्रेसियों को काफी लंबे असरे बाद झूमने का मौका दिया। इस बार की जीत बहुत खास रही है। गांधी परिवार की तीसरी पीढ़ी के तौर पर राहुल गांधी चुनाव मैदान में उतरे थे और पूरे देश की निगाह रायबरेली परिणाम पर लगी थी। वहीं कांग्रेस का दुर्ग जीतने की मंशा सफल न होने से भाजपाइयों में बहुत मायूसी रही। कोई भी पदाधिकारी कुछ भी बोलने से बचता रहा।

अमेठी जीत पर ये बोले राहुल गांधी, यूपी की जनता को दिया धन्यवाद

अमेठी में कांग्रेस की जीत पर राहुल गांधी ने कहा भाजपा लोगों की इज्जत नहीं करती। तमीज से बात नहीं करती। किशोरी लाल शर्मा जी 40 साल से अमेठी में काम कर रहे थे। शायद भाजपा को यह बात समझ नहीं आई कि वह अमेठी की जमीन से जुड़े थे। उन्हें यह कहना कि वह पीए हैं, स्टेनो हैं। यह कहना गलत बात थी। यह नहीं कहना चाहिए था। यूपी की जनता से मैं कहना चाहता हूं कि आपसे ज्यादा राजनीतिक समझ। मतलब आपने कमाल कर के दिखा दिया। यूपी में हिंदुस्तान की राजनीतिक समझ का मैं धन्यवाद देना चाहता हूं। कसम से संविधान की रक्षा के लिए मैं यूपी का धन्यवाद देना चाहता हूं। एक और बात यूपी के लिए कहना चाहता हूं कि इसमें मेरी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा का भी योगदान है, जो यहां छिपी बैठी हैं।

खरगे ने गांधी परिवार को कहा धन्यवाद

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा लोगों को ये विश्वास हो गया था कि मोदीजी को एक मौका और मिला तो अगला हमला संविधान और लोकतंत्र पर होगा। खुशी इस बात की है कि भाजपा इस षड़यंत्र में सफल नहीं हो पाई। मैं इस मौके पर सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी का धन्यवाद करना चाहता हूं। इन्होंने दिन रात देश में कैंपेन किया और हमें यहां तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। खरगे ने कहा कि भाजपा ने विपक्ष को दबाने की कोशिश की और जो नहीं दबे उन्हें तोड़ दिया। हम इंडिया गठबंधन के साथियों का धन्यवाद करना चाहते हैं।

उत्तर प्रदेश में 37 सीटों पर सपा ने जीत दर्ज की

- कन्नौज से अखिलेश यादव 170922 वोटों से जीते
- मैनपुरी से डिंपल यादव 221639 वोट से जीतीं
- आजमगढ़ से धर्मेंद्र यादव 161035 वोटों से जीते
- गाजीपुर से अफजाल अंसारी 124861 वोटों से जीते
- कैराना से इकरा हसन 69116 वोटों से जीतीं
- मुजफ्फरनगर से हरेंद्र मलिक 24672 वोटों से जीते
- रामपुर से मुहिबुल्ला 87434 वोटों से जीते
- मुरादाबाद से रुचिवीरा 105762 वोटों से जीतीं
- संभल से जियाउर्रहमान बर्क 121494 वोट से जीते
- फिरोजाबाद से अक्षय यादव 89312 वोट से जीते
- आंवला से नीरज मौर्य 15969 वोटों से जीते
- खीरी से उत्कर्ष वर्मा 34329 वोटों से जीते
- बदायूं से आदित्य यादव 34991 वोटों से जीते
- धौरहरा से आनंद भदौरिया 4449 वोटों से जीते
- मोहनलालगंज से आरके चौधरी 70292 वोट से जीते
- सुल्तानपुर से रामभुआल निषाद 43174 वोट से जीते
- प्रतापगढ़ से शिवपाल सिंह पटेल 66206 वोट से जीते
- इटावा से जितेंद्र कुमार दोहरे 58419 वोट से जीते
- जालौन से नारायण अहिरवार 53898 वोट से जीते
- बांदा से कृष्णा पटेल 71210 वोटों से जीतीं
- फतेहपुर से नरेश उत्तम पटेल 33199 वोटों से जीते
- कौशांबी से पुष्पेंद्र सरोज 103944 वोटों से जीते
- बस्ती से राम प्रसाद चौधरी 100993 वोट से जीते
- फैजाबाद से अवधेश प्रसाद 54567 वोट से जीते
- अंबेडकरनगर से लालजी वर्मा 137247 वोट से जीते
- श्रावस्ती से रामशिरोमणि वर्मा 76673 वोट से जीते
- लालगंज से दारोगा प्रसाद 115023 वोट से जीते
- संतकबीरनगर से पल्टू निषाद 92170 वोट से जीते
- घोसी लोकसभा से राजीव राय 162943 वोट से जीते
- बलिया से सनातन पांडेय 43384 वोटों से जीते
- जौनपुर से बाबूसिंह कुशवाहा 99335 वोटों से जीते
- मछलीशहर से प्रिया सरोज 35850 वोटों से जीतीं
- चंदौली से चौधरी बिरेंद्र सिंह 21565 वोटों से जीते
- रॉबर्ट्सगंज से छोटे लाल 129234 वोटों से जीते
- एटा लोकसभा से देवेश शाक्य 28052 वोटों से जीते
- सलेमपुर से रमाशंकर राजभर 3573 वोटों से जीते

उत्तर प्रदेश ने भाजपा को आईना दिखाया: माले

लखनऊ। तर प्रदेश को हिंदुत्व की प्रयोगशाला बनाने वाली भाजपा को प्रदेशवासियों ने आईना दिखा दिया है। झूठ, तानाशाही व नफरत की राजनीति की हार और लोकतंत्र, संविधान व न्याय की जीत हुई है। चुनाव परिणाम पर त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए भाकपा (माले) के राज्य सचिव सुधाकर यादव ने कहा कि भाजपा के चार सौ पार नारे की हवा निकल गई। पीएम मोदी ने देश भर में अपने नाम पर वोट मांगे थे। तमाम सीटों पर मतदाताओं ने उन्हें नकार दिया। मोदी की गारंटी नहीं चली। खुद वाराणसी सीट पर उन्हें इंडिया गठबंधन से कड़ी टक्कर मिली। राम मंदिर वाले अयोध्या में फैजाबाद सीट पर इंडिया गठबंधन की अपराजेय बढ़त है। यह भाजपा के लिए चिराग तले अंधेरा जैसा है। उत्तर प्रदेश से चुनाव लड़ने वाले मोदी मंत्रिमंडल के कई सदस्य हार रहे हैं। अमेठी से लेकर लखीमपुर खीरी तक का यही दृश्य है। यूपी के मतदाताओं ने भाजपा के आडंबर और अहंकार को धराशायी किया है। डबल इंजन और बुल्डोजर की विनाशकारी ताकत को लोकतंत्र की ताकत से रोक दिया है। मोदी-शाह-योगी की तिकड़ी को नकार कर प्रदेश में भाजपा को पिछली बार की तुलना में हाफ (आधा) कर दिया है। बेरोजगारी, महंगाई, बढ़ती असमानता और कारपोरेट फासीवाद से त्रस्त जनता ने भाजपा को कड़ा संदेश दिया है। एनडीए की आंधी बताने वाले गोदी मीडिया के एग्जिट पोल को ठेंगा दिख दिया। कुल मिलाकर यह परिणाम जनता की जीत है। राज्य सचिव ने कहा कि भाकपा (माले) इंडिया गठबंधन के घटक के रुप में बिहार और झारखंड में कुल चार सीटों पर चुनाव लड़ी। इनमें से बिहार की दो लोकसभा सीटों - आरा और काराकाट - में पार्टी को जीत मिली और शेष दो सीटों - नालंदा व कोडरमा - में वह दूसरे स्थान पर रही। बिहार में अगिआंव विधानसभा उपचुनाव में भी माले को विजय मिली है।

लोकसभा चुनाव 2024

एनडीए **291**

इंडिया **196**

तृणमूल कांग्रेस **29**

अन्य **18**

अयोध्या सीट की हार पर ममता बनर्जी का तंज

अयोध्या लोकसभा सीट पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, इस पर मैं कोई टिप्पणी नहीं करूंगी, चुनाव हो गए हैं। बात यह है कि देश के असली शंकराचार्य-संत उन्होंने इसके खिलाफ में कहा था और आपने अयोध्या के लोगों की भावना देख ली है, उन्होंने अपनी राय दे दी है। मुझसे ज्यादा वे(अयोध्यावासी) कह सकते हैं।

रिपोर्ट लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में अहंकार और अति आत्मविश्वास से भरा रवैया रहा टिकट बांटते वक्त, बहुमत से वंचित रह गई पार्टी

यूपी में भाजपा ने आंख बंद कर बांटे टिकट, एक के बाद एक गिरता गया 'विकेट'

- सावधानी बरती गई होती तो चुनाव परिणाम इतने खस्ताहाल नहीं होते
- भाजपा ने यूपी में जीती हुईं 44 सीटों पर किसी सांसद का टिकट नहीं काटा
- टिकट देने से पहले नहीं किया गया उनके कामकाज का मूल्यांकन

जन एक्सप्रेस । डॉ. वैभव शर्मा

योगी को किनारे लगाने की बातों ने भाजपा को यूपी में 'ठिकाने' लगा दिया

प्रदेश में आम लोगों का मानना है कि योगी को किनारे लगाने की भाजपा के एक धड़े की रणनीति और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बयान जिसमें उन्होंने कहा था की चुनाव के दो-तीन महीने के बाद ही योगी को पद से हटा दिया जाएगा सीधे तौर पर जिम्मेदार हैं। योगी की कार्यशैली से खुश एक बड़ा वर्ग मानता है कि यूपी में योगी बहुत जरूरी है। प्रदेश में फिलहाल योगी का कोई विकल्प नहीं है। जिस तरह भाजपा के कुछ नेता और विपक्षी पार्टी एक तीर से दो निशाने साधने की कोशिश कर रहे हैं, माना जा रहा है कि स्वार्थ की इस राजनीति ने उत्तर प्रदेश में भाजपा का बेड़ा गर्क किया।

लखनऊ। लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में भाजपा के खराब प्रदर्शन के निहितार्थ निकाले जाना शुरू हो गए हैं। राजनीतिक हलकों में माना जा रहा है कि यूपी में भाजपा के प्रदर्शन का ठीकरा सीएम योगी के सिर फोड़ा जा सकता है। जबकि राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि खामियां टिकट वितरण के स्तर पर ही शुरू हो गईं। उसका खामियाजा भाजपा को लोकसभा में स्पष्ट बहुमत न मिलने के रूप में उठाना पड़ा। अगर सावधानी बरती गई होती तो चुनाव परिणाम इतने खस्ताहाल नहीं होते। दरअसल, उत्तर प्रदेश में भाजपा ने पिछले लोकसभा चुनाव में जीती हुईं 44 सीटों पर सांसद का टिकट नहीं काटा। उन पर आंख बंद कर भरोसा जताया। टिकट देने से पहले उनके कामकाज का मूल्यांकन तक नहीं किया गया। यह चुनाव परिणाम में घातक साबित हुआ। जनता ने ऐसे तमाम प्रत्याशियों को सिरे से नकार दिया। पिछले चुनाव में हारी सात सीटों में से श्रावस्ती, अंबेडकरनगर, जौनपुर और नगीना सीटों पर ही भाजपा ने नए चेहरों को उतारा। बाकी तीन पर भी पुराने प्रत्याशियों पर भरोसा जताया। अहंकार इस कदर था कि जिन प्रत्याशियों को जनता पहले नकार चुकी है या जिनके कामकाज से असंतुष्ट है उन्हें दोबारा सांसद के रूप में भला फिर से क्यों चुनेगी।

टिकट वितरण में योगी का नहीं था हस्तक्षेप

दरअसल, उत्तर प्रदेश में भाजपा के प्रत्याशियों को टिकट दिए जाने की प्रक्रिया में सीएम योगी आदित्यनाथ का कोई हस्तक्षेप नहीं था। लोगों का कहना है कि जब टिकट देते वक्त योगी की पसंद-नापसंद का कोई ध्यान ही नहीं रखा गया, तो व्यक्तिगत रूप से उनके सिर पर हार का ठीकरा फोड़ने का कोई औचित्य ही नहीं बनता।

योगी ने प्रचार-प्रसार में नहीं छोड़ी कोई कसर

इसमें कोई दो राय नहीं, योगी आदित्यनाथ ने भाजपा के एक समर्पित नेता और कार्यकर्ता के रूप में पूरे उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे देश में प्रचार प्रसार में कोई कसर नहीं छोड़ी। पार्टी ने भी उन्हें स्टार प्रचारक की लिस्ट में शामिल किया था। देश के कोने-कोने में योगी आदित्यनाथ की रैली और आम सभा की विशेष मांग भी रही। उत्तर प्रदेश चूंकि उनका कार्यक्षेत्र है इसलिए स्वाभाविक रूप से उन्होंने यहां अपना सर्वाधिक देने की कोशिश की।

भाजपा के योगी समर्थक तबके का लोकसभा चुनाव में पार्टी से मोह भंग हो गया

लोगों को लगा कि जिस पार्टी में योगी आदित्यनाथ जैसे कार्यकर्ता और नेता का भविष्य सुरक्षित नहीं है। वह आम आदमी को सुरक्षा का अहसास और विश्वास कैसे करा सकती है। यही कारण है कि भाजपा के योगी समर्थक तबके का लोकसभा चुनाव में पार्टी से मोह भंग हो गया। झुंझलाहट में ऐसे वोटरों ने भाजपा को छोड़कर कांग्रेस और सपा के पक्ष में मतदान किया।

कई प्रत्याशियों को कुछ न करने की आदत पड़ गई थी

भारतीय जनता पार्टी ने कई सिटिंग एमपी को फिर से टिकट दे दिया था। इनमें ज्यादातर सांसद ऐसे थे, जिन्होंने अपने पिछले कार्यकाल में जनहित में कोई बड़ा काम नहीं किया। 2019 का चुनाव जीतने के बाद जनता को उनके दर्शन भी मुश्किल हो गए थे। कुछ यही हाल ऐसे प्रत्याशियों का भी रहा जिन्होंने टिकट मिलने के बाद ही मान लिया था कि उन्हें दुनिया की कोई ताकत चुनाव नहीं हरा सकती। वो एयर कंडीशन्ड कमरों में आराम से नींद लेते रहे। उन्होंने वोट मांगने के लिए घर-घर जाना तो दूर, जोश के साथ पर्याप्त रैली और जनसभा करना भी उचित नहीं समझा। अहंकार में चूर ऐसे सभी प्रत्याशियों को जनता ने सबक सिखा दिया। यही यूपी में भाजपा के खराब प्रदर्शन का बड़ा कारण रहा।

पीएम मोदी ने जनता का आभार प्रकट किया

पीएम मोदी ने चुनाव नतीजों के बाद जनता का आभार प्रकट किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि 'देश की जनता-जनार्दन ने एनडीए पर लगातार तीसरी बार अपना विश्वास जताया है। भारत के इतिहास में ये एक अभूतपूर्व पल है। मैं इस स्नेह और आशीर्वाद के लिए अपने परिवारजनों को नमन करता हूं। मैं देशवासियों को विश्वास दिलाता हूं कि उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हम नई ऊर्जा, नई उमंग, नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ेंगे। सभी कार्यकर्ताओं ने जिस समर्पण भाव से अथक मेहनत की है, मैं इसके लिए उनका हृदय से आभार व्यक्त करता हूं, अभिनंदन करता हूं।'

गृहमंत्री अमित शाह ने भाजपा कार्यकर्ताओं का शुक्रिया अदा किया

गृहमंत्री अमित शाह ने चुनाव नतीजों पर भाजपा कार्यकर्ताओं का शुक्रिया अदा किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा 'भाजपा को तीसरी बार मिली यह जीत हमारे कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम का प्रतिफल है। इस जीत के लिए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और देश के हर भू-भाग में मेहनत करने वाले सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को मैं बधाई देता हूँ। भाजपा के लिए उनके कार्यकर्ता ही सबसे बड़ी पूंजी हैं। आप सभी ने जिस परिश्रम से उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम तक गली-गली, घर-घर जाकर मोदी जी के लिए जनता का आशीर्वाद मांगा है, वह सचमुच सराहनीय है। मैं आप सभी को इस भगीरथ प्रयास के लिए मनपूर्वक शुभकामनाएं देता हूँ। मुझमें पुनः अपना विश्वास प्रकट करने के लिए गाँधीनगर लोकसभा क्षेत्र की जनता को नमन करता हूँ। क्षेत्र के विकास व क्षेत्रवासियों की समृद्धि और उन्नति के लिए मैं निरंतर संकल्पित भाव से कार्य करता रहूँगा। विकसित भारत के निर्माण में गाँधीनगर की अग्रणी भूमिका सुनिश्चित करने के लिए मैं कटिबद्ध हूं। मोदी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ एक-एक व्यक्ति को मिले और गाँधीनगर देश के सबसे विकसित क्षेत्र में से एक बने, यह सदैव मेरी प्राथमिकता रहेगी।'

जिले के मतदाताओं ने सपा पर जताया भरोसा बांदा लोकसभा में हुई सपा प्रत्याशी की जीत

जन एक्सप्रेस। चित्रकूट

बांदा चित्रकूट संसदीय सीट में मंगलवार को मतगणना का कार्य पूर्ण हो गया। जिसमें सपा प्रत्याशी कृष्णा देवी पटेल ने भाजपा प्रत्याशी आरके सिंह पटले को 71197 मतों से पराजित किया। बांदा लोकसभा के अन्तर्गत बांदा जनपद के साथ चित्रकूट जनपद की दो विधानसभा सीटें भी आती हैं। जिसमें चित्रकूट विधानसभा और मानिकपुर विधानसभा सीटों की मतगणना मंगलवार को रामायण मेला परिसर में कडे सुरक्षा इंतजामों के बीच हुई। चित्रकूट विधानसभा में 32 राउंड की मतगणना होने के बाद सपा प्रत्याशी कृष्णा पटेल को 91006 मत प्राप्त हुए। यहां दूसरे स्थान पर बसपा प्रत्याशी मयंक द्विवेदी को 64276 मत प्राप्त हुए, जबकि वर्तमान सांसद आरके सिंह पटले को तीसरे स्थान पर संतोष करना पड़ा, उन्हें इस विधानसभा में 63933 मत प्राप्त हुए। इसी प्रकार मानिकपुर विधानसभा में 30 राउंड गिनती हुई। जिसमें सपा प्रत्याशी कृष्णा देवी शिवशंकर पटेल को सबसे ज्यादा 62480, बसपा प्रत्याशी मयंक द्विवेदी को 62397 मत के साथ दूसरे स्थान पर रहे। इस विधानसभा सीट में भी भाजपा प्रत्याशी को तीसरे स्थान पर संतोष करना पड़ा और उन्हें 62135 मत प्राप्त हुए। हालाकि मानिकपुर विधानसभा में तीनों प्रत्याशियों के बीच कांटे का मुकाबला हुआ। इसके बावजूद सपा प्रत्याशी यहां भी बढ़त बनाने में सफल रही। जबकि चित्रकूट विधानसभा में उन्होंने भारी अंतर से जीत हासिल की है।

बाल अपचारियों के मध्य हुआ विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन

जन एक्सप्रेस। चित्रकूट

इलाहाबाद उच्च न्यायालय एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ द्वारा जारी कार्ययोजना के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष जनपद न्यायाधीश विकास कुमार प्रथम के निर्देश पर मंगलवार को विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर राजकीय संप्रेक्षण गृह में बाल अपचारियों के मध्य विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव अपर जिला जज नीलू मैनवाल ने बताया कि राजकीय संप्रेक्षण गृह में आवासित बाल अपचारियों द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के पूर्व पेंटिंग बनाई गई है। बाल अपचारियों द्वारा बनाई गई पेंटिंग में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पाने वाले बाल अपचारियों को प्रतीक चिन्ह देकर उत्साहवर्धन किया गया। साथ ही अन्य प्रतिभागी बाल अपचारियों को भी प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया। सचिव ने कहा कि पेड़ पौधे गर्मी को अपने अन्दर समाहित कर लेते हैं। सभी लोगों का एक लक्ष्य है कि अधिक से अधिक पौधे लगाएं जिससे हमारा पर्यावरण शुद्ध हो सके। बाल सम्प्रेक्षण गृह में बाल अपचारियों द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया।

किशोर न्याय बोर्ड की प्रधान मजिस्ट्रेट अंजलिका प्रियदर्शनी ने बताया कि पर्यावरण को बचाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को वृक्षारोपण करना चाहिए। जिससे हमारे वातावरण में संतुलन बना रहे और हमे जीने के लिए शुद्ध वातावरण प्राप्त हो सके।

इस मौके पर किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य शिवशंकर त्रिपाठी, अर्चना श्रीवास्तव, विधिक सह परिवीक्षा अधिकारी अंजना पोरवाल, संस्था प्रभारी वीर सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता अर्जुन यादव, परामर्शदाता दीपक शर्मा व कला प्रशिक्षक विनय कुमार आदि मौजूद रहे।

अर्धरात्रि में चोरों ने पार किए लाखों के पाइप

जन एक्सप्रेस। चित्रकूट

देवांगना घाटी तक लाइन बिछाने के लिए रखे पाइप रात्रि में अज्ञात चोर गाड़ी में भर ले गए। पीड़ित ठेकेदार ने घटना की सूचना पुलिस को दी है।

कर्वी कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत जगदीश गंज मोहल्ले के निवासी ठेकेदार संतोष कुमार द्विवेदी पुत्र रामलखन द्विवेदी ने बताया कि जल संस्थान द्वारा पटेल तिराहे से देवांगना घाटी तक पाइप लाइन बिछाने का कार्य उन्हें मिला हुआ है। पाइप लाइन डालने के लिए उसने मुस्लिम पुरवा में पाइप को सेट कर रख दिया था। इस दौरान बीती रात 1 बजे अज्ञात चोर चार पहिया वाहन एवं एक डीसीएम गाडी से वहां गए। इसके बाद चोरों ने डीसीएम वाहन में लगभग 150 पाइप भर लिया और मौके से फरार हो गए। इस गाडी की फोटो वहां रहने वाले पडोसी हबीब ने मोबाइल से खींच ली थी। साथ ही हबीब ने उनको भी फोन से सूचित किया। सबेरे जाने पर उन्हें 150 पाइप गायब मिले। पीड़ित ठेकेदार ने घटना की सूचना कर्वी कोतवाली में दी है।

भूतपूर्व सैनिक ने ट्रेन से कटकर दी जान, बहू की गोली मारकर कर दी थी हत्या

जन एक्सप्रेस। प्रयागराज

भूतपूर्व सैनिक शिवमूरत तिवारी मूल रूप से करैली थाना क्षेत्र के करेहदा गांव के रहने वाले थे। वे भारतीय सेना में कार्यरत थे। लगभग बीस वर्ष पूर्व फौज से रिटायर होने के बाद से अपने ससुराल के गांव घूरपुर क्षेत्र के सारंगापुर में आकर बस गए थे।

क्षेत्र के सारंगापुर गांव के सामने से निकली मुंबई-हावड़ा रेलमार्ग पर सोमवार की सुबह एक वृद्ध ने ट्रेन से कटकर जान दे दी। उनकी पहचान सरंगापुर निवासी शिवमूरत तिवारी (80) के रूप में हुई। वह भारतीय सेना से सेवानिवृत्त हुए थे। सूचना पर पहुंची घूरपुर पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

शिवमूरत तिवारी मूल रूप से करैली थाना क्षेत्र के करेहदा गांव के रहने वाले थे। वे भारतीय सेना में कार्यरत थे। लगभग बीस वर्ष पूर्व फौज से रिटायर होने के बाद से अपने ससुराल के गांव घूरपुर क्षेत्र के सारंगापुर में आकर बस गए थे। उनके दोनों बेटे राजीव तिवारी और राना तिवारी भी सेना से रिटायर हो चुके हैं।

मृतक अपनी ही बहू अंजू पत्नी राजीव तिवारी की हत्या के आरोप में जेल जा चुके थे। आरोप है कि गत एक दिसंबर 2016 की सुबह उन्होंने पारिवारिक विवाद में अपनी लाइसेंसी बंदूक से बहू को गोली मारकर हत्या कर दी थी। आरोप है कि गत एक दिसंबर 2016 की सुबह उन्होंने पारिवारिक विवाद में अपनी लाइसेंसी बंदूक से बहू को गोली मारकर हत्या कर दी थी।बहू की हत्या के बाद वह आला कत्ल बंदूक लेकर खुद ही घूरपुर थाने पहुंच गए थे। गांव के लोगों के अनुसार पिछले वर्ष ही जेल से जमानत पर छूट कर आए थे।

शर्मनाक: बिस्कुट देने के बहाने पांच साल के मासूम से युवक ने किया कुकर्म, अस्पताल में हालत नाजुक

जन एक्सप्रेस। कौशांबी

चरवा इलाके के एक गांव का युवक ईंट भट्ठा में मजदूरी कर परिवार का गुजारा करता है। उसकी पत्नी अपने दो बच्चों के साथ घर पर रहती है। बृहस्पतिवार दोपहर उसका पांच वर्षीय छोटा बेटा घर के बाहर खेल रहा था। इसी दौरान पड़ोस का एक युवक बहला फुसलाकर पंचायत भवन की तरफ ले गया।

चरवा कोतवाली के एक गांव में बृहस्पतिवार दोपहर पंचायत भवन के पास पांच साल के मासूम के साथ पड़ोस के युवक ने जबरन कुकर्म कर दिया। हैवान के चंगुल से छूटने के बाद रोते बिलखते घर पहुंचे मासूम के पैर खून से लथपथ देख मां के होश उड़ गए। पूछने पर मासूम ने आपबीती बताई। मां ने मासूम के साथ थाने जाकर घटना की तहरीर दी। पुलिस मासूम को मेडिकल के लिए भेजने के बाद मामले की छानबीन में जुट गई है।

चरवा इलाके के एक गांव का युवक ईंट भट्ठा में मजदूरी कर परिवार का गुजारा करता है। उसकी पत्नी अपने दो बच्चों के साथ घर पर रहती है। बृहस्पतिवार दोपहर उसका पांच वर्षीय छोटा बेटा घर के बाहर खेल रहा था। इसी दौरान पड़ोस का एक युवक बहला फुसलाकर पंचायत भवन की तरफ ले गया। वहां युवक ने मासूम के साथ जबरन कुकर्म किया। खून बहने से मासूम की हालत नाजुक हो गई। किसी तरह युवक के चंगुल से छूटने के बाद मासूम रोता-बिलखता घर पहुंचा। उसके दोनो पैर खून से लथपथ देख मां के होश उड़ गए।

मीडिया से रूबरू हुये केंद्रीय मंत्री, बयां किया दर्द

जन एक्सप्रेस/उरई। जालौन गरौठा भोगनीपुर से आठवीं बार चुनाव मैदान में उतरे भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी केंद्रीय मंत्री भानु प्रताप वर्मा चुनाव हारने के बाद मीडिया से रूबरू हुए और उन्होंने कहा कि मैं चुनाव जीत जाता लेकिन इस बार चुनावी मैदान में उतरी बीएसपी पार्टी का जनाधार ना बढ़ाना मेरी हार का कारण बना। अगर चुनाव में बीएसपी का वोट बढ़ता तो बे चुनाव जीतकर फिर से देश की सबसे बड़ी पार्लियामेंट में पहुंच जाते। जब मीडिया ने केंद्रीय मंत्री से पूछा कि आप अंदरूनी कलह की वजह से तो आप चुनाव नहीं हारे, तो उन्होंने कहा कि ऐसा बिल्कुल भी नहीं है हमारी पार्टी में कोई अंदरूनी कलह है ही नहीं। केवल बीएसपी को वोट नहीं मिला इसलिए हम चुनाव हार गए हैं।

आश्रम के पास में लगी आग पर पाया नियंत्रण

जन एक्सप्रेस/कालपी। तहसील क्षेत्र में हरचंदपुर रोड में अग्निकांड की घटना हो गई। दमकल वाहन लेकर मौके पर पहुंचे कर्मचारियो को आग बुझाने के लिए मशक्कत करनी पड़ी। अग्निशमन अधिकारी एमपी वाजपेई ने बताया कि कदौरा हरचंदपुर रोड में स्थित आश्रम के निकट आग लगने की सूचना पर विभाग की टीम दमकल वाहन लेकर मौके पर पहुंच गई तथा आग पर नियंत्रण? कर लिया। क्षेत्रीय नागरिकों के अलावा अग्निशमन विभाग के फायरमैन तथा कर्मचारी विनोद नायक, फायरमैन रवि प्रकाश, वीरेंद्र सिंह, सुधीर सिंह, चालक विनोद कुमार नायक फायरमैन अमृतलाल फायरमैन रवि प्रकाश शर्मा फायरमैन शिवकुमार फायरमैन गोविंद सिंह, फायरमैन रणधीर सिंह फायरमैन मानवेंद्र सिंह आदि शामिल रहे।

बालू ठेकेदार को झलवा से शिवकुटी तक खदेड़कर फायरिंग, वारदात से शहर में सनसनी

जन एक्सप्रेस। प्रयागराज

अभिषेक यादव (30) गोविंदपुर का रहने वाला है और बालू का ठेकेदार है। उसने पुलिस को बताया कि झलवा निवासी साहिल भी बालू का कारोबार करता है और उसे कई बार धमका चुका था। कहता था कि वह उसके इलाके में बालू की सप्लाई न करे।

झलवा में शनिवार देर रात बालू की सप्लाई को लेकर हुए विवाद में दबंगों ने बालू ठेकेदार पर हमला बोल दिया। जान बचाकर भागने पर फॉर्च्यूनर समेत तीन गाड़ियों से पीछा किया और रास्ते में फायरिंग भी की। हमलावर पीछा करते हुए शिवकुटी में ठेकेदार के घर तक पहुंच गए। वहां पुलिस ने घेराबंदी कर फॉर्च्यूनर सवार छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि दो कारों में सवार उनके साथी भाग निकले।

अभिषेक यादव(30) गोविंदपुर का रहने वाला है और बालू का ठेकेदार है। उसने पुलिस को बताया कि झलवा निवासी साहिल भी बालू का कारोबार करता है और उसे कई बार धमका चुका था। कहता था कि वह उसके इलाके में बालू की सप्लाई न करे। शनिवार रात 12 बजे के करीब वह अपने एक साथी के साथ बालू गिराने झलवा में गया था।

आरोप है कि वहां साहिल अपने एक अन्य साथी संग बाइक से आया और विवाद करने लगा। साथ ही फोन कर अपने कई साथियों को भी बुला लिया जो लाठी-डंडों से लैस थे। यह देख अभिषेक व उसका साथी कार से भागने लगे जिस पर साहिल व उसके साथियों ने तीन कारों से उनका पीछा कर लिया। साथ ही फोन कर चौफटका के पास अपने अन्य साथियों को भी बुला लिया, जिन्होंने रास्ते में बाइक रखकर उन्हें रोकने की कोशिश की।

इसके बाद भी ठेकेदार नहीं रुका तो कार पर फायरिंग की, जिसमें वह बाल-बाल बच गया। हालांकि, गाड़ी का शीशा क्षतिग्रस्त हो गया। इसके बाद ठेकेदार भागते हुए गोविंदपुर स्थित अपने घर पहुंच गया और डायल 112 पर सूचना दी।

देर रात दो हॉस्टलों में भिड़ंत के बाद पथराव-बमबाजी, भोर तक चला बवाल, तीन गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस। प्रयागराज

पुलिस सूत्रों का कहना है कि दो दिन पहले दोनों हॉस्टल के छात्रों के बीच विवाद हुआ था। इसके बाद दोनों पक्ष आमने-सामने हो गए थे। शनिवार देर रात एक बार फिर विवाद शुरू हो गया। इसके बाद दोनों हॉस्टलों से ईंट-पत्थर चलाने के साथ ही बम पटके जाने लगे।

कर्नलगंज में दो हॉस्टल के छात्रों के विवाद में शनिवार रात जमकर पथराव व बमबाजी हुई। इविवि यूनियन हाल गेट के पास हॉलैंड हॉल व एसएसएल हॉस्टल के छात्रों के बीच देर रात शुरू हुआ विवाद भोर तक चला। घटना में शामिल तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है जबकि उनके दो साथी फरार हैं। उधर सुबह दोनों हॉस्टलों में सर्च ऑपरेशन चलाकर 10 बम व बारूद समेत बम बनाने की अन्य सामग्री बरामद की गई। पुलिस सूत्रों का कहना है कि दो दिन पहले दोनों हॉस्टल के छात्रों के बीच विवाद हुआ था। इसके बाद दोनों पक्ष आमने-सामने हो गए थे। शनिवार देर रात एक बार फिर विवाद शुरू हो गया। इसके बाद दोनों हॉस्टलों से ईंट-पत्थर चलाने के साथ ही बम पटके जाने लगे। सूचना पर डायल 112 पुलिस पहुंची लेकिन मामला शांत नहीं हुआ। फिर थाने की फोर्स के साथ ही एसीपी कर्नलगंज भी पहुंच गए। पुलिस ने छात्रों को समझाने का प्रयास किया लेकिन वह नहीं माने और एक-दूसरे पर हमलावर बने रहे।

भोर तक दोनों ओर से ईंट-पत्थर व बम चलाए जाते रहे। मामला शांत न होता देख पुलिस ने खदेड़ा तो हमलावर भागने लगे और इस दौरान तीन युवक पकड़ लिए गए। थाने में पूछताछ में उन्होंने अपना नाम मृत्युंजय कुमार निवासी गाजीपुर, सौरभ दीक्षित निवासी देवरिया और अंकित कुमार निवासी औरंगाबाद बिहार बताया। इनमें से अंकित एसएसएल व अन्य दोनों हॉलैंड हॉल हॉस्टल में रहते हैं। देर शाम बमबाजी व अन्य आरोपों में मुकदमा दर्ज कर तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया। दो आरोपी विजय यादव व आश्रय अभी फरार हैं। एसीपी राजीव कुमार यादव ने बताया कि दोनों फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

रविवार सुबह हॉलैंड हॉल हॉस्टल के अधीक्षक रंजीत सिंह व एसएसएल हॉस्टल के अधीक्षक पवन शर्मा की ओर घटना के संबंध में तहरीर दी गई।

एक दिवसीय उर्स में सामूहिक शादियों का होगा आयोजन

जन एक्सप्रेस/कालपी। नगर के मोहल्ला राजेपुरा रामचबूतरा में स्थित हजरत सैयद अब्दुल रहमान रहमतुल्लाह खखूजे गुम्बद वाली गुंबद में आज दिनांक 5 जून को एक दिवसीय सालाना मौके पर इंज्तिमाई शादी सम्मेलन का आयोजन किया। कार्यक्रम मैं मौलाना सैय्यद अमीनुल कादरी मालेगांव महाराष्ट्र उल्लेखनीय ढंग से मौजूद रहेंगे। राजा कमेटी कालपी के तत्वाधान में आयोजित होने वाले उक्त कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए अहमद रजा ने बताया कि गुंबद परिसर में तकरीर प्रोग्राम में मौलाना गुलाम अब्दुस्सयद मियां फफूंद, मौलाना सैय्यद बजीउद्दीन मियां लखीमपुर, सैय्यद अनस मियां उरई, मुफ़्ती अशफाक अहमद बरकाती, मौलाना रिजवान शरीफी, कारी दावर रजा इमाम मुढ़ीया गुम्बद मस्जिद के द्वारा तकरीर की जाएगी। जायरीनों तथा अकीदतमंद फूल चादर चढ़ाकर फातिहा पढ़ेंगे तथा लंगर का भी आयोजन होगा। परिसर में दो जोड़ो की सामूहिक शादियां भी आयोजित की जाएगी।

इलाहाबाद में 40 साल से कांग्रेस को जीत का इंतजार, अमिताभ के बाद कोई नहीं दिला सका था जीत

जन एक्सप्रेस/प्रयागराज। 1984 में अमिताभ बच्चन ने रिकॉर्ड मतों से जीत हासिल की थी, लेकिन इसके बाद 1988 के उपचुनाव व 1989 में पार्टी दूसरे स्थान पर रही। वहीं, 1991 के बाद से तो कांग्रेस उम्मीदवार जमानत तक नहीं बचा पाए। 1991 से 2019 के बीच आठ बार लोकसभा चुनाव हुए, लेकिन 1999 के चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी रहीं रीता बहुगुणा जोशी जमानत बचा पाई थीं। देश के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की इलाहाबाद संसदीय सीट पर कांग्रेस को 40 वर्षों से जीत का इंतजार है। पार्टी को इस बार काफी उम्मीदें हैं। यदि ऐसा होता है तो 1984 में अमिताभ बच्चन के बाद कांग्रेस को जीत नसीब होगी। विगत कई चुनावों में कांग्रेस उम्मीदवार जमान तक भी नहीं बचा पाए हैं। 1984 में अमिताभ बच्चन ने रिकॉर्ड मतों से जीत हासिल की थी, लेकिन इसके बाद 1988 के उपचुनाव व 1989 में पार्टी दूसरे स्थान पर रही। वहीं, 1991 के बाद से तो कांग्रेस उम्मीदवार जमानत तक नहीं बचा पाए। 1991 से 2019 के बीच आठ बार लोकसभा चुनाव हुए, लेकिन 1999 के चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी रहीं रीता बहुगुणा जोशी जमानत बचा पाई थीं। इनके बाद 2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी रहे नंद गोपाल गुप्ता नंदी को ही एक लाख दो हजार 453 वोट मिले थे। लेकिन, वह भी जमानत नहीं बचा पाए थे। इस बार 58795 वोटों के अन्तर से जीतकर उज्जवल रमन सिंह ने कांग्रेस की उस आस को पूरा कर ही दिया।

हाईकोर्ट ने कहा: भरण-पोषण भत्ता दो या डीएनए टेस्ट कराओ, पिता ने कोर्ट में कहा था, यह बच्चे उसके नहीं

जन एक्सप्रेस/प्रयागराज। मामले में पुलिस स्टेशन वृंदावन, मथुरा निवासी महिला ने गुजारा भत्ता के लिए फैमिली कोर्ट में वाद दायर किया था। इस दौरान कोर्ट में आवेदक ने एक आवेदन दायर कर कहा कि बच्चे उसके नहीं हैं। इसलिए वह गुजारा भत्ता देने के लिए उत्तरदायी नहीं है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बच्चों को गुजारा भत्ता देने से इन्कार करने वाले पिता को आदेश दिया कि वह या तो गुजारा भत्ता दे या डीएनए जांच कराए। कोर्ट ने कहा कि पितृत्व संबंधी विवाद के कारण भरण पोषण से इन्कार करना बच्चों के मूल अधिकार का उल्लंघन है। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार की कोर्ट ने यह आदेश सचिन अग्रवाल की ओर दायर किए गए मामले में दिया। मामले में पुलिस स्टेशन वृंदावन, मथुरा निवासी महिला ने गुजारा भत्ता के लिए फैमिली कोर्ट में वाद दायर किया था।

अवैध शराब के साथ एक गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस। चित्रकूट

पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर अवैध शराब निर्माण एवं बिक्री की रोकथाम के लिए चलाये जा रहे अभियान के क्रम में चैकी प्रभारी गनीवा अनिल कुमार सिंह एवं प्रमोद कुमार द्वारा भगवानदीन रैदास निवासी चनहट को 22 क्वार्टर देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। आरोपी के विरुद्ध थाना राजापुर में आबकारी अधिनियम के अन्तर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया।

घरवालों ने प्रेमी के घर की चढ़ाई तो प्रेमिका ने फांसी पर लटककर दे दी जान

जन एक्सप्रेस। कौशांबी

नंदा का पुरवा गांव निवासी सध्धू निषाद व विजय निषाद पड़ोसी हैं। ग्रामीणों ने बताया कि सध्धू की बेटी मोहिनी (17) और विजय के लड़के भगोले के बीच साल भर से प्रेम प्रसंग चल रहा था। अक्सर इसी बात को लेकर दोनों परिवारों के बीच लड़ाई झगड़ा हो जाता था। सरायअकिल कोतवाली के नंदा का पुरवा गांव में सोमवार दोपहर किशोरी के घरवालों ने पड़ोसी प्रेमी के घर चढ़ाई कर दी,इसी बात से आहत होकर किशोरी ने अपने नलकूप पर जाकर पेड़ पर फांसी से लटककर जान दे दी।उसकी मौत होने से परिजनों में रोना पिटना मच गया। सूचना के बाद फोरेंसिक टीम के साथ पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। नंदा का पुरवा गांव निवासी सध्धू निषाद व विजय निषाद पड़ोसी हैं। ग्रामीणों ने बताया कि सध्धू की बेटी मोहिनी (17) और विजय के लड़के भगोले के बीच साल भर से प्रेम प्रसंग चल रहा था। अक्सर इसी बात को लेकर दोनों परिवारों के बीच लड़ाई झगड़ा हो जाता था। झगड़ा होने के बाद भी प्रेमी और प्रेमिका का प्यार कम नहीं हो रहा था। ग्रामीणों में चर्चा है कि सोमवार दोपहर मोहिनी प्रेमी भगोले से फोन पर बातचीत कर रही थी। उसे बातचीत करते हुए घरवालों ने सुन लिया तो पहले उसे मारा पीटा और परिवार के 15 से 20 लोग एकत्रित होकर भगोले के घर चढ़ाई कर दिया। वहां उसके घरवालों को मारना पीटना शुरू कर दिया। मौके पर जुटे ग्रामीणों ने बीच-बचाव कर किसी तरह मामला शांत कराया।

कड़ी सुरक्षा के बीच संपन्न हुई मतगणना छावनी में तब्दील रहा मंडी परिसर

जन एक्सप्रेस। उरई

लोकसभा चुनाव की मतगणना को शान्ति पूर्ण निष्पक्ष सम्पन्न कराने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा दिया। जिन्होंने मतगणना स्थल मंडी परिसर में पहले से ही पुलिस जवानों की तैनाती कर दी थी। जिससे कोई भी अराजकतत्व मतगणना स्थल के आसपास भी नहीं भटक सके। एसपी द्वारा लगाई गई फील्डिंग के चलते देर शाम परिणाम आने तक पुलिस के जवान सक्रियता से तैनात रहे और हर व्यक्ति पर बनाए रहे।

पुलिस अधीक्षक डॉक्टर ईरज राजा ने निष्पक्ष व पारदर्शिता मतगणना को लेकर पहले से ही अपनी भूमिका बना ली थी। जिसको लेकर काउंटिंग शुरू होने से पहले ही मतगणना स्थल को छावनी में तब्दील कर दिया था। इतना ही नहीं बल्कि कोई भी अराजकता न फैला सके इसको लेकर मतणना स्थल के अलावा आसपास भी पुलिस जवानों की तैनाती की गई थी। बल्कि एसपी ने भी स्वयंम मोर्चा संभाला और मतगणना स्थल का निरीक्षण कर पल-पल की जानकारी ली। फिलहाल चप्पे-चप्पे पर खाकी नजर आई और एसपी की सक्रियता के चलते देर शाम तक मतगणना सकुशल संपन्न हुई।

चप्पे-चप्पे पर तैनात रहे पुलिस के जवान, पल-पल की जानकारी लेते रहे एसपी

janexpressnews janexpresslive janexpresslive

कानपुर नगर एक्सप्रेस

www.janexpresslive.com/epaper | हिंदी दैनिक, जन एक्सप्रेस | लखनऊ | बुधवार | 05 जून 2024

मौसम पूर्वानुमान

पूर्वानुमान

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार,अगले पांच दिनों में हल्के बादल छाए रहने के कारण आज मध्य तेज़ हवाओं, धूल भरी आँधी एवं गरज़ चमक के साथ स्थानीय स्तर पर हल्की वर्षा होने की संभावना है। तथा दिन और रात के तापमान सामान्य से अधिक रहने के आसार हैं।

अधिकतम (डिग्री०सेo) : 44.0 (+3.0)
न्यूनतम तापमान (डिग्री०सेo) : 27.6 (+0.3)
सापेक्षिक आर्द्रता अधिकतम : 46 प्रतिशत
सापेक्षिक आर्द्रता न्यूनतम : 15 प्रतिशत
हवा की औसत गति : 3.8 कि०मी०/घंटा
हवा की दिशा- उत्तर-पश्चिम
वर्षा (मि०मी०) : 0.0

- कृषि मौसम वैज्ञानिक

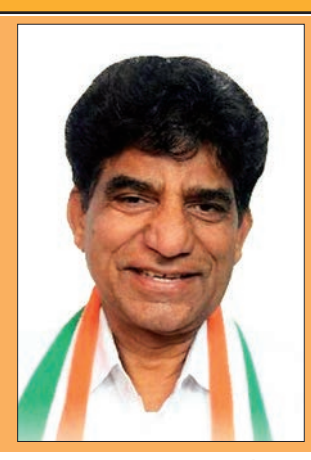

हाय दईया बड़ी मुश्किल से जीते रमेश अवस्थी भईया

- इंडिया गठबंधन को अकबरपुर और मिश्रिख लोकसभा पर भी मिली हार
- कानपुर लोकसभा सीट के नतीजे पर अंत तक अटकी रही भाजपा प्रत्याशी की सांसे

जन एक्सप्रेस । कमलेश फाइटर/विनीत सिन्हा

कानपुर नगर। कानपुर लोकसभा सीट संख्या 43 जिस पर लगातार दो मर्तबा से बीजेपी का कब्जा रहा।
सन 2014 के लोकसभा चुनाव में मुरली मनोहर जोशी ने 223046 वोटो से श्री प्रकाश जायसवाल को हराया था उसके बाद 2019 में सत्यदेव पचौरी ने पुनः श्री प्रकाश जायसवाल को 155943 वोटो से हराया था, लेकिन इस बार जब बड़ी ही मेहनत से उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना, मेयर प्रमिला पांडे, बीजेपी के विधायक सुरेंद्र मैथानी, महेश त्रिवेदी, कांग्रेस छोड़कर आए अजय कपूर, और दर्जनों ऐसे लीडर जो सपा, बसपा, कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए थे उसके बाद भी रमेश अवस्थी को जीत के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ा। जहां जीत लाखों वोटों से होनी सुनिश्चित थी वहां 20968 वोट से जीत हासिल की गई।
इस चुनाव में आलोक मिश्रा हार कर भी जीते हुए माने जा रहे हैं।
मंगलवार को सुबह आठ बजे से मतों की गिनती शुरु हो गई।
यूपी की सबसे हॉट सीट मानी जाने वाली सीट पर भाजपा प्रत्याशी रमेश अवस्थी ने 20 हजार से ज्यादा वोटों से जीत दर्ज की है। वहीं कांग्रेस प्रत्याशी आलोक मिश्रा को हार का सामना करना पड़ा। दोनों के बीच कांटे की टक्कर चली। वोटों की गिनती नौबस्ता गल्ला मंडी में बने मतगणना स्थल पर हुई।
भाजपा प्रत्याशी रमेश अवस्थी को 443055 लाख वोट मिले। कांग्रेस प्रत्याशी आलोक मिश्रा को 422087 लाख वोट मिले।
जब की बसपा प्रत्याशी कुलदीप भदौरिया को 12032 मत मिले।
कानपुर में एक बार फिर भगवा परचम लहराया भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल बन गया, वहीं कांग्रेस-सपा कार्यकर्ताओं के चेहरे पर मायूसी दिखी।
ज्ञातव्य हो कि कानपुर नगर लोकसभा क्षेत्र की पांच विधानसभा क्षेत्रों में 16,62,859 मतदाता थे। इनमें से 53.05 फीसदी यानी 8,82,074 लोगों ने वोट डाले थे।

संगठन ने की जी तोड़ मेहनत मैथानी और त्रिवेदी भी नहीं रहे पीछे

कानपुर लोकसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी रमेश अवस्थी जीत गए तो गए लेकीन काफी कम मतों से जीत होने पर संगठन इसकी समीक्षा जरूर करेगा लेकिन भाजपा संगठन के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारी ने जी तोड़ मेहनत करते हुए रमेश अवस्थी को लड़ाया और जिताया भी और अगर अहम भूमिका की बात की जाए तो गोविंद नगर विधानसभा से विधायक सुरेंद्र मैथानी और किदवई नगर विधानसभा से विधायक महेश त्रिवेदी की मेहनत के भी चर्चे आम रहे हैं।

मतगणना के दौरान जिला प्रशासन रहा चुस्त दुरुस्त

नौबस्ता स्थित गल्ला मंडी में मतगड़ना केंद्र बनाया गया था। जॉइंट पुलिस कमिश्नर से लेकर सभी डीसीपी और एसीपी समेत काफी संख्या में पुलिस बल, एलआईयू, जेड ओ, बीएसएफ, पीएसी भी तैनात थी। किसी भी प्रकार की कोई अप्रिय घटना घटित नहीं हुई साथ ही शांतिपूर्ण तरीके से मतगणना का कार्य संपन्न हुआ है।

अकबरपुर देवेंद्र सिंह भोले जीते, राजाराम पाल को करना पड़ा हार का सामना

अकबरपुर लोकसभा से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी देवेंद्र सिंह भोले ने 231831 लाख वोटों से जीत दर्ज की है। उनकी टक्कर समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी राजा रामपाल से थी। देवेंद्र सिंह भोले को कुल 514256 लाख वोट मिले। वहीं सपा के राजा राम पाल को कुल 469766 लाख वोट प्राप्त हुये। जब की बसपा प्रत्याशी राजेश द्विवेदी को 72679 मत मिले।

व्यापारियों ने शरबत वितरण कर की भव्य अतिशबाजी

केंद्र में भाजपा गठबंधन की सरकार बनने वा कानपुर, अकबरपुर मिश्रिख लोकसभा की जीत की खुशी में एवं लगातार तीसरी बार नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं पर भारतीय जनता पार्टी कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र व्यापार प्रकोष्ठ के क्षेत्रीय संयोजक विनोद गुप्ता की अगुवाई में कानपुर के व्यापारी समाज की ओर से भारत माता मंदिर घंटाघर में सुबह 11 बजे से लगातार अनवरत केसरिया शरबत का वितरण किया गया और जैसे ही परिणाम स्पष्ट होते गए और कानपुर की सीट पर जैसे ही भाजपा ने जीत दर्ज की वैसे ही विनोद गुप्ता के नेतृत्व में भव्य आतिशबाजी कर जश्न मनाया गया, क्षेत्रीय संयोजक विनोद गुप्ता ने बताया कि कानपुर का व्यापारी समाज केंद्र में एनडीए की सरकार बनने पर बेहद उत्साहित और प्रसन्न है हम सभी व्यापारियों के द्वारा कानपुर, अकबरपुर लोकसभा सीट पर विजय एवं एनडीए की सरकार बनने पर जश्न मनाया गया है निश्चित रूप से देश में एनडीए अपने तीसरे टर्म में देश का और भी अधिक विकास करेगा ऐसा पूर्ण विश्वास है। प्रमुख रूप से शेष नारायण त्रिवेदी, किशोर सक्सेना, रोशन लाल अरोड़ा, अमित दोसर, संजय त्रिवेदी, पवन दुबे, मुकुल वर्मा, दीपक खन्ना, दीपक गुप्ता, श्याम रुइया, अशोक महेश्वरी, हरि ओम अग्रहरी, राकेश सिंह, विराट गुप्ता, शीबू गुप्ता, देवा अग्रवाल, सिद्धार्थ अवस्थी, मोहित गुप्ता, अभिषेक गुप्ता, विक्रम पंडित, कैलाश पांडे, अंकुर शुक्ला, रमेश अग्रहरी आदि मौजूद रहे।

मिश्रिख लोकसभा से अशोक रावत के जीतने पर कार्यकर्ताओं ने मुंह मीठा कराया

बिल्हौर विधानसभा में मिश्रिख लोकसभा भाजपा प्रत्याशी अशोक रावत की ऐतिहासिक जीत होने पर बिल्हौर विधानसभा में चुनाव संयोजक अधिवक्ता जेपी कटियार व विक्रम मिश्रा की मेहनत रंग लाई कानपुर मे में जीत होने के बाद में कानपुर से बिल्हौर तक कार्यकर्ताओं का जोरदार स्वागत हुआ जो भी कार्यकर्ता रास्ते में मिला सभी को जेपी कटियार ने गले लगाया वहीं पर वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने जेपी की ल्लानिंग और सूझबूझ की भी तारीफ करते नजर आए सांसद प्रतिनिधि रहे रवि वाजपेई ने बताया कि हम सब कार्यकर्ताओं की मेहनत रंग लाई है वह सभी इस जीत की हकदार हैं बिल्हौर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि सिपाही लाल कठेरिया, चौबेपुर ब्लॉक प्रमुख राजेश शुक्ला व पूर्व ब्लाक प्रमुख शिवराजपुर राजेश कोरी ने बताया कि जीत के लिए टारगेट पर ही सभी को काम करना होता है तभी परिणाम मिलता है केवल दिखावा करने में जीत हासिल नहीं होती है । जब जमीन पर काम किया जाता है तभी जीत हासिल होती है। चौबेपुर, शिवराजपुर ,उत्तरीपुरा, बिल्हौर में कार्यकर्ताओं का जोरदार स्वागत हुआ पटाखे फोड़े और एक दूसरे का मुंह मीठा कराया। उत्तरीपुरा में सुनील मिश्रा के प्रतिष्ठान पर जोरदार स्वागत हुआ इस मौके पर बिल्हौर विधानसभा के चुनाव संयोजक अधिवक्ता जेपी कटियार, विक्रम मिश्रा, रवि बाजपेई, बिल्हौर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि सिपाही लाल कठेरिया चौबेपुर ब्लॉक प्रमुख राजेश शुक्ला व पूर्व ब्लाक प्रमुख राजेश कोरी, उमेश उर्फ रामू कटियार, सुनील मिश्रा, गुड्डू सिंह, रोशन बाबू, शिव शंकर, मन्नत त्रिपाठी, बरांडा जिला पंचायत सदस्य महमूद अली, शुभ्रांशु कटियार आदि।

सरकारी विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार भी रहा वोट कम होने का कारण

आपको बताते चलें की जनता के बीच यह चर्चा आम रही कि भाजपा प्रत्याशी को जनता वोट नहीं करना चाहती थी, कारण यह था कि बेरोजगारी के साथ साथ गरीब जनता विभागों के भ्रष्टाचार से परेशान है,मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने से लेकर हर एक सरकारी विभाग में भ्रष्टाचार चरम पर आ गया है बिना पैसा दिए तो काम होता ही नहीं है। नगर निगम और कड़ा के भी सुविधा शुल्क वाले मामले चर्चा में रहे साथ यह भी चर्चा में रहा कि नगर निगम और केडीए ने गरीबों को खूब छकाया वही जो रसूख वाले लोग हैं उनके अवैध निर्माण और कब्जे इन विभागों को नजर नहीं आ रहे हैं। जनता की मानें तो पुलिस भी जुआ सट्टा, जरायम अपराध पर लगाम नहीं लगा पा रही है। सहारा में डूबा पैसा वापस नहीं मिला। अगर जनता की समस्याओं के निराकरण के लिए सभी सरकारी विभागों को चुस्त-दुरुस्त नहीं किया गया भ्रष्टाचार नहीं समाप्त हुआ तो आने वाले समय में बीजेपी को किसी भी सीट पर जितना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन हो जाएगा।

स्क्रूटनी ने ईशा को बनाया स्कूल टॉपर

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

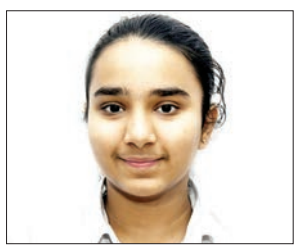

सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल की छात्रा ईशा अग्रवाल ने आईसीएसई परीक्षा में असाधारण सफलता प्राप्त की है। स्क्रूटनी के बाद, उनके अंकों में सुधार हुआ है, जिससे उनका कुल प्रतिशत 98.80त्न से बढ़कर 99.40त्न हो गया है। इस परिणाम ने उन्हें अखिल भारतीय स्तर पर तीसरा, कानपुर शहर स्तर पर दूसरा और स्कूल स्तर पर प्रथम स्थान दिलाया है। ईशा, सोनिया अग्रवाल और अरुण अग्रवाल की पुत्री हैं। प्राचार्या श्रीमती शिखा बनर्जी ने ईशा और उनके परिवार को हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई दी। उन्होंने कहा, ईशा की सफलता हमारे विद्यालय के लिए गर्व का विषय है और सभी छात्रों के लिए प्रेरणादायक है। ईशा की इस उपलब्धि को संपूर्ण कानपुर शहर और विद्यालय के सभी सदस्यों द्वारा सराहा जा रहा है। उनके उज्जवल भविष्य के लिए हमारी ओर से ढेर सारी शुभकामनाएं दीं हैं। ईशा ने इस बड़ी उपलब्धि के लिए अपने माता-पिता को धन्यवाद दिया और कहा की उन्होंने शुरू से ही मेरा समर्थन किया है। मैं अपने शिक्षकों और स्कूल को भी धन्यवाद देना चाहती हूं जिन्होंने मेरा सही मार्गदर्शन किया।

गहमरी ने व्यापारियों संग मिल खुलवाया प्याऊ

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

समाजसेवी व्यापार सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष गहमरी ने विजयनगर में व्यापारियों के साथ भीषण गर्मी को देखते हुए राहगीरों के लिए प्याऊ खुलवाया साथ ही साथ गहमरी ने नगर आयुक्त से मांग किया कि नगर निगम द्वारा हर चौराहा पर भीषण गर्मी को देखते हुए प्याऊ खुलवाए जाएं, श्री गहमरी ने आम जनता से निवेदन किया कि जल ही जीवन है जल को बचाएं जल को फालतू ना बहाये सभी संगठनों से निवेदन किया है कि वह भी अपने हर चौराहों पर प्याऊ खुलवाएं जो इस गर्मी में जनता को राहत मिल सके।
प्याऊ खुलवाने में प्रमुख रूप से अमित यादव रमाकांत मनोज फैजुद्दीन प्रभात पाल करन अवस्थी सनम ठाकुर घनश्याम आशु सोनू सरदार छोटू अजय दीपू विकास गुप्ता सरदार जी आदि व्यापारी मौजूद थे।

लूट करके लुटेरे हुए फरार जांच में जुटी पुलिस

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

बिल्हौर कस्बे में लूट और चोरी की घटनाएं आम हो गई हैं खुलासा होता है तो समय बीत जाता है। पुलिस की लचर व्यवस्था के चलते चोर उचक्कों के हौसले बुलंद सरकार की महत्वपूर्ण योजना ऑपरेशन त्रिनेत्र कहां पर बिल्हौर में काम कर रहे हैं जिसका ख्वाब अपराधियों को नहीं है जो सुबह लगभग 7:00 बजे दैनिक क्रिया करने के बाद जूनियर स्कूल की शाखा से होकर लौट रहे अपने घर के नजदीक बिजली घर के ठीक सामने जीटी रोड पर पीछे से आ रही काली प्रसाद लूथरन एक उतरकर उनके झपट्टा मारा और पल्सर पर पलक झपकते बैठ गया और कन्नौज की तरफ रवाना हो गया हालांकि रोडवेज कर्मी पीछे तक दौड़ा लेकिन कुछ हाथ ना लगा पल भर में पुलिस भी पहुंच गई जबकि इन दिनों बिल्हौर कस्बे में महिला और पुरुष दरोगा मिलकर 18 दरोगा अंडर ट्रेनिंग मौजूद है। बिल्हौर जीटी रोड पर बिजली घर के सामने बाबा बिजलेश्वर महादेव मंदिर के सामने हुई वैष्णव नगर रहने वाले परिवहन विभाग से जनवरी माह में रिटायर होने वाले अरविंद शर्मा के गले से 20 से 22 ग्राम की कीमत लगभग डेढ़ लाख रुपए की खींची गई सोने की चैन सुबह 6 बजकर 52 मिनट पर बिजलेश्वर महादेव मंदिर के पास पल्सर बाइक पर बैठकर आए थे दो लड़के थे। घटना के तुरंत बाद पुलिस को सूचना दी गई, थानाध्यक्ष केशव कुमार तिवारी ने स्वयं मंदिर पर आकर पीड़ित से जाना घटनाक्रम, चौकी इंचार्ज मनोज चौहान की उपस्थिति में शहनाई गेस्ट हाउस और शुभदीप नर्सिंग होम के कैमरे खंगाले गए। शहनाई पैलेस वाले कैमरे में रिकार्ड हुई घटना, और शुभदीप नर्सिंग हॉस्पिटल के कैमरे में रिकार्ड हुए पल्सर बाइक सवार। थाना अध्यक्ष ने बताया कि पीड़ित के गले में चैन के झपट्टे के निशान भी बने हुए हैं सीमावर्ती जनपदों की सीमाओं में जांच के लिए फोटो और वीडियो भेज दिए गए हैं जल्द इस पर लगी हुई टीम खुलासा करेगी। एसीपी अजय त्रिवेदी ने बताया सीमावर्ती जनपदों से लुटेरे घटना को अंजाम देकर सरपट निकल जाते हैं कि इस पर टीम काम कर रही है। जल्दी खुलासा होगा

लोकसभा में सपा के कमबैक पर सपाईयों ने मनाया जश्न

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन की लोकसभा चुनाव 2024 में उत्तर प्रदेश की ऐतिहासिक विजय से जनता में खुशी की लहर से जनता में व्यापक उत्साह के कारण सपा कार्यालय नवीन मार्केट में सपा महानगर अध्यक्ष फ़ज़ल महमूद के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं का अभिवादन करते हुए मिठाई का वितरण किया गया।
इस अवसर पर सपा महानगर अध्यक्ष फ़ज़ल महमूद ने कहा कि जनता के आकांक्षाओं तथा युवा पीढ़ी के संकल्पों तथा पीडीए मिशन की व्यापक सफलता को लेकर सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय अखिलेश यादव को बधाई देते हैं और कहा कि युवाओं की भूमिका चुनाव में रही और राष्ट्रीय अध्यक्ष की नीतियों की व्यापक सफलता के साथ एक नया संदेश दे रही है। इसमें प्रमुख रूप से प्रदेश सचिव के.के शुक्ला, महामंत्री संजय सिंह बंटी सेंगर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिंटू,नंदलाल जयसवाल,वीरेंद्र शर्मा, नरेश सिंह पिंटू ठाकुर, दीपक कोट, सत्यनारायण गहरवार, आनंद शुक्ला, लियाकत अली, नवीन जय नीरज, मुमताज मंसूरी, उदय द्विवेदी, संजय निषाद, अरशद दादा, जफरुल हसन, जानकी वर्मा, इशरत इराकी, वरुण जायसवाल, आसिफ कादरी, मनोज चौरसिया, पप्पू हसन, अरविंद यादव, जस्वेंद्र प्रताप निषाद, रजत मिश्रा, मनीष यादव, तौसीफ सिद्दीकी, चंदन बादशाह, अल्तमश सिद्दीकी, प्रीतम बक्शी, शादाब खान, अतीक खान, खुर्शीद आलम, शरद पांडेय, अकील अहमद और मालू गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

हज और कुर्बानी के मुद्दों के लिए कुलहिंद इस्लामिक एकेडमी की हेल्प लाइन जारी

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

ऑल इंडिया इस्लामिक एकेडमी कानपुर ने हज और कुर्बानी के मसाइल पर लोगों का मार्गदर्शन करने के लिए मुफ्तियों और उलमा का एक पैनल बनाया है। अकादमी कार्यालय जामियत बिल्डिंग रजबी रोड कानपुर में अकादमी के उपाध्यक्ष मुफ्ती अब्दुल रशीद कासमी, महा सचिव मौलाना खलील अहमद मौलाना और मौलाना अमीनुल हक अब्दुल्लाह ने मुसलमानों से हज और कुर्बानी जैसे महत्वपूर्ण इबादत और अन्य धार्मिक मसाइल के लिए उलमा से मार्गदर्शन लेने को कहा।
पूर्व काजी ए शहर मौलाना मुहम्मद मतीनुल हक उसामा साहब कासमी के कायमकरदा मुफतियों व उलाम का पैनल अध्यक्ष मुफ्ती इकबाल अहमद कासमी, उपाध्यक्ष मुफ्ती अब्दुल राशिद कासमी और ऑल इंडिया इस्लामिक एकेडमी कानपुर के महासचिव मौलाना खलील अहमद मजाहिरी ने संयुक्त रूप से कहा कि जुल-हिज्जा के महीने में कुर्बानी से जुड़ी कई ऐसी दिक्कतें होती हैं जिनके बारे में आम तौर पर लोग नहीं जानते। हज के मौके पर कई दिक्कतें आती हैं, लेकिन कई बार आज़मीन हज मसाइल का पता लगाने के लिए परेशान रहते हैं। उनकी जरूरतों को देखते हुए ऑल इंडिया इस्लामिक एकेडमी कानपुर ने हज और कुर्बानी के लिए शरिया हेल्पलाइन चलाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि मदीना मुनव्वरह में हाज़री, मस्जिद नब्वी में दुआ, सलात व सलाम के तरीक़े। हज के दौरान एहराम की तैयारी, मिना, अराफात, मुजदलिफा के अरकान, पत्थर मारने का तरीक़ा, हिजामत, तवाफ जियारत सहित कई पहलू हैं। लोग परेषान होते हैं और समय पर कोई सही गाइड करने वाला नहीं मिलता है। इसके अलावा, हज के कौन से अरकान आवश्यक हैं और कौनसा रुक्न छोटने पर दम देना पडता है। ठीक से ना जानने से समस्याएँ पैदा होती हैं। इसी तरह कुर्बानी से जुड़े कई सवाल हैं जो लोग पूछना चाहते हैं। जानवरों के बारे में शरियत में कई विवरण हैं। साथ ही कुर्बानी कब अनिवार्य है और कुर्बानी कब की जा सकती है? कुर्बानी न करसकें तो क्या हुक्म है आदि। जिन सौभाग्यशाली लोगों को हज पर जाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है या जिनके प्रियजन हज पर गए हैं उन्हें हेल्पलाइन नंबर भेजें और कुर्बानी से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए अकादमी के सदस्यों से तत्काल संपर्क किया जाए ताकि सही मार्गदर्शन मिल सके। अकादमी के सदस्य और प्रान्तिय जमीयत उलमा के उपाध्यक्ष मौलाना अमीनुल हक अब्दुल्ल कासमी ने कहा कि कुर्बानी इबादत का एक महान कार्य है और हजरत इब्राहीम और इस्माइल (अ) की यादगार है। यह कुर्बानी हमारे अंदर अल्लाह और रसूल की खातिर अपनी प्यारी से प्यारी चीज को भी कुर्बान करने की इच्छा जगाती है। कुरबानी के दिनों में कुरबानी सबसे बड़ी इबादत है। इसलिए त्याग के दर्शन को इमानी जज़्बे के साथ उमदा से उमदा कुरबानी करें। मौलाना ने कुर्बानी करते समय साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने की अपील की। खुली जगहों में कुर्बानी से बचें। कुर्बानी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट न करें और मांस को भेजते समय काली पॉलीथिन या सीलबंद बैग का उपयोग करें। साथ ही उन्होंने कहा कि कानपुर और उसके आसपास के इलाकों में अगर कोई कुर्बानी जैसी इबादत में बाधा उत्पन्न करता है तो तुरंत दिए गए नंबरों पर इसकी सूचना दें।

हज और कुर्बानी के लिए अल-शरिया हेल्पलाइन

मौलाना खलील अहमद मजाहिरी
09889370978
मौलाना मुफ्ती अब्दुल रशीद कासमी
09984181490
मौलाना अमीनुल हक अब्दुल्ला कासमी
09839848686
मौलाना मुहम्मद इनामुल्लाह कासमी
09935588996
मौलाना मुहम्मद अनीस खान कासमी
9936705786
मौलाना मुफ्ती असदुद्दीन कासमी
8700016933
मौलाना मुफ्ती अजीजुर रहमान कासमी
7860334030
मौलाना मुफ्ती इजहार मुकर्रम कासमी
9696314272
मौलाना मुफ्ती सऊद मुर्शिद बांकवी कासमी
7844048601

अज्ञात व्यक्ति की मौत से मचा हड़कंप, नहीं हुई शिनाख्त

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

थाना गोविन्दनगर अन्तर्गत एक युवक का शव मिलने से मंगलवार को हड़कंप मच गया। कल दिन में 13:00 बजे पुलिस को सूचना प्राप्त हुई की न्यू सिटी हॉस्पिटल के पास पुल की रेलिंग पर एक अज्ञात व्यक्ति लेटा हुआ मृत हालत में पड़ा है । पुलिस ने मौके पर पहुंच कर देखा तो अज्ञात व्यक्ति की मृत्यु हो चुकी थी। शव की पहचान कराये जाने हेतु प्रचार प्रसार किया गया है। खबर लिखे जाने तक अज्ञात व्यक्ति की पहचान नहीं हो पाई थी।

रविवार को हुई सील की कार्रवाई पर हो गया खेला

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर। कानपुर विकास प्राधिकरण के द्वारा जोन एक में जो न्यू हमराज सेंटर के अवैध निर्माण सील किए गए थे, उनमें भी खेला किया गया है। धड़ल्ले से सभी बिल्डिंगों में काम चल रहा है। आपको बताते चलें कि बीते रविवार के दिन कानपुर विकास प्राधिकरण के जोन एक के अधिकारियों ने 29 निर्माण को सील करने का दावा करते हुए वाह वाही वाला प्रेस नोट जारी किया था। और सील की गई कई बिल्डिंगों की फ़ोटो भी नहीं सार्वजनिक की गई थी। सोमवार के दिन से ही न्यू हमराज सेंटर की सील बिल्डिंगों में जे.ई. और सर्वेयर की मूक सहमति से निर्माण शुरू हो गया। अधिकारियों ने दावा किया था कि निर्माण को होने से रोकने के लिए पुलिस अभिरक्षा में निर्माणों को दिया गया है लेकीन सब खेल थार।

बीजेपी के भगवा गढ़ में लहराया समाजवादी परचम

अयोध्या में बीजेपी के काम नहीं आए राम, लल्लू सिंह को मिली करारी हार

अयोध्या में सपा के अवधेश प्रसाद 54 हजार से अधिक वोटों से जीते

जन एक्सप्रेस। अयोध्या

फैजाबाद लोकसभा सीट से सपा प्रत्याशी अवधेश प्रसाद 54 हजार से अधिक वोटों से आगे चल रहे जीत तय। सपा प्रत्याशी अवधेश प्रसाद 527005 वोट मिले। जबकि बीजेपी प्रत्याशी लल्लू सिंह 472222 वोट मिले हैं। चुनावी भाषणों में राम मंदिर का जिक्र करके भाजपा ने इसका सियासी लाभ लेने की कोशिश की लेकिन रामनगरी में भगवा पार्टी की हालत ऐसी है कि लगता है जैसे ये मुद्दा बैकफायर कर गया है। योगी आदित्यनाथ का विपक्षी दलों के नेताओं को **रामद्रोही** करार देना भी काम नहीं आया। अब हालत ये हो गई कि राम राजनीति की राजधानी कही जाने वाली अयोध्या में ही भाजपा को बड़ी हार मिली है।

फैजाबाद लोकसभा सीट से भाजपा के लल्लू सिंह को सपा के अवधेश प्रसाद ने हरा दिया है। यह वही फैजाबाद लोकसभा क्षेत्र है, जिसके अंतर्गत अयोध्या आती है। अयोध्या में इस साल के शुरुआत में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कराई गई थी। नरेंद्र मोदी ने खुद मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की थी। इस कार्यक्रम को लेकर काफी सियासी विवाद भी हुआ था। विपक्षी दलों ने आरोप लगाया था कि भाजपा लोकसभा चुनाव में फायदा उठाने के लिए अधूरे मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा करा रही है। विपक्षी दलों ने राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम को बीजेपी का अपना इवेंट बताकर इससे किनारा कर लिया था।इधर भाजपा ने विपक्ष के इस स्टैंड को लेकर जवाबी हमले शुरू कर दिए। भाजपा ने आरोप लगाया कि विपक्ष के नेता रामद्रोही हैं और उन लोगों का समर्थन करते हैं, जो राम जन्मभूमि स्थान पर मस्जिद होने का दावा करते हैं। योगी आदित्यनाथ से लेकर नरेंद्र मोदी तक ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के विपक्षी दलों द्वारा बायकॉट करने पर उस पर निशाना साधा। योगी आदित्यनाथ ने तो यहां तक कह दिया कि यह चुनाव रामभक्तों और रामद्रोहियों के बीच हो

रहा है। उनके बयान में रामभक्त का मतलब वे लोग थे, जो राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा में शामिल हुए। रामद्रोही वे थे, जिन्होंने ऐसा नहीं किया या फिर वे राम मंदिर आंदोलन के दौरान कार सेवकों पर गोली चलवाने वाले लोगों के साथ खड़े थे। उनका निशाना साफतौर पर सपा की ओर था। योगी अपने भाषणों में जनता से वोट देने की अपील करते हुए यह भी कहते थे कि जो राम को लाए हैं, यूपी की जनता उन्हें ही सत्ता में लाएगी।

आपको बता दें कि फैजाबाद सीट पर बीजेपी 2014 से जीतते आ रही थी। यहां राममंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के बाद भी और बीजेपी के नेताओं द्वारा चुनाव प्रचार में राममंदिर के जिक्र के बाद भी यहां बीजेपी को रुझानों में बड़ा झटका लगा है। फैजाबाद लोकसभा सीट पर 20 मई को मतदान हुआ था। यहां कुल 509.10 फीसदी वोट पड़े थे। फैजाबाद लोकसभा सीट में 2019 के लोकसभा चुनाव की बात करें तो यहां भाजपा के उम्मीदवार लल्लू सिंह ने 65 हजार से अधिक वोटों से सपा के आनंद सेन यादव को हराया था। इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी अवधेश प्रसाद की जीत पर सपा व कांग्रेस के नेताओं व कार्यकर्ताओं ने की आतिशबाजी, खुशी मना कर बांटी मिठाई, शहर के रिकाबगंज स्थित कांग्रेस कार्यालय कमला नेहरू भवन पर मनाया गया जीत का जश्न।

राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा और **जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे** नारे के साथ भाजपा चुनाव मैदान में जरूर उतरी, लेकिन यहां अयोध्या (फैजाबाद) के लोकसभा चुनाव परिणाम ने ही पूरे देश को चौंका दिया है। यह पहला मौका नहीं था जब अयोध्या और राम मंदिर को मुद्दा बनाकर वोट की सियासत साधने की कोशिश की गई। वर्ष 1986 में राम जन्मभूमि का ताला खुलने से लेकर बीते जनवरी में राम मंदिर में हुई रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बीच चार दशक की अवधि में अयोध्या व उत्तर प्रदेश ही नहीं देश की राजनीति ने यहां से करवटें और अंगड़ाइयां ली हैं। एक तरह से राम मंदिर आंदोलन की पृष्ठभूमि में भाजपा और आरएसएस ने इसे अपनी सियासत की प्रयोगशाला बना लिया, लेकिन इसे अयोध्या की खूबी कहें या कुछ और, इस अवधि में चुनाव चाहें लोकसभा के हुए हों, विधानसभा या निकायों के, अयोध्या ने समय-समय पर चौंकाने वाले परिणाम दिए हैं। बीते विधानसभा के चुनाव और अयोध्या नगर निगम के चुनाव में भी चुनाव परिणामों से भाजपा भौचक रह गई थी। अयोध्या का राम मंदिर आंदोलन एक तरह से वर्ष 1985 में परवान चढ़ना शुरू हुआ। जब जेल जैसे लोहे के सींकचों के बीच रामलला ताले में कैद थे और उनकी मुक्ति का विहिप ने आंदोलन शुरू किया। एक फरवरी 1986 को अदालत के आदेश से राम जन्मभूमि का ताला खुला तो अयोध्या को भाजपा ने एक तरह के अपनी ऊर्जा का केंद्र बना लिया। राम मंदिर आंदोलन शुरू होने के बाद कांग्रेस की जड़ लगभग यहां से उखड़ गई। वर्ष 1989 के लोकसभा चुनाव में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के मित्रसेन यादव ने कांग्रेस के निर्मल खत्री को पराजित कर इस सीट पर कब्जा किया, लेकिन 1995 में भाजपा के विनय कटियार यहां के सांसद हुए और लगातार दो बार जीते। चौंकाने वाला परिणाम फिर 1998 में लोकसभा चुनाव में आया जब सपा के मित्रसेन यादव ने भाजपा को मात दे दी। 1999 में विनय कटियार फिर सांसद चुने गए, लेकिन मित्रसेन यादव ने 2004 के लोकसभा चुनाव में बसपा के टिकट से लड़कर इस सीट पर कब्जा कर लिया। योगी आदित्यनाथ की पहली सरकार आई तो उन्होंने अयोध्या को नगर निगम का दर्जा दिया तो उस समय अयोध्या जिले की सभी पांच विधानसभा सीटों पर भाजपा का कब्जा था। चौंकाने वाले परिणामों की दृष्टि से देखें तो इतना सबकुछ करने के बाद 2022 में विधानसभा के चुनाव हुए तो अयोध्या जिले की पांच में से दो विधानसभा सीटें क्रमशः गोसाईगंज और मिल्कीपुर समाजवादी पार्टी ने छीन ली। यह तब हुआ जबकि अगस्त 2020 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राम मंदिर की आधारशिला रखी थी। उम्मीद थी कि इसका असर विधानसभा चुनाव में दिखेगा और भाजपा को लाभ होगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

सपा प्रत्याशी अवधेश प्रसाद के चुनाव जीतने पर समाजसेवी ने जताई खुशी

जन एक्सप्रेस। अयोध्या

जिले के प्रतिष्ठित समाजसेवी व्यवसायी प्रेम कुमार सोनी ने फैज़ाबाद लोकसभा से सपा प्रत्याशी अवधेश प्रसाद के चुनाव में भारी जीत हासिल करने पर जोरदार बधाई दी। उन्होंने हनुमान जी महाराज से प्रार्थना किया की गठबंधन की सरकार बने। उन्होंने अपने सैकड़ो साथियों के साथ मिष्ठान वितरण कर खुशी का इजहार किया।समाजसेवी प्रेम सोनी ने कहा कि यह जनता की जीत है जनता बीजेपी सरकार की नीतियों से घुटने लगी थी। व्यापारी,किसान नौजवान सभी सरकार की उपेक्षा से परेसान थे। अयोध्या की जनता ने संविधान बचाने के लिए वोट कर एक नया इतिहास रचा है। अगर देश मे इंडिया गठबंधन की सरकार बनी तो अयोध्या का विकास दुगुनी गति से होगा वह भी बिना भेदभाव के। उन्होंने गठबंधन के साथियों के प्रति आभार जताया है।

रायबरेली में चली राहुल गांधी की आंधी

बीजेपी के दिनेश प्रताप सिंह को 390030 के लंबे अंतर से हराया

जन एक्सप्रेस। रायबरेली

देश की हाई प्रोफाइल सीट में शुमार रायबरेली लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी राहुल गांधी ने बड़ी जीत दर्ज की हैं राहुल गांधी ने बीजेपी प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह को 3 लाख 90 हजार 30 मतों के बड़े अंतर से हराया। राहुल गांधी के रायबरेली से चुनाव लडने के कारण सभी की निगाहें यहां के आने वाले परिणाम पर लगी हुई थी। क्योंकि आजादी के बाद से अब तक हुए लोकसभा चुनाव में ज्यादातर कांग्रेस पार्टी ने यहां से जीत दर्ज की और रायबरेली को कांग्रेस पार्टी का गढ़ माना जाता है। जिसको जितना और इस परंपरा को बरकरार रखना कांग्रेस के लिए बड़ी चुनौती थी। रायबरेली लोकसभा चुनाव में पड़े कुल 1031347 मतों में से कांग्रेस प्रत्याशी राहुल गांधी को 687649 मत, बीजेपी प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह को 297619 मत और तीसरे स्थान पर रहे बीएसपी प्रत्याशी ठाकुर प्रसाद यादव को 21624 मत प्राप्त हुए। जिसमें 177- बछरावां विधानसभा से कांग्रेस को 135288, बीजेपी को 62638, बीएसपी को 4013 मत मिले। 179- हरचंदपुर विधानसभा से कांग्रेस जॉब122029, बीजेपी को 65168, बीएसपी को 3659 मत मिले। 180-सदर रायबरेली विधानसभा से कांग्रेस को 156525, बीजेपी को 53508, बीएसपी को 3922 मत मिले। 182- सरेनी विधानसभा से कांग्रेस को 137346,

बीजेपी को 62428, बीएसपी को 4395 मत मिले तो वहीं 183- ऊंचाहार विधानसभा से कांग्रेस को 134856, बीजेपी को 52961 और बीएसपी को 5599 मत प्राप्त हुए। नोटा में कुल 7872 मत पड़े। इसके साथ ही बैलेट से पड़े मतों में से भी सर्वाधिक मत कांग्रेस पार्टी को ही मिले। बैलेट से पड़े कुल 2557 मतों ने से कांग्रेस को 1605 मत, बीजेपी को 916 मत और बीएसपी को 36 मत मिले।

ज्येष्ठ माह के द्वितीय मंगलवार पर हनुमानगढ़ी मंदिर परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन

जन एक्सप्रेस। महराजगंज, रायबरेली

ज्येष्ठ माह के द्वितीय मंगल पर कस्बा स्थित सुप्रसिद्ध हनुमानगढ़ी मंदिर पर सुबह से ही भक्तों की लंबी-लंबी कतारें पूजा अर्चना करने के लिए लगी रही लोगों ने महाबली बजरंगबली की पूजा अर्चना हर्षवर्धन ने की और सुख समृद्धि का आशीर्वाद मांगा।

वहीं इस मौके पर हनुमानगढ़ी परिसर में एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें हजारों की संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया और हवन पूजन सहित विभिन्न प्रकार के धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन हुआ। महराजगंज कस्बे में स्थित हनुमानगढ़ी मंदिर पर कस्बे वासियों सहित क्षेत्रवासियों की अपार श्रद्धा है और लोग भारी संख्या में मंदिर पर पहुंचकर बजरंगबली की पूजा अर्चना करते हैं। ज्येष्ठ माह को शुरू हुए कई दिन हो गए और आज द्वितीय मंगलवार पड़ने पर हनुमानगढ़ी मंदिर पर भंडारे सहित विभिन्न प्रकार के धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया।

इस मौके पर लक्ष्मी शंकर श्रीवास्तव, ज्ञान प्रकाश जायसवाल, सुधा स्वास्थ्य महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष, प्राची, संहिता जिला उपाध्यक्ष सुप्रीत शुक्ला, रूपा जायसवाल, गीता श्रीवास्तव, निवर्तमान मंडल अध्यक्ष सूर्य प्रकाश वर्मा, पिंटू वर्मा, अनुराग अग्रहरी, पप्पू कसेरा, मनोज कसेरा, शोभनाथ वैश्य, किरण वर्मा, घनश्याम चौरसिया, द्वारिका सिंह, राम अभिलाष लोधी, चंद्रशेखर सहित हजारों की संख्या में बजरंगबली के भक्त मौजूद रहे।

गठबंधन प्रत्याशी की जीत से कांग्रेस कार्यकर्ता उत्साहित

जन एक्सप्रेस। अयोध्या

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस कार्यालय कमला नेहरू भवन के समक्ष गठबंधन प्रत्याशी अवधेश प्रसाद की जीत के साथ-साथ रायबरेली में राहुल गांधी की ऐतिहासिक जीत तथा अमेठी में श्रीमती सोनिया गांधी के प्रतिनिधि श्री किशोरी लाल शर्मा द्वारा बड़बोली केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को भारी मतों से हारने पर पटाखे जलाकर तथा एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशियां मनाई।जिला अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जीत की खुशी में एक दूसरे को मिठाई खिलाई तथा पटाखे फोड़े। गठबंधन प्रत्याशी की जीत से उत्साहित जिला अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा उत्तर प्रदेश में गठबंधन की ऐतिहासिक जीत, इस देश के संविधान और लोकतंत्र की जीत है। जनता ने बढ़ बोले और झूठे प्रचार करने वाले प्रधानमंत्री को नकार कर यह साबित कर दिया कि यह देश न कभी अन्याय सहा था न अन्याय सहेगा। महानगर अध्यक्ष वेद सिंह कमल ने कहा गठबंधन प्रत्याशी की जीत पूरे चुनाव में तन मन धन से जुटे हर कार्यकर्ता की जीत है। पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह ने कहा भाजपा के बढ़ बोले और अहंकारी नेताओं को देश और प्रदेश की जनता ने आईना दिखाया। जो लोग अपने पूरे कार्यकाल में और चुनाव में गांधी परिवार को अपशब्द कहते थे उनका जवाब जनता ने दे दिया है। महिला जिला अध्यक्ष रेनू राय ने कहा कांग्रेस पार्टी की महिलाओं को प्रति माह 8500 देने की योजना पर पूरे देश की महिलाओं ने गठबंधन के प्रत्याशियों को वोट दिया। जिला प्रवक्ता सुनील कृष्ण गौतम ने कहा प्रधानमंत्री के मुकाबले हमारे नेता राहुल गांधी ने दुगने वोटो से चुनाव जीता जो यह साबित करता है कि जनता धर्म के आधार पर भेदभाव करने वाले लोगों को कभी माफ नहीं करेगी। यह देश बाबा साहब के बनाए संविधान से चलेगा। संविधान बदलने की भावना लेकर चुनाव में उतरने वाले भारतीय जनता पार्टी के नेताओं को जनता ने जवाब दे दिया है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से पीसीसी सदस्य उग्रसेन मिश्रा, राजकुमार पांडे, अशोक कनौजिया, हरजीत सिंह सलूजा, कवींद्र साहनी, उमेश उपाध्याय, करण त्रिपाठी प्रवीण श्रीवास्तव, चंचल सोनकर, संजय तिवारी, संजय, कर्म राज यादव, भीम शुक्ला,मोहम्मद आरिफ, राम अवध, शैलेंद्र मणि पांडे, उमानाथ शुक्ला, ओमप्रकाश पाठक, आशुतोष सिंह, वीरेंद्र सिंह बबलू, लाल मोहम्मद, रामेंद्र त्रिपाठी, फिरोज अंसारी, राम अभिलाष पांडे, राम बहादुर सिंह, अंकित जैन, हरे कृष्ण गुप्ता, विजय नारायण यादव, रोहित यादव, किशोरी रमन अग्रवाल, आजाद रावत, राजन पांडे आदि उपस्थित रहे।

अल्ट्रासाउंड जांच ठप होने से 30 मरीज लौटे

जन एक्सप्रेस/अमेठी। जिला अस्पताल में तैनात रेडियोलॉजिस्ट 18 मई को अचानक तबीयत खराब होने के बाद मेडिकल अवकाश पर चले गए। यहां पर अल्ट्रासाउंड जांच ठप हो गई है। मरीजों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल प्रबंधन वैकल्पिक प्रबंध का दावा कर रहा है। हकीकत यह है कि मरीजों को गैर जिले या निजी अल्ट्रासाउंड केंद्र का सहारा लेना पड़ा। जिला अस्पताल में मरीजों को मिलने वाली अल्ट्रासाउंड जांच की सुविधा पर इन दिनों ग्रहण लग गया है। जिला अस्पताल में वर्तमान में रेडियोलॉजिस्ट के पद पर डॉ. सोमेश्वर पुरी की तैनाती है। 18 मई को अचानक तबीयत खराब होने के बाद मेडिकल अवकाश पर चले गए। जिससे यहां पर अल्ट्रासाउंड की जांच ठप हो गई है। दूर दराज से आने वाले मरीजों को अल्ट्रासाउंड के लिए बाहर भटकना पड़ रहा है।

गैंगस्टर कोर्ट से 3 सगे भाइयों सहित 6 अभियुक्तों को मिला आजीवन कारावास

जन एक्सप्रेस। अयोध्या

सन 2000 में थाना कोतवाली नगर के साहबगंज क्षेत्र में दुकान के सामने पान मसाला को थूकने को लेकर हुए विवाद में हुई हत्या में कलेक्ट्रेट में तैनात वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी समेत 6 अभियुक्तों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है।

साथ ही 576000 रुपए जुर्माना से भी दण्डित किया गया है।

यह आदेश विशेष न्यायाधीश गैंगस्टर एक्ट मोहिंदर कुमार ने सोमवार को अभियुक्तों को जेल से तलब कर भरी अदालत में सुनाया। साथ ही अपने आदेश में जुर्माने की 80व धनराशि वादी श्यामसुंदर को दिए जाने का आदेश दिया है ।

अभियोजन पक्ष के मुताबिक घटना नगर कोतवाली क्षेत्र की 25 अप्रैल 2000 की शाम 8ः15 बजे की है। कोतवाली नगर के शाहगंज मोहल्ला निवासी श्याम सुंदर गुप्ता के भतीजे विश्वनाथ और गगन उर्फ गोगा के बीच पान मसाला खाकर दुकान के सामने ठोकने के मामले को लेकर विवाद हो गया। गोगा अपने घर जाकर इस बात को बताया तो राठ हवेली निवासी शिवनरायण तिवारी के पुत्र श्री कृष्ण तिवारी उर्फ छोटकन रामकृष्ण तिवारी उर्फ बड़कन व हरि कृष्ण तिवारी उर्फ राजन तथा कश्मीरी मोहल्ला निवासी गगन श्रीवास्तव उर्फ गोगा अपने 8 से 10 साथियों के साथ हथियार से लैस होकर आ गए। श्याम सुंदर अपने परिवार के साथ अपनी परचून की दुकान जो फैजाबाद अयोध्या मार्ग पर है बैठा था। सभी लोगों ने तमंचे व बंदूक से ताबड़तोड़ फायरिंग करना शुरू कर दिया। फैजाबाद अयोध्या मार्ग पर भगदड़ मच गई। रामकृष्ण द्वारा की गई फायरिंग से अयोध्या कुमार गुप्ता घायल हो गए। श्री कृष्ण के फायर करने से विजय को गोली लग गई जिससे वह जमीन पर गिर गया। दोनों लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने विजय को मृत्यु घोषित कर दिया जबकि अयोध्या प्रसाद का कई दिनों तक इलाज चला।श्याम सुंदर की तहरीर पर थाना कोतवाली नगर में 26 अप्रैल को चार नामजद सहित कई अन्य अज्ञात लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज हुआ।

विवेचना के दौरान कश्मीरी मोहल्ला के साजिद उर्फ साबिर तथा शोलापुरी कॉलोनी के अजय कुमार द्विवेदी उर्फ लल्लन पुत्र पारसनाथ का नाम प्रकाश में आया।न्यायालय में अभियोजन पक्ष से 12 गवाह पेश किए गए।

न्यायाधीश ने पत्रावली पर मौजूद सबूत व गवाहों के बयान के आधार पर सभी अभियुक्तों को दोषी करार दिया।घटना की गंभीरता व कारित अपराध को विरलतम मानते हुए सभी अभियुक्तों को हत्या, हत्या के प्रयास व गैंगस्टर एक्ट सहित कई गंभीर धाराओं में आजीवन कारावास की सजा सुनाते हुए 576000 रुपए जुर्माना से दंडित किया।

सब कुछ भगवान का है भगवान की सेवा में ही हम है: महंत जन्मेजय शरण

जन एक्सप्रेस/अयोध्या धाम। अयोध्या चिलचिलाती धूप एवं भीषण गर्मी को देखते हुए ज्येष्ठ मास के दूसरे मंगलवार को जानकी घाट बड़ा स्थान के महंत रसिक पीठाधीश्वर महंत जन्मेजय शरण के सानिध्य में यात्रियों की सुविधा हेतु जल प्याऊ व ठंडा जल की व्यवस्था किया गया द्य जिसे हजारों भक्तों ने जलपान किया द्य रामनगरी में आने वाले राम भक्तों की सुविधा हेतु रसिक पीठाधीश्वर महंत जन्मेजय शरण द्वारा भोजन प्रसाद, जल प्याऊ इत्यादि की व्यवस्था मैं कोई कोर कसर नहीं छोड़ते द्य महंत जन्मेजयशरण कहते हैं सब कुछ भगवान का है भगवान की सेवा में लगे इससे बड़ा पुण कार्य क्या होगा जल प्याऊ कार्यक्रम में श्री अयोध्या तीर्थ पुरोहित समाज सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष अपनी पूरी टीम के साथ मौजूद रहकर जल प्याऊ कार्यक्रम मैं सहयोग प्रदान किया द्य यात्रियों को अपने हाथों से शरबत पिलाकर खुशी के आनंद की अनुभूति किया उक्त कार्यक्रम में तीर्थ पुरोहित समाज के दर्जनों लोग उपस्थित रहकर कार्यक्रम को संपन्न कराया प्रमुख रूप से तीर्थ पुरोहित कर्मराज पांडे , तीर्थ पुरोहित प्रदीप कुमार पांडे, अध्यक्ष दुर्गेश कुमार पांडे आदि लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रीय लोकदल के दोनों लोकसभा प्रत्याशियों की जीत पर रालोद कार्यकर्ताओं ने मिठाई बांटकर किया खुशी का इजहार

जन एक्सप्रेस/अयोध्या। मंगलवार राष्ट्रीय लोकदल के दोनों लोकसभा प्रत्याशीयों की जीत पर रालोद कार्यकर्ताओं ने मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया। सिविल लाइन स्थित प्रेस क्लब में रालोद कार्यकर्ता पहुंच कर अवध जोन अध्यक्ष चौधरी रामसिंह पटेल को फूलमाला पहनाकर स्वागत किया व आपस में मिठाई खिलाकर हर्ष जाहिर किया। इस मौके पर चौधरी रामसिंह पटेल ने कहा कि एनडीए गठबंधन में राष्ट्रीय लोकदल को दो सीट बागपत व बिजनौर मिली थी दोनों सीटों पर रालोद प्रत्याशी को शानदार जीत मिली।

मंदिर व सनातन धर्म के उत्थान हेतु जीवन रहेगा समर्पित: रामबली दास

जन एक्सप्रेस। अयोध्या धाम

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की जन्मस्थली अयोध्या में पाजी, टोला रामनगर धर्म कांटा स्थित प्रजापति ठाकुर राम जानकी मंदिर के पूर्व महंत रामजीवन दास के साकेतवास हो जाने उपरांत साधु रीति रिवाज के अनुसार साधु एवं संत समाज ने सर्व सम्मति से स्वर्गीय रामजीवन दास के कृपा पात्र शिष्य रामबली दास को कंठी चादर वह माला पहनकर प्रजापति ठाकुर राम जानकी मंदिर का नया उत्तराधिकारी नियुक्त किया गया द्य मंदिर परिसर में सैकड़ो गणमान्य संतो महंतो की उपस्थिति में प्रजापति ठाकुर राम जानकी मंदिर के राम बलिदास को महंत नियुक्त के पश्चात

उपस्थित लोगों ने भोजन प्रसाद ग्रहण कर कृतार्थ हुए द्य वर्तमान महंत राम बलिदास ने अपने सहयोगियों के साथ सभी को अंग वस्त्र व दक्षिणा भेंट कर स्वागत सत्कार किया द्य प्रजापति ठाकुर राम जानकी मंदिर के वर्तमान महंत राम बलिदास ने प्रेस प्रतिनिधि को बताया हम सनातन धर्म गोसेवा, संतसेवा , अभ्यागत सेवा व बंदर सेवा मंदिर परिसर से निरंतर चलता रहेगा द्य गुरुजी के बताए रास्ते पर चलकर मंदिर व सनातन धर्म के उत्थान हेतु जीवन समर्पित रहेगा द्य उक्त कार्यक्रम में जानकी घाट राम बल्लभ कुंज के अधिकारी राजकुमार दास , जानकी घाट बड़ा स्थान के महंत जन्मेजय शरण , बड़ा भक्तमाल मंदिर के महंत अवध किशोर दास, अंजनी शरण , नागा राम लखन दास , महंत रामकुमार दास , नागा महंत मामा दास , नागा चंदन दास आदि लोग उपस्थित रहे।

प्रभु की कृपा से ही होते हैं सारे कार्य: विनोद साहू

जन एक्सप्रेस। अयोध्या

जेष्ठ माह के द्वितीय बड़े मंगलवार को राहगीरों को वितरित किया गया प्रसाद भगवान श्रीराम के भक्त की जिन पर कृपा हो जाय उनका सारा काम सफल हो जाता है द्य सारे कार्य हनुमान जी की प्रेरणा से ही हो रहे है उक्त बातें जेष्ठ माह के द्वितीय बड़े मंगलवार को भंडारे का आयोजन करते हुए प्रसाद वितरण के दौरान मुख्य आयोजक विनोद साहू ने कही कार्य क्रम का सुभारंभ बजरंग बली श्री हनुमान जी के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित करने के साथ पुष्प अर्पित करते हुए किया गया द्य भंडारे के कार्यक्रम का आयोजन महबूबगंज बाजार में मया टांडा रोड पर साहू टेलीकाम एवं बैंक आफ बड़ौदा ग्राहक सेवा केन्द्र के सामने किया गया द्य प्रसाद वितरण के साथ सरबत, जलपान भी राहगीरों को कराया गया द्य प्रसाद वितरण में विनोद साहू अपनी पूरी टीम के साथ सुबह से लेकर प्रभु इच्छा तक राहगीरो व हनुमान भक्तों को प्रसाद वितरण करते रहे द्य प्रसाद वितरण में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेने वालों में विनोद कुमार साहू, संजीत विश्वास, प्रमोद साहू, शनी विश्वास, अंश चौरसिया, गोलू गुप्ता , खुशी, श्याम सुन्दर साहू, द्वारिका गुप्ता, शिव प्रसाद तिवारी, माता गुलाम साहू, शुभम् गुप्ता, कुंजन साहू, जगत यादव, माता बदल साहू, अनुराग, विकास मौर्य, तुलसी राम मौर्य, सुनील गुप्ता, 4 एस ग्रुप, शंकर गुप्ता, सूरज श्रीवास्तव, संदीप गुप्ता, श्याम मोहन, सूरज गुप्ता, हरीराम मौर्य, मो0 आजम, सुजीत मोदनवाल, मनोज गुप्ता, श्याम

janexpressnews janexpresslive janexpresslive

लखनऊ एक्सप्रेस

तापमान

	अधिकतम	न्यूनतम
लखनऊ	42°C	30°C
कानपुर	44°C	31°C
देहरादून	37°C	25°C
नई दिल्ली	43°C	31°C

www.janexpresslive.com/epaper | हिंदी दैनिक, जन एक्सप्रेस । | लखनऊ । बुधवार । 05 जून 2024

यूपी विधानसभा उपचुनाव: दो सीटों में भाजपा और दो में सपा रही विजयी, लखनऊ पूर्वी भाजपा की झोली में

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

यूपी में विधानसभा उपचुनाव में दुद्धी (सोनभद्र) सीट सपा ने भाजपा से छीन ली। वहीं, शाहजहांपुर की ददरौल और लखनऊ पूर्वी पर भाजपा और बलरामपुर की गैंसड़ी सीट पर सपा का कब्जा बरकरार रहा। लखनऊ पूर्वी सीट भाजपा विधायक आशुतोष टंडन के निधन के बाद खाली हुई थी। उपचुनाव में भाजपा ने यहां ओपी श्रीवास्तव पर दांव लगाया। इंडिया गठबंधन की ओर से यहां से कांग्रेस के मुकेश चौहान मैदान में थे। इस सीट पर वर्ष 2017 और 2022 में भाजपा से आशुतोष टंडन ही जीते थे। इस बार जनता ने पुनः ओपी

श्रीवास्तव को जिताकर यह संदेश दे दिया कि भाजपा की इस परंपरागत सीट पर उसका जादू कम नहीं हुआ है। ददरौल सीट भाजपा विधायक मानवेंद्र सिंह के निधन के बाद खाली हुई थी। उपचुनाव में भाजपा ने यहां से मानवेंद्र सिंह के पुत्र अरविंद सिंह को मैदान में उतारा। (सपा) इंडिया गठबंधन ने उनके सामने बसपा सरकार में राज्यमंत्री रहे अवधेश वर्मा पर दांव लगाया। यहां अरविंद को योगी सरकार के कामकाज के साथ सहानुभूति वोट का भी फायदा मिला। दुद्धी (सुरक्षित) के भाजपा विधायक रामदुलार गोंड को दुष्कर्म मामले में सजा होने के बाद अदालत से अयोग्य ठहराने के बाद इस सीट पर उपचुनाव हुआ। भाजपा ने संघ से जुड़े श्रवण गोंड पर तो सपा ने सात बार विधायक रहे विजय सिंह गोंड पर दांव लगाया। परिणाम 3208 वोटों के मामूली अंतर से सपा के पक्ष में रहा। सपा विधायक डॉ. शिव प्रताप यादव के निधन से खाली हुई बलरामपुर की गैंसड़ी विधानसभा सीट पर समाजवादी पुनः जीत गए हैं। यहां सपा ने डॉ. शिव प्रताप यादव के बेटे राकेश कुमार यादव को उतारा था, जबकि भाजपा ने पूर्व विधायक शैलेंश सिंह शैलू पर दांव लगाया। यहां राकेश यादव सहानुभूति वोट के सहारे अपनी सीट बचाने में सफल रहे।

उपचुनाव के नतीजे

- ददरौल -अरविंद कुमार सिंह (भाजपा)-105972, अवधेश कुमार वर्मा(सपा)-89177
- लखनऊ पूर्वी- ओपी श्रीवास्तव(भाजपा)-142948, मुकेश सिंह चौहान(कांग्रेस)-89061
- गैंसड़ी-राकेश कुमार यादव (सपा), 87120 शैलेश सिंह शैलू (भाजपा)-77683
- दुद्धी- विजय सिंह (सपा)-82787 , श्रवण कुमार (भाजपा)-79579

मोहनलालगंज में कौशल किशोर की हार, सपा के आर के चौधरी 70 हजार मतों से जीते

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

मोहनलालगंज के मतदाताओं ने इस बार भारी उलटफेर कर दिया। केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर हैट्रिक लगाने की आस में चुनावी मैदान में थे, लेकिन वोटरों ने उनका यह अरमान पूरा नहीं होने दिया। उन्हें 70 हजार 292 मतों से हार मिली। समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी आर के चौधरी ने उन्हें हरा दिया। सपा प्रत्याशी को 6 लाख 67 हजार 869 मत मिले। वहीं, भाजपा सांसद कौशल किशोर को 5 लाख 97 हजार 577 मत प्राप्त हुए। मोहनलालगंज क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी कौशल किशोर मतदाताओं का रुख भांपने में पूरी तरह से फेल रहे। सवर्ण मतदाताओं के साथ ही उनकी बिरादरी का एक बड़ा वर्ग इस बार उनके साथ नहीं खड़ा हुआ। क्षेत्रीय मुद्दों की अनदेखी और दो बार सांसद रहना भी उनके खिलाफ गया। इनके बीच विभिन्न वजह से विवादों से चर्चा में रहे उनके परिवार ने भी इस हार में बड़ी भूमिका निभाई। बेहद सामान्य परिवार से निकलकर सांसद और राज्यमंत्री तक के ओहदे तक पहुंचने वाले कौशल किशोर की छवि एक जमीनी नेता की है। इसी के दम पर मलिहाबाद विधानसभा सीट से वे एक बार निर्दलीय विधायक भी रहे। पिछले दो बार से वे मोहनलालगंज क्षेत्र से सांसद हैं। इस दौरान उनकी क्षेत्रीय पैठ थोड़ी कम हुई। कार्यकाल के दौरान उन पर सवर्णों के विरोध में काम करने के आरोप भी लगे। क्षेत्र में सवर्ण बिरादरी पर लगे एससी-एसटी एक्ट में दर्ज हुए मुकदमों का ठीकरा भी उनके सिर फोड़ा गया। सिधौली और मोहनलालगंज क्षेत्र के मतदाताओं का उन पर क्षेत्रीय मुद्दों की अनदेखी करने का आरोप है। इसके चलते क्षेत्र में न तो डिग्री कॉलेज बन सके और ना ही रोजगार के मौके पैदा हुए। मलिहाबाद क्षेत्र में मंडी का निर्माण तो हुआ पर चालू नहीं हुई। वहीं सिधौली में मंडी निर्माण सिर्फ वायदों और दावों तक ही सीमित रहा। राजधानी से सटा क्षेत्र होने की वजह से ट्रैफिक दबाव इन क्षेत्र पर काफी है। इसके चलते कई क्रॉसिंग पर फ्लाईओवर बनाने की मांग काफी लंबे समय से उठ रही है। 10 साल के कार्यकाल में क्षेत्र में एक भी फ्लाईओवर का निर्माण न हो पाना भी उनके खिलाफ गया।

फास्ट फॉरवर्ड

53 शिक्षा मित्रों और 29 अनुदेशकों पर होगा एक्शन

जन एक्सप्रेस/लखनऊ। प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में लगातार गायब रहने वाले शिक्षकों, शिक्षामित्रों व अनुदेशकों पर सख्ती शुरू कर दी गई है। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से हर माह परिषदीय विद्यालयों का औचक निरीक्षण कराया जाता है। विभाग ने लगातार अनुपस्थित पाए जाने वालों को शिक्षण कार्य में उदासीनता बरतने का दोषी पाते हुए 53 शिक्षामित्र व 29 अनुदेशकों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। विभाग ने प्रेरणा निरीक्षण मॉड्यूल से जनवरी से मार्च के बीच अधिकारियों की ओर से किए गए स्थलीय निरीक्षण में पाया है कि 37 जिलों से 101 शिक्षक, शिक्षामित्र, अंशकालिक अनुदेशक व अनुचार तीन-तीन बार लगातार अनुपस्थित पाए गए। इन्हें चेतावनी नोटिस जारी करने के बाद अब कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा ने संबंधित जिलाधिकारियों को इनकी सूची भेजते हुए कहा है कि शिक्षामित्र व अनुदेशक संविदा पर कार्यरत हैं। जो संविदा 31 मई को खुद समाप्त हो जाती है। इस क्रम में लगातार अनुपस्थित पाए गए शिक्षामित्र व अनुदेशकों से नवीनीकरण से पहले स्पष्टीकरण प्राप्त कर आवश्यक कार्यवाही करें।जानकारी के अनुसार अगर शिक्षामित्र व अनुदेशक का शिक्षण कार्य व आचरण संतोषजनक नहीं है तो ग्राम समिति बीएसए को रिपोर्ट देंगी। बीएसए ऐसे प्रस्तावों पर पांच जून तक आवश्यक कार्यवाही कर डीएम को देंगे। डीएम इस रिपोर्ट के अनुसार नए सत्र में इनका नवीनीकरण नहीं कर सकेंगे। जिन जिलों के मामले हैं उनमे लखनऊ, अमेठी, अयोध्या, बांदा, बरेली, गोंडा, कौशांबी, प्रयागराज, रायबरेली, संभल, सुल्तानपुर, उन्नाव, वाराणसी, शामल, मथुरा, मेरठ, गाजीपुर, हरदोई और झांसी आदि हैं।

मतगणना के दौरान भिड़े सपा भाजपा कार्यकर्ता

जन एक्सप्रेस/लखनऊ। लखनऊ में रमाबाई अंबेडकर मतगणना स्थल के बाहर समाजवादी पार्टी एवं भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं में मारपीट हो गई। सपाइयों ने मारपीट का आरोप भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं पर लगाया है।मारपीट में सपा के एक कार्यकर्ता का सिर फट गया। पुलिस ने दोनों पक्षों को अलग किया। इस घटना से मौके पर अफरातफरी मच गई। घटनास्थल पर उपस्थित लोगों ने बताया, दोनों पक्षों में चुनाव को लेकर कहासुनी हुई थी, फिर उनमें हाथापाई शुरू हो गई। देखते ही देखते सपाइयों एवं भाजपाइयों में मारपीट होने लगी। लोग एक दूसरे पर लात-घूंसे चलाने लगे। इसके चलते मतगणना स्थल के बाहर अफरातफरी का माहौल हो गया। कहा जा रहा है कि मारपीट में समाजवादी पार्टी के एक कार्यकर्ता का सिर फट गया। जिससे सपा के कार्यकर्ताओं में रोष फैल गया। उन्होंने खूब नारेबाजी की। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्ष को अलग कराया। वोटों का मार्जिन कम चलने और निरंतर आ रहे रूझान को लेकर कहासुनी फिर शुरू होने की बात कही जा रही है। लखनऊ के रमाबाई अंबेडकर में मतगणना स्थल बनाया गया है। यहां मतों की गिनती हो रही थी। ऐसे में समाजवादी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ता वहां पर जुटे हुए थे। तभी चुनावी बहस के बीच उनमें लड़ाई हो गई।

लखनऊ लोकसभा सीट जीतकर राजनाथ सिंह ने लगाई हैट्रिक, एक लाख 35 हजार मतों से जीते

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

लोकसभा चुनाव के सियासी संग्राम में भाजपा के दिग्गज नेता राजनाथ सिंह ने लखनऊ सीट से अपनी जीत की हैट्रिक लगा दी। वह अपने प्रतिद्वंदी उम्मीदवार सपा प्रत्याशी रविदास मेहरोत्रा से एक लाख 35 हजार 159 मतों से जीते। साथ ही मोहनलाल गंज सीट पर भाजपा उम्मीदवार कौशल किशोर को इस बार करारी हार का सामना करना पड़ा और वह जीत की हैट्रिक लगाने से चूक गए। सपाई उम्मीदवार आरके चौधरी ने उन्हें पराजित कर दिया। राजधानी लखनऊ के चुनाव को लेकर माना जा रहा था कि रक्षामंत्री राजनाथ सिंह इस बार भी चुनाव जीत जाएंगे। ऐसा हुआ भी पर मुकाबला इस बार आसान नहीं रहा। इस बार उनका मार्जिन घट गया। राजनाथ सिंह को 6 लाख 12 हजार 709 मत मिले जबकि रविदास मेहरोत्रा को 4 लाख 77 हजार 550 मत मिले। लखनऊ लोकसभा सीट की कैंट विधानसभा में मंगलवार सुबह ईवीएम खुलते ही भाजपा प्रत्याशी राजनाथ सिंह ने रफ्तार पकड़ ली। उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। हालांकि, कई चरणों में बढ़त का मार्जिन अनुमान से कम रहा। भाजपा कार्यकर्ताओं की खुशियां भी देखने लायक थी लेकिन टीवी पर चल रहे रुझानों से उनके चेहरे कुछ मायूस से हो गए लेकिन दिन चढ़ने के साथ-साथ राजनाथ सिंह ने जो बढ़त हासिल की, वह बनी रही। उधर मोहनलालगंज के मतदाताओं ने इस बार भारी उलटफेर कर दिया। केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर हैट्रिक लगाने की आस में चुनावी मैदान में थे लेकिन वोटरों ने उनकी यह मंशा पूरी नहीं होने दी। इस सीट पर सपा के उम्मीदवार आरके चौधरी ने अपनी जीत का परचम फहरा दिया।

लखनऊ लोकसभा सीट पर राजनाथ सिंह की जीत का सर्टिफिकेटल लेते महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी और एमएलसी मुकेश शर्मा।

शून्य पर सिमटी बसपा, 80 सीटों पर किसी भी सीट पर नंबर दो पर भी नहीं

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी को लोकसभा चुनाव में मिली शिकस्त के बाद उसकी वजहों को तलाशा जाने लगा है। पूरे दम-खम के साथ अकेले चुनाव लड़ने की बसपा की रणनीति का उल्टा असर रहा और पार्टी को अपने इतिहास की सबसे करारी हार का सामना करना पड़ गया। बसपा यूपी की 80 में से 80 सीटें हार गई है। अब इन हार की वजहों को तलाश जा रहा है। गठबंधन को लेकर मायावती की हठ ने दलित वोट को बिखरने पर मजबूर कर दिया, जिसका फायदा विपक्षी दलों को हुआ। बसपा की हार की सात वजहों पर गौर करें तो तस्वीर साफ हो जाती है। दरअसल, बसपा की हार की पहली वजह कार्यकर्ताओं से दूरी है। पार्टी के शीर्ष नेता पांच साल तक खुद को बंद कमरे में समेटे रहे, जिसकी वजह से कार्यकर्ताओं के बीच उनकी पकड़ कमजोर पड़ती गयी। पार्टी का चुनाव अकेले लड़ना दूसरी वजह माना जा सकता है। बसपा ने बदलते चुनावी समीकरणों से सबक नहीं लेते हुए अकेले दम पर चुनाव लड़ने की रणनीति बनाई, जो उसकी जीत की राह का रोड़ा बन गयी। तीसरी वजह पार्टी की सोशल इंजीनियरिंग के फॉर्मूले का फेल होना बताया जा रहा है। भाजपा विजय रथ को यूपी में रोकने और सपा प्रत्याशियों की जीत में रोड़ा अटकाने के लिए जिन प्रत्याशियों का चयन किया गया, वह चुनाव में नाकाम साबित हुए। चौथी वजह बसपा के युवा चेहरे आकाश आनंद को चुनावी परिदृश्य से बाहर करना है। आकाश की जनसभाओं में भीड़ उमड़ रही थी, लेकिन उनके एक भड़काऊ भाषण ने उसकी सियासी तकदीर को बदल दिया। इसका असर युवा कार्यकर्ताओं पर हुआ और वह आजाद समाज पार्टी को बतौर विकल्प देखने लगे। पांचवीं वजह बसपा का अपने सांसदों पर भरोसा नहीं करना मानी जा सकती है। बसपा ने अपने आठ वर्तमान सांसदों को टिकट नहीं दिया, जिसकी वजह से वह अन्य दलों में चले गए।

लखनऊ में केमिकल से भरा टैंकर पलटा, पॉलिटेक्निक चौराहे पर रील बना रहे युवकों ने स्टेयरिंग खींची

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

लखनऊ के पॉलिटेक्निक चौराहे पर ज्वलनशील केमिकल (एथनॉल) से भरा टैंकर पलट गया। पूरा केमिकल चौराहे पर फैल गया। रील बनाने वाले युवकों द्वारा टैंकर की स्टेयरिंग खींचने की वजह से हादसा हुआ। वाकया मेट्रो लाइन के ठीक नीचे हुआ, जिसकी वजह से वहां अफरातफरी मच गई। पुलिस को सूचना दी गई और मौके पर पहुंची क्रेन से ट्रक को उठाया गया। ड्राइवर अभिषेक ने बताया, बलरामपुर शुगर मिल से यह ट्रक अमौसी एयरपोर्ट जा रहा था। रात करीब 1 बजे जब वह पॉलिटेक्निक चौराहे के पास पहुंचा तो वहां पर दो-तीन लड़के मोबाइल से रील बना रहे थे। मैंने हॉर्न बजाया तो लड़के भड़क गए और उन्होंने अचानक से टैंकर की स्टेयरिंग खींच दी, जिससे टैंकर अनियंत्रित होकर वहीं पलट गया।

फायर ब्रिगेड की 8 गाड़ियों ने सड़क से साफ किया केमिकल

सूचना मिलते ही मौके पर फायर ब्रिगेड की 8 गाड़ियां और 5 क्रेन पहुंची और पानी डालकर केमिकल हटाने का काम किया गया। पुलिस ने बैरिकेडिंग करके वहां जाने से लोगों को रोक दिया और वाहनों को रूट डायवर्ट करके दूसरे रास्तों से निकाला गया।

मेट्रो स्टेशन के ठीक नीचे हुई घटना, बड़ा हादसा टला

पॉलिटेक्निक चौराहे के पास जहां टैंकर पलटा, वह मेट्रो स्टेशन के ठीक नीचे का एरिया है। फायर ब्रिगेड के अधिकारियों ने बताया कि अच्छा हुआ जो आग नहीं लगी, ऐसा होता तो हादसा बड़ा हो सकता था। फिलहाल सड़क पर फैले केमिकल को पानी डालकर बहा दिया गया है।

लखनऊ में बजरंगबली का सबसे बड़ा दरबार हनुमान सेतु धाम में दर्शन से बन जाते हैं बिगड़े काम

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

लखनऊ में आस्था और विश्वास का एक अद्भुत और चमत्कारिक स्थल है। मान्यता है कि भक्ति में लीन होकर, सच्चे व निश्छल मन से मांगी गई हर मुराद यहां पूरी होती है। असंभव काम भी संभव हो जाता है। हम बात कर रहे हैं पवनपुत्र, महावीर बजरंगबली हनुमान जी महाराज के प्रसिद्ध हनुमान सेतु धाम की। हनुमान सेतु धाम की स्थापना 26 जनवरी, 1967 को बसंत पंचमी के दिन अनूठे चमत्कार के साथ हुई। आम हो या खास हर भक्त की समान भावना के साथ कामना पूरी होने का वही सिलसिला आज भी जारी है। मंदिर ट्रस्ट के सचिव और रिटायर्ड आईएएस दिवाकर त्रिपाठी कहते हैं कि पहले बाबा नीब करौरी ने गोमती नदी के किनारे अपना मंदिर बनाया था।

उत्तर रेलवे
ई–ऑक्शन सूचना
आज़ादी का अमृत महोत्सव

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–ऑक्शन से सम्बन्धित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ–उ0रे0–मण्डल–वाणिज्य/उ0रे0
नीलामी सूची स0/लॉट स0	Parking-LKO-PYGS-TW-76-24-1 (Parking Two Wheeler)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	01-06-2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	17-06-2024 समय 10:00 बजे
नीलामी बंद करने की तिथि एवं समय	17-06-2024 समय 10:30 बजे
नीलामी सूची स0/लॉट स0	Parking-LKO-JOP-MX-133-24-1 (Parking - Mixed)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	01-06-2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	17-06-2024 समय 10:00 बजे
नीलामी बंद करने की तिथि एवं समय	17-06-2024 समय 10:40 बजे
नीलामी सूची स0/लॉट स0	Parking-LKO-AME-MX-132-24-1 (Parking - Mixed)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	01-06-2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	17-06-2024 समय 10:00 बजे
नीलामी बंद करने की तिथि एवं समय	17-06-2024 समय 10:50 बजे
नीलामी सूची स0/लॉट स0	Parking-LKO-RDL-MX-90-24-5 (Parking - Mixed)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	01-06-2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	17-06-2024 समय 10:00 बजे
नीलामी बंद करने की तिथि एवं समय	17-06-2024 समय 11:00 बजे
नीलामी सूची स0/लॉट स0	Parking-LKO-GNG-MX-85-24-2 (Parking - Mixed)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	01-06-2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	17-06-2024 समय 10:00 बजे
नीलामी बंद करने की तिथि एवं समय	17-06-2024 समय 11:10 बजे
नीलामी का प्रकार	Close Ended
वेबसाइट विवरण जहां पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

1663/2024
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अमौसी एयरपोर्ट का मामला: गर्डर रख रही क्रेन खराब होने 12 घंटे बंद रहा रनवे, 84 फ्लाइटें निरस्त, 12 डायवर्ट

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

अमौसी एयरपोर्ट पर मंगलवार सुबह टर्मिनल थ्री के निर्माण में लगी क्रेन खराब हो गई। इस कारण करीब 12 घंटे तक रनवे बंद रहा। लखनऊ आने-जाने वाली 84 फ्लाइटों को निरस्त किया गया, 12 उड़ानें डायवर्ट की गईं तथा 40 लेट रहीं। इस दौरान करीब 20 हजार यात्री परेशान हुए। एयरपोर्ट टर्मिनल यात्रियों से ठसाठस भरा रहा। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर हाल ही में नया टर्मिनल टी-थ्री शुरू हुआ है। यहां से घरेलू विमानों का संचालन हो रहा है। टी-थ्री के सेकंड फेज का काम चल रहा है। इसमें गर्डर रखने का काम कर रही क्रेन की बीक (चोंच) सुबह करीब 5.30 बजे खराब हो गई। यह बीक रनवे के ऊपर आकर फंस गई। हादसा की आशंका के चलते एयरपोर्ट ट्रैफिक कंट्रोलर ने तत्काल यह सूचना अन्य एयरपोर्टों को दी। इसके बाद लखनऊ आने वाले विमानों को डायवर्ट कर दिया गया और यहां से रवाना होने वाली फ्लाइटों को तत्काल रोक दिया गया। इंजीनियरों की टीम करीब 12 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद क्रेन को दुरुस्त कर सकी। इस दौरान विमानों की आवाजाही पूरी तरह ठप रही। लखनऊ से दिल्ली, मुंबई, रायपुर, बंगलुरु, कोलकाता आदि जगहों पर जाने वाले पैसेंजर एयरपोर्ट पहुंचे। विमानों का संचालन ठप होने से टर्मिनल खचाखच भर गया। एयरपोर्ट प्रशासन ने पेयजल व बैठने की व्यवस्था कराई। एयरपोर्ट प्रवक्ता के अनुसार शाम साढ़े पांच बजे रनवे क्लीयर हुआ और दिल्ली से लखनऊ आने वाली एयर एशिया की उड़ान को लैंड कराया गया। इसके बाद लखनऊ से पुणे की फ्लाइट ने टेकऑफ किया।

40 विमान लेटलतीफी का शिकार

रनवे बंद होने से दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, बंगलूरू, जयपुर सहित विदेशों से आने व यहां से इन गंतव्यों तक जाने वाली कुल 84 फ्लाइटें कैंसिल हुईं। इसमें 45 विमान लखनऊ से रवाना होने वाले हैं, जबकि 39 फ्लाइटें दूसरे एयरपोर्ट से आने वाली रहीं। 40 विमान देरी के शिकार हुए। करीब 20 हजार यात्रियों को असुविधाओं का सामना करना पड़ा। हालांकि, काफी यात्री एयरलाइंस की सूचना पर घर लौट गए, पर दूसरे शहरों से लखनऊ पहुंचे पैसेंजर टर्मिनल में डटे रहे।

मरम्मत के चलते आठ घंटे बंद रहता है रनवे

अमौसी एयरपोर्ट पर रनवे के मेंटेनेंस का काम भी चल रहा है। रात दस बजे से सुबह छह बजे तक रनवे बंद रहता है। एयरपोर्ट पर मंगलवार को टी-थ्री के विस्तार का काम कर रही क्रेन भी उस वक्त अटक गई, जब रनवे पर विमानों की आवाजाही शुरू होने वाली थी, जिससे मुश्किलें खड़ी हो गईं।

ये विमान हुए लेट

- लखनऊ से दिल्ली जाने वाली विस्तारा एयरलाइंस की उड़ान वीटीआई-642 सवा दो घंटे, इंडिगो की 6ई-6008 एक घंटे, 6ई-5082, एयर एशिया की 812 व इंडिगो की 6ई-2243 लेट रही। दिल्ली से लखनऊ आने वाली उड़ाने इंडिगो की 6ई-538, विस्तारा की वीटीआई-641, एयर एशिया की आईएडी-738, इंडिगो की 6ई-5081, इंडिगो की 6ई-2319 एक से तीन घंटे तक लेट रहीं।
- लखनऊ से मुंबई जाने वाली विस्तारा की फ्लाइट वीटीआई-642, इंडिगो की 6ई-6008, 6ई-5082, एयर इंडिया की एआई-812, 6ई-2243 व मुंबई से लखनऊ आने वाली अकासा की एकेजे-1451, इंडिगो की 6ई-544 देरी की शिकार हुईं।
- लखनऊ से हैदराबाद की इंडिगो की उड़ान 6ई-0523, 6ई-6166, एयर एशिया की उड़ान 1955, इंडिगो की फ्लाइट 6ई-6166 दो घंटे तक लेट रही।
- लखनऊ से बंगलूरू की इंडिगो की फ्लाइट 6ई-435 व बंगलूरू से लखनऊ आने वाली 6ई-196 लेट पहुंचीं।
- लखनऊ से जयपुर जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6ई-7321, विस्तारा की फ्लाइट वीटीआई-642, इंडिगो की फ्लाइट 6ई-6008 सवा घंटे तक लेट रही।
- लखनऊ से कोलकाता जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6ई-6469 डेढ़ घंटे देरी से रवाना हो सकी।

ये विमान हुए कैंसिल

- जम्मू से लखनऊ आने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6ई-543 व लखनऊ से जम्मू जाने वाली फ्लाइट 6ई-6008।
- लखनऊ से बंगलूरू जाने वाली एयर एशिया की फ्लाइट आईएडी-2732 व बंगलूरू से लखनऊ आने वाली फ्लाइट आईएडी-1455।
- लखनऊ से दिल्ली जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6ई-2111 व एयर एशिया की फ्लाइट आईएडी-552 एवं दिल्ली से लखनऊ आने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6ई-2319, 6ई-2258, 6ई-2113।

ये फ्लाइट आज भी रहेंगी निरस्त

- लखनऊ से हैदराबाद जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6ई-6166।
- लखनऊ से मुंबई जाने वाली एयर एशिया की फ्लाइट आईएडी-552 व इंडिगो की फ्लाइट 6ई-2111।

हवा में चक्कर काटती रहीं उड़ानें, डायवर्ट

रनवे बंद होने से आने वाली उड़ानें हवा में चक्कर काटती रहीं। जब एटीसी से लैंडिंग की अनुमति नहीं मिली तो उड़ानों को डायवर्ट कर दिया गया। एयर एशिया की उड़ान आईएडी-548 को वापस दिल्ली डायवर्ट किया गया। मुंबई से लखनऊ आने वाली इंडिगो की 6ई-2442 तिरुवनंतपुरम डायवर्ट की गई। कोलकाता से लखनऊ आने वाली 6ई-6139 को वाराणसी डायवर्ट किया गया। करीब दर्जनभर उड़ानें डायवर्ट हुईं।

जन एक्सप्रेस

सम्पादकीय

प्रधानमंत्री मोदी ने यह सिद्ध किया है कि राजनीति भी एक साधना है

न मैं जाति में विश्वास करता हूं और इन चारों के विकास के लिए और विश्व में भारत को विकसित भारत बनाने के लिए अपना जीवन का एक-एक पल लगा रहा हूं। सच भी है कि अगर वे चुनाव के समय ध्यान में भी गए तो भारत 'ज्ञान के विकास को और मजबूती के साथ ही भारत विश्व में नम्बर एक कैसे बने, इसलिए गए थे। उनकी कल्पना और दूरदृष्टि का भारत ही नहीं, विश्व भी कायल है। यही कारण है कि नरेंद्र भाई मोदी विरोधियों की चिंता किए बगैर भारत माता को वैभव पर पहुंचाने में रात-दिन लगे रहते हैं।

भारतीय राजनीति में आजादी के बाद सर्वाधिक समय प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू रहे। वे लगभग साढ़े सत्तरह साल तक भारत के प्रधानमंत्री रहे। उसके बाद श्रीमती इंदिरा गांधी जो नेहरू की बेटी रहीं, वे भी पंद्रह साल और तीन सौ पचास दिन प्रधानमंत्री रहीं। भारतीय जनसंघ की स्थापना से भाजपा के अब तक के इतिहास में प्रधानमंत्री के पद पर पहले तेरह दिन, दूसरी बार तेरह महीने और तीसरी बार साढ़े चार वर्ष के करीब स्व. अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री रहे। अपने जीवन में जब वे कानपुर में स्नातकोत्तर और लॉ की पढ़ाई करने गए, तो उसके बाद वे संडीला जो उत्तरप्रदेश में एक स्थान है, वहां कुछ समय के लिए प्रचारक के रूप में रहे। यह कहने में कोई संकोच नहीं कि अटल जी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक एवं कुछ समय प्रचारक रहे, ऐसे राजनेता भारत के प्रधानमंत्री बने। उनके कार्यकाल में बात इतनी सी रही कि वे पूर्ण बहुमत वाली भाजपा के प्रधानमंत्री नहीं रहे। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी भारतीय राजनीति में पच्चीस वर्ष बाद ऐसे प्रधानमंत्री बने जो अपनी पार्टी भाजपा के पूर्ण बहुमत के आधार पर पहले प्रधानमंत्री बने। साथ ही, उन्हे एनडीए का समर्थन था। 4 जून 2024 को आम चुनाव 2024 का परिणाम आएगा। 18वीं लोकसभा का गठन होगा। अब तक आए सभी चैनलों के चुनाव पूर्व अनुमान यह साफ संकेत दे रहे हैं कि भाजपा पूर्ण बहुमत से पुनः तीसरी बार सरकार बना रही है और श्री नरेन्द्र भाई मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री की शपथ लेंगे। अगर गणित लगायेंगे तो वे जनसंघ से भाजपा में रहे प्रधानमंत्री अटल जी के कार्यकाल से तो काफी आगे सन 2014 और 2019 के साथ-साथ अब सन 2024 में भी रहेंगे। अटल जी और नरेंद्र भाई मोदी में जो समानता है कि अटल जी भी संघ के स्वयं सेवक और कुछ समय तक प्रचारक रहे। वहीं नरेंद्र भाई मोदी तो वर्षों तक संघ के प्रचारक रहे और प्रचारक के नाते भाजपा के संगठन महामंत्री भी रहे। नरेंद्र भाई मोदी के मुख्यमंत्री काल को जोड़ लिया जाए तो भारतीय राजनीति में तेरह वर्ष मुख्यमंत्री और दस वर्ष तक प्रधानमंत्री रहने वाले भारत के पहले राजनीतिज्ञ श्री नरेंद्र भाई मोदी ही हैं। साथ ही जैसा कि गृहमंत्री श्री अमित शाह, रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा जी कह रहे हैं, कि सन 2029 में भी नरेंद्र भाई मोदी ही प्रधानमंत्री रहेंगे, तो यहां यह कहने में कोई संकोच नहीं कि वे भारतीय राजनीति के पहले ऐसे प्रधानमंत्री बन जायेंगे, जो भारत में प्रधानमंत्री पद पर रहने के सारे रिकार्ड तोड़ देंगे। जैसे क्रिकेट की दुनिया में सचिन तेंदुलकर ने इतना बड़ा रिकार्ड बना दिया कि अभी तक विश्व में उसे कोई तोड़ नहीं पाया। ऐसे ही विश्व के लोकतांत्रिक देश के इतिहास में 4 जून 2024 को तो इतिहास रच ही जाएगा। साथ ही सन 2029 में भाजपा और विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय ही नहीं मान्यता और स्वीकार्यता प्राप्त व्यक्तित्व नरेंद्र भाई मोदी हो जाएंगे। लगातार तीसरी बार बहुमत से अधिक संख्या और हर बार संख्या में बढ़ोत्तरी कर न केवल भाजपा की साख बढ़ी है, बल्कि श्री नरेंद्र भाई मोदी ने यह सिद्ध किया है कि राजनीति भी एक साधना है, तपस्या है और यदि उन्होंने तपस्वी बनकर प्रधानसेवक की भूमिका निभाते हुए कहा कि मेरे लिए सिर्फ तङ्कह (ज्ञान) अर्थात 'जी' से गरीब 'वाई' से यूथ 'ए' से अन्नदाता और 'एन' से नारी शक्ति ही सब कुछ है। न मैं जाति में विश्वास करता हूं और इन चारों के विकास के लिए और विश्व में भारत को विकसित भारत बनाने के लिए अपना जीवन का एक-एक पल लगा रहा हूं।

एक्सप्रेस आलेख

घरेलू लेनदेन से राजस्व में मजबूत वृद्धि के कारण सकल जीएसटी संग्रह मई, 2024 में सालाना आधार पर 10 फीसदी बढ़कर करीब 1.78 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। इस कलेक्शन से सरकार का खजाना भर गया है। वित्त मंत्रालय केआंकड़े बता रहे हैं, 1,72,739 करोड़ रुपये के सकल जीएसटी संग्रह में केंद्रीय जीएसटी की 32,409 करोड़ और राज्य जीएसटी की 40,265 करोड़ रुपये हिस्सेदारी रही है । एकीकृत जीएसटी का योगदान 87,781 करोड़ रहा, जिसमें आयातित वस्तुओं पर जुटाए 39,879 करोड़ रुपये शामिल हैं। कुल उपकर संग्रह 12,284 करोड़ रुपये रहा। इस दौरान घरेलू लेनदेन से राजस्व में 15.3 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

देश में एनडीए सरकार का आगमन

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

साल 2014 से 2023 के बीच 10 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का कर्ज वसूला गया है। प्रवर्तन मंत्रालय ने बैंक धोखाधड़ी के करीब 1100 मामलों की जांच की। इनमें करीब 65 हजार करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की गई है। इसके अलावा हाल ही के दिनों में सार्वजनिक बैंकों को 15,183 करोड़ रुपये की संपत्ति वापस की गई है।

प्रधानमत्री मोदी ने देश के आम जन के नाम अपना एक पत्र लिखा है, पत्र की भाषा एवं चुनाव प्रचार के दौरान और उसके बाद कन्याकुमारी में ध्यान साधना के उनके जो अनुभव हैं, उन्होंने उन सभी का जिक्र इसमें किया है। स्वाभाविक तौर पर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा लिखा यह पत्र पाठकों को कई बार भावनाओं के अपार विस्तार में कहीं गहरे गोते लगाने के लिए भी उद्वेलित और विवश कर देता है। इसी के साथ देश के सामने आज आर्थिक क्षेत्र से जुड़ी अनेक ऐसी बड़ी खबरें आई हैं, जिन्होंने भारत के सुखद भविष्य को लेकर बहुत आशा से भर दिया है।

ब्रिटेन से 100 टन सोना भारत आना देश की बड़ी उपलब्धि

अधिकांश एग्जिट पोल ने जो भविष्यवाणी की है, यदि उसी अनुरूप परिणाम आते हैं तो आगामी पांच वर्ष में मोदी राज में भारत किस दिशा में आगे बढ़ेगा, इसका अंदाजा भी इन खबरों को सुनकर, पढ़कर और समझकर हो जाता है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जो कभी गोल्ड साल 1990-91 वित्त वर्ष में भारत की कमजोर आर्थिक स्थिति के चलते ब्रिटेन के पास गिरवी रखा था, उसे वित्त वर्ष 2024 में वापिस बुला लिया गया है। इसी के साथ बैंक ऑफ इंग्लैंड से 100 टन सोना आने से अब भारत में कुल सोना 408 टन हो गया है। यानी कि विदेश में रखे गए सोने का आधा हिस्सा देश में आज मौजूद है । केंद्रीय बैंक की एनुअल रिपोर्ट बता रही है, कुल गोल्ड रिजर्व में से 413.79 टन विदेशों में रखा गया है, जबकि अन्य 100.28 टन सोना स्थानीय स्तर पर बैंकिंग विभाग की संपत्ति के रूप में मौजूद है। यूके से अभी 100 टन सोना भारत आया है, जिसे आरबीआई ने विदेशी मुद्रा संकट से निपटने के लिए अपने भंडार में शामिल कर लिया है। विदेश में रखे गए सोने का उपयोग भारत सरकार कारोबार में मुख्य रूप से करती रही है। लेकिन पिछले कुछ माह से जिस तरह से वैश्विक गतिविधियां और अस्थिरता का दौर शुरू हुआ है, उसे देखते हुए सरकार ने तय किया है कि अपना सोना अपने पास होना चाहिए। जिसका जरूरत के हिसाब से सीधे इस्तेमाल किया जा सकेगा। इस सोने के आने से देश की आर्थिक स्थिति को मजबूत होगी। दूसरे देशों

भारत के कई मोर्चों पर एक साथ आगे बढ़ते कदमों में एक कदम यूपीआई से भी जुड़ा है। आरबीआई चार वर्ष में यूपीआई को 20 देशों में पहुंचाने की योजना पर काम कर रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक इस लक्ष्य के लिए एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लि. के साथ काम कर रहा है।

और वित्तीय संस्थाओं का भी भारत की आर्थिक स्थिति पर भरोसा बढ़ेगा। यह तब है जब अभी नई सरकार का गठन नहीं हुआ है। स्वाभाविक है भारत सरकार के पास जितना अधिक सोने का भण्डार होगा, दुनिया के आर्थिक जगत में हिन्दुस्थान के प्रति उतना अधिक विश्वास विश्व भर के लोगों एवं संस्थाओं में बढ़ेगा। इसलिए सरकार आज लगातार अलग से अपने सोने के भंडारण में बढ़ोत्तरी करने में लगी है । अभी चार माह में ही आरबीआई ने अपने भंडार में 27.47 टन सोना जोड़ा है जो पिछले वर्ष के 794.63 टन से बढ़कर 1.5 टन हो गया।

शेयर मार्केट सर्वोच्च ऊंचाइयों पर

दूसरी बड़ी खबर शेयर मार्केट की सामने आई है। लोकसभा चुनाव के परिणाम को लेकर एग्जिट पोल के अनुमानों पर दुनिया के अर्थ जगत ने भी अपना विश्वास जताया है और मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों का समर्थन भारतीय शेयर बाजार में अपना रुपया डाल कर किया है। सोमवार को शेयर बाजार जमकर झूमता दिखा है। सेंसेक्स और निफ्टी शुरुआती कारोबार में अपने-अपने सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गए थे। इससे पहले ही प्री ओपनिंग के दौरान सेसेंक्स ने 2600 अंक से ऊपर की छलांग लगा दी थी । वहीं, निफ्टी भी 800 अंक से ज्यादा की बढ़त के साथ खुला। एक समय अपने ऑल टाइम हाई 76,583.29 तक यह जा पहुंचा था । कुल मिलाकर एग्जिट पोल में भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की निर्णायक जीत का अनुमान लगाए जाने के बाद शेयर बाजार अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है । इससे निवेशकों में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है।

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को लेकर भारत पर भरोसा जता रहे दुनिया के कई देश

दुनिया भर में जब आर्थिक अनिश्चितताएं हावी हो रही हों, तब विश्व के तमाम देशों के नागरिक भारत पर भरोसा करें तो यह न सिर्फ भारत सरकार के लिए बल्कि हर भारतीय के लिए गर्व की बात है, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में भी भारत पिछले एक वर्ष में बहुत अच्छा प्रदर्शन करता दिखता है देश में 2023-24 के दौरान 44.43 अरब डॉलर का विदेशी निवेश आया। सिंगापुर से सबसे ज्यादा 11.77 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश हमें मिला है । फिर मॉरीशस, अमेरिका, ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), केमैन आइलैंड, जर्मनी और साइप्रस, नीदरलैंड और जापान से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के मामले में भारत पर सबसे अधिक भरोसा जताते दिखाई दे रहे हैं।

सरकार ने वसूला उद्यमियों से 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज

देश में उद्यमियों को कर्ज देकर वापिस नहीं किए जाने का मुद्दा प्रायः विपक्ष द्वारा उठाया जा रहा था। मोदी सरकार पर यह आरोप लगाए जा रहे थे कि वह बड़े कारोबारियों की सरकार है, जोकि बैंकों से रुपया उधार लेकर लौटाते नहीं है, विदेश भाग जाते हैं या अपने को दिवालिया घोषित कर देते हैं लेकिन बैंक को ऐसे लोग रुपया नहीं लौटाते और मोदी सकार उन्हीं के साथ खड़ी नजर आती है। दरअसल, आज इस प्रकार कहनेवाले सभी लोगों का जवाब एक बार में ही आंकड़ों के माध्यम से सरकार ने दे दिया है।

एक्सप्रेस कविता

प्रकृति की लीला कितनी न्यारी हम सबको लगती कितनी प्यारी बहती नदिया कितनी न्यारी जल, नदिया और लताएं प्यारी इन की रक्षा करना जिम्मेदारी हमारी भालू ,हिरण और बंदर कितने मासूम प्यारे. हम सबके करीबी दोस्त सब ये न्यारे, हम सब करेंगे जंगल की रक्षा तब होगी इन सब की सुरक्षा दूध सी बहती नदिया की धार पुकार रही है हमें बार-बार, दूषित करके हे मानव तुमने हमें किया कितना लाचार. हमसे तुम करो प्यार दुलार, तुम्हें देंगे शुद्ध जल का उपहार बारिश की बूंदे भी देखो सबके मन को भाती है, करती हरा भरा धरती को हमें नवजीवन दे जाती हैं धरती हमसे करे पुकार, मत करो प्रकृति पर अत्याचार, मां हूं मैं तेरी कोई गैर नहीं अमूल्य जीवन हूं तेरा कुछ और नहीं आओ अब लेते हैं।

संजीव ठाकुर

एक्सप्रेस ज्ञान

आप कभी भी दूसरा लक्ष्य निर्धारित करने या नया सपना देखने के लिए बहुत बूढ़े नहीं होते

किसी भी शुभ कार्य को करने के लिए सही मुहूर्त, सही समय, और सही नक्षत्र का होना जरुरी होता है, आज हम आपको आज के दिन का सही समय जो की सही कार्य करने का है, और आज कब कौन सी दशा कौन से टाइम में चल रही है उसका समुचित विवरण हिन्दू कैलेंडर और हिन्दू पंचांग के अनुसार दे रहे है, आज आपका दिन मंगलमयी रहे, यही शुभकामना है। आज का दिन शुभ कार्य के लिए सही कार्य है या नहीं आज के चौघड़िया के अनुसार जानें। अगर आप आज वाहन खरीदने का विचार कर रहे हैं या आज कोई नया व्यापार आरंभ करने जा रहे हैं, गृह प्रवेश कर रहे हैं, गृह निर्माण कर रहे है, प्रॉपर्टी खरीद रहे हैं, या कोई अन्य शुभ कार्य करने के लिए सोच रहे है तो पहले यहाँ सही समय देख लें, आपका कार्य शुभ और सफल होगा, यही हमारी ओर से शुभ मंगल कामना है।

तिथिः	चतुर्दशी 19:55 तक
नक्षत्रः	कृत्तिका 21:16 तक
पक्षः	कृष्ण
वारः	बुधवार
योगः	सुकर्मा , 24:35
सूर्योदयः	05:24
सूर्यास्तः	19:14
चंद्रमाः	वृषभ राशि में
राहुकालः	12:19-14:03
विक्रमी संवत्:	2081
शक सम्वतः	1945
मासः	ज्येष्ठ
शुभ मुहूर्तः	अभिजीत नहीं

जन एक्सप्रेस

आ गई वो बेला !

हैं सारे सतर्क ।
भर रहे ललकार ।।
देखते हैं कितना ।
हो पाता उद्धार ।।
आ गई वो बेला ।
हुआ जिसका इंतज़ार ।।
मन ही मन पहनने को ।
हैं आतुर अब हार ।।
भले हो जग हंसाई ।
चलते हर पल चाल ।।
हैं लगते तैयार ।
करने को बवाल ।।
पर फैसला जनता का ।
क्यों नहीं स्वीकार ।।
पर लगता है जल्द ही ।
होंगे सब फरार ।।

- कृष्णेन्द्र राय

एक्सप्रेस स्वास्थ्य

टैनिंग से छुटकारा पाने के लिए लगाएं खीरे और मुल्तानी मिट्टी का फेस मास्क

गर्मियों में वातावरण में तापमान ज्यादा होने से त्वचा पर भी प्रभाव पड़ता है। ऐसे में अगर थोड़ी देर भी धूप में निकला जाए, तो इससे सनबर्न और टैनिंग हो सकती है। ऐसे में त्वचा में मेलेनिन का प्रोडक्शन बढ़ जाता है। इसके कारण त्वचा का रंग गहरा होने लगता है। यह समस्या हाथों और चेहरे पर ज्यादा होती है। जिस कारण चेहरे और हाथों का रंग शरीर के रंग से अलग लगने लगता है। इस समस्या से राहत पाने के लिए कई लोग केमिकल पीलिंग और टैन रिमूवल ट्रीटमेंट करवाते हैं। लेकिन लंबे समय तक इनके इस्तेमाल से त्वचा को नुकसान हो सकता है। ऐसे में आप घर पर तैयार किया नेचुरल फेस मास्क इस्तेमाल कर सकते हैं। ऐसे में खीरे और मुल्तानी मिट्टी का फेस मास्क भी फायदेमंद हो सकता है।

टैनिंग हटाने के लिए बनाएं खीरे और मुल्तानी मिट्टी का फेस मास्क: यह फेस मास्क बनाने के लिए आपको बाउल में 2 चम्मच मुल्तानी मिट्टी लेनी है। अब इसमें 3-4 चम्मच खीरे को घीसकर इसका रस मिलाएं। आखिर में इसमें आधा चम्मच कॉफी पाउडर मिलाकर पेस्ट तैयार करें। अगर आप बाहर से आए हैं, तो आधे घंटे बाद इसका इस्तेमाल करें। फेस क्लींजिंग के बाद यह फेस मास्क लगाएं। इसे आप हाथों और गर्दन पर भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

स्किन को हेल्दी रखे: खीरा त्वचा को हाइड्रेट करने में मदद करता है। इससे स्किन पर हेल्दी ग्लो आता है। मुल्तानी मिट्टी त्वचा की सफाई करने में मदद करती है। इस फेस मास्क के इस्तेमाल से स्किन हेल्दी रहती है।

डार्क स्पॉट्स कम करे: खीरा में एंटीऑक्सीडेंट्स मौजूद होते हैं। ये त्वचा से डार्क स्पॉट्स कम करने में मदद करते हैं। मुल्तानी मिट्टी चेहरे की रंगत सुधारने में मदद करती है।

सनबर्न से राहत दे: गर्मियों में थोड़ी देर बाहर निकलने से सनबर्न भी हो सकता है। सनबर्न से राहत पाने के लिए आप यह फेस मास्क लगा सकते हैं। खीरा और मुल्तानी मिट्टी दोनों की तासीर ठंडी होती है। इसके इस्तेमाल से आपको जल्दी राहत मिल सकती है।

त्वचा में चमक बढ़ाए: इस फेस मास्क को इस्तेमाल करने से त्वचा में चमक भी आएगी। यह स्किन को हाइड्रेट करेगा। साथ ही, इसके इस्तेमाल से प्राकृतिक निखार बना रहेगा।

सॉफ्ट और स्मूद बनाए: इस फेस मास्क को इस्तेमाल करने से आपकी स्किन सॉफ्ट और स्मूद हो जाएगी।

एक्सप्रेस विशेष

कैसे नरेन्द्र मोदी ने जीता देश की जनता का अभूतपूर्व विश्वास?

आर.के. सिन्हा

मोदी सरकार ने संविधान की अनुच्छेद 370 को हटाकर सारे देश का सम्मान पाया है। यह एक इस तरह का कानून था जिसने कश्मीर के 1.5 करोड़ से अधिक लोगों को उनके अधिकारों से वंचित कर दिया था। 2004 के बीच, 40 हजार से अधिक आतंकवादी घटनाएं हुईं।

देश में तीसरी बार नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए की ही सरकार बनने जा रही है। एग्जिट पोल के अनुमानों से साफ है कि नरेन्द्र मोदी आज देश के एकछत्र नेता बन चुके हैं। अब बड़ा सवाल यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जनता का इतना अभूतपूर्व विश्वास कैसे मिलने लगा है? अगर आप इस सवाल का उत्तर तलाशेंगें तो आपको पता चलेगा कि एक वे अपने वादों को सही ढंग से समय सीमा के अन्दर ही पूरा करते हैं। मोदी की गारंटी विभिन्न क्षेत्रों, नागरिकों और योजनाओं में किए गए वादों की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर करती है। मोदी की गारंटी का अर्थ ही है लोगों के कल्याण के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता। मोदी की गारंटी का अर्थ है विकसित भारत, एक श्रेष्ठ भारत। यह युवाओं के विकास, महिलाओं के सशक्तिकरण, किसानों के कल्याण और दशकों से उपेक्षित सभी हाशिए पर रहने वालों और कमजोर वर्गों के लिए एक गारंटी है। सबसे बुनियादी जरूरतों से शुरुआत करते हुए, मोदी सरकार द्वारा आज सबसे गरीब लोगों को प्रमुख सरकारी कल्याणकारी कार्यक्रमों से लैस किया गया है। मोदी सरकार द्वारा प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के माध्यम से 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज प्रदान करते हुए, 25 करोड़ लोगों को बहुआयामी गरीबी रेखा से बाहर निकाला गया है। इस गारंटी से यह

भारत अब विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जो 2014 से 2023 तक एफडीआई में रिकॉर्ड 596 बिलियन डॉलर आकर्षित कर रहा है। प्रति माह औसतन 1.72 लाख करोड़ रुपये के वस्तु एवं सेवा कर राजस्व, और एमएसएमई क्षेत्र का विकास, जिसमें 15 करोड़ से अधिक लोग कार्यरत हैं, भारत के आर्थिक पुनरुत्थान को उजागर करता है।

सुनिश्चित होता है कि भारत वर्ष में कोई भी भूखा न सोए। प्रत्येक व्यक्ति को एक छत प्रदान करने के उद्देश्य से, मोदी सरकार शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लाखों लोगों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से सभी के लिए आवास की गारंटी देती है। आज, इस योजना के तहत चार करोड़ से अधिक घरों को मंजूरी दी गई है। गांवों का 100 प्रतिशत विद्युतीकरण भी इस वादे का हिस्सा है। आज जल जीवन मिशन के तहत 14 करोड़ से अधिक ग्रामीण परिवारों तक पानी पहुंच रहा है, जो भारत के सभी ग्रामीण परिवारों को सुरक्षित और पीने योग्य नल के पानी के कनेक्शन की गारंटी देता है। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जेएवाई) है, जो सरकार द्वारा वित्त पोषित दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना है, जो लगभग 12 करोड़ कमजोर परिवारों से संबंधित लगभग 55 करोड़ व्यक्तियों को कवर करती है। योजना एक सुरक्षा जाल के रूप में काम करती है और यह सुनिश्चित करती है कि चिकित्सा आपात स्थिति गरीबों और कमजोर वर्गों के लिए कर्ज के चक्र में न बदल जाए। प्रधानमंत्री मोदी खुद इस योजना के क्रियान्वयन पर नजर रखते हैं। इसलिए गरीबों को लाभ हो रहा है, वे उनसे जुड़ रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी की किसानों के कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता कृषि बजट में उल्लेखनीय वृद्धि से स्पष्ट है, जो 2024-25 में 1.27 लाख करोड़ रुपये तक पहुँच गया है, जो 2014-15 के बाद से उल्लेखनीय 300 प्रतिशत की वृद्धि है। पीएम-किसान योजना से 11 करोड़ से अधिक किसानों को सीधा लाभ हुआ है, जिन्हें सहायता के रूप में 2.6 लाख करोड़ रुपये दिए गए हैं। सरकार किसानों को उद्यमी बनने में भी सक्रिय रूप से समर्थन कर रही है क्योंकि 7,000 जीवंत कृषि और संबद्ध स्टार्टअप भी शुरू हो चुके हैं। अभी तक मिलने वाली खबरों के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी के नाम पर भाजपा और उसके सहयोगी दलों को देश की महिलाओं ने भरपूर वोट दिए। मोदी सरकार औरतों को पूरे लगन और संकल्प पूर्वक स्वावलंबी बना रही है। सरकार की जन धन योजना जैसी पहल से 28 करोड़ महिलाओं को पहली बार बैंक खाते तक पहुंच प्राप्त हुई है, जबकि लगभग 31 करोड़ मुद्रा ऋण महिलाओं को दिए गए हैं। तीन तलाक के उन्मूलन ने मुस्लिम महिलाओं के लिए एक नए युग की शुरुआत की है। इसके अलावा, पीएम उज्ज्वला योजना जैसी पहलों की सफलता, दस करोड़ एलपीजी कनेक्शन प्रदान करके, महिलाओं को सशक्त बनाया है, जो सरकार की महिलाओं के अधिकारों और कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। ग्रामीण स्वच्छता, मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन, 11 करोड़ से ज्यादा शौचालय और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जैसी पहलों पर ध्यान केंद्रित करके एक अधिक समावेशी और लिंग संवेदनशील समाज बनाने में योगदान किया है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं के सशक्तिकरण में एक बड़ी छलांग है। भारत के युवाओं की क्षमता को पहचानते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने विभिन्न योजनाओं के माध्यम से उनके सशक्तिकरण की गारंटी दी है। जैसे ही भारत विश्व स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में उभर रहा है, 1 लाख से अधिक स्टार्टअप के साथ, पीएम मुद्रा योजना ने 8 करोड़ पहली बार युवा उद्यमियों को ऋण प्रदान की है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की आर्थिक यात्रा उल्लेखनीय रही है।

खीरी लोकसभा सीट पर समाजवादी पार्टी का कब्जा भाजपा के अजय मिश्रा टेनी की हुई हार

* मोदी सरकार के केंद्रीय गृहमंत्री अजय मिश्रा टेनी की हार, समाजवादी पार्टी के उत्कर्ष वर्मा की जीत दो बार के सांसद जीत की हैट्रिक लगाने में हुए

* 2024: खीरी लोकसभा सीट से सपा प्रत्याशी उत्कर्ष वर्मा ने जीत दर्ज की है खीरी से दो बार के सांसद रहे भाजपा प्रत्याशी अजय मिश्र टेनी पर किसानों की नाराजगी भारी पड़ी है। इस बार उन्हें हार का सामना करना पड़ा

जन एक्सप्रेस । सुनहरा

लखीमपुर खीरी। 2024 खीरी लोकसभा 28 से सपा प्रत्याशी उत्कर्ष वर्मा ने जीत दर्ज की है। उन्होंने बीजेपी प्रत्याशी अजय मिश्रा टेनी को हरा दिया है। सपा के उत्कर्ष वर्मा ने करीब 33 हजार से अधिक वोटों से जीत दर्ज की है। लखीमपुर खीरी सीट की काउंटिंग कृषि उत्पादन मंडी परिसर राजापुर में हुई। इसके लिए सुरक्षा के चाक चौबंद किए गए थे। श्री लेयर सुरक्षा के इंतजाम किए गए। लखीमपुर खीरी सीट पर 13 मई को चुनाव हुआ। चुनाव के दौरान बीजेपी, सपा और बसपा ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी। इस सीट पर बीजेपी की तरफ से जीत सुनिश्चित करने के लिए अपने स्टार प्रचारकों को चुनाव प्रचार में उतार दिए गए थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लेकर गृहमंत्री अमित शाह ने भी बीजेपी प्रत्याशी अजय मिश्रा टेनी के लिए वोट मागे थे, लेकिन जनता ने सपा पर भरोसा जताया है और सपा प्रत्याशी के सिर पर जीत का ताज पहनाया है।

इतने हजार वोटों से दर्ज की जीत

लखीमपुर खीरी। लोकसभा सीट पर प्रत्याशियों की बात करें तो सपा के प्रत्याशी उत्कर्ष वर्मा को 555019 वोट मिले तो वहीं बीजेपी प्रत्याशी अजय मिश्रा टेनी को 521658 वोट मिले। बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी की बात करें तो अंशय कालरा 110096 वोटों के साथ तीसरे नंबर पर हैं। इस तरह से लोकसभा चुनाव 2024 में लखीमपुर खीरी सीट से सपा प्रत्याशी उत्कर्ष वर्मा ने 33361 हजार वोटों से जीत दर्ज की है।

लोकसभा चुनाव 2019 का परिणाम

बता दें कि 2019 लोकसभा चुनाव में खीरी सीट से बीजेपी प्रत्याशी अजय मिश्र टेनी ने जीत हासिल करते हुए 6,09,589 वोट अर्जित किए थे। सपा प्रत्याशी डॉ पूर्वी वर्मा 3,90,782 वोटों के साथ दूसरे नंबर पर रहे और कांग्रेस के जफर अली नकवी 92,155 वोट पाकर तीसरे स्थान पर थे। वहीं सीपीई प्रत्याशी विपनेश शुक्ला 11,857 वोटों के साथ चौथे स्थान पर रहे। खीरी लोकसभा सीट पर 64 फीसदी से ज्यादा मतदान हुआ था।

धौरहरा से सपा के आनंद भदौरिया जीते

* बीजेपी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और प्रत्याशी रेखा वर्मा चुनाव हारीं

एक नजर वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव पर

धौरहरा रेखा वर्मा भारतीय जनता पार्टी 508358 बहुजन समाज पार्टी अरशद इलियास सिद्दीकी 350 056 कांग्रेस प्रत्याशी कुंवर जितिन प्रसाद 160000686 मत पाकर तीसरे स्थान पर रहे थे।

जन एक्सप्रेस । लखीमपुर खीरी

इंडिया गठबंधन प्रत्याशी आनंद भदौरिया, बीजेपी प्रत्याशी रेखा वर्मा, बीएसपी प्रत्याशी श्याम किशोर धौरहरा सीट से लोकसभा प्रत्याशी के चुनाव रूप में अपनी किस्मत आजमा रहे थे यहां से सपा के आनंद भदौरिया ने बीजेपी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और प्रत्याशी रेखा वर्मा को हरा दिया है। सपा यहां से लगातार बढ़त बनाए हुए थी। प्रशासन ने जिले में काउंटिंग के लिए श्री लेयर सुरक्षा व्यवस्था की थी। मतगणना, सीसीटीवी की निगरानी में हुई। मतगणना कार्य के लिए चार सदस्य टीम लगाई गई।

जिसमें एक-एक माइक्रो आब्जर्वर, गणना सुपरवाइजर, गणना सहायक और चतुर्थ श्रेणी के कार्मिक होंगे।

प्रत्येक विधानसभा में गणना कार्य 14 टेबल लगाई गई।

रिजर्व में तीन-तीन टीमों को रखा गया है। इस पूरे मतगणना कार्य के लिए 304 गणना कार्मिक लगाए गए हैं।

जबकि पोस्टल मतपत्रों की गणना हेतु धौरहरा संसदीय क्षेत्र की 06 टेबल पर होगी।

इस कार्य के लिए 03-03 रिजर्व 06 सहित 22 गणना टीमें गठित की गईं हैं।

साथी हिट वे और एल की चपेट से मतगणना कर्मियों को बचाने के लिए प्रत्येक पंडाल में बड़े-बड़े कलर लगवाए गए हैं

साथ ही पानी की बेहतर व्यवस्था की गई है और जिलाधिकारी ने बताया कि सभी कार्मिक सर पर गमछा बंद कर आए और पैक भजन फास्ट फूड आदि का प्रयोग ना करें अधिक से अधिक पानी का सेवन करें साथ ही मेडिकल टीम का कैंप भी मत करना के दौरान रेड अलर्ट पर रहेगा।

बुखार पीड़ितों की होगी जांच, पढ़ाया जाएगा जागरूकता का पाठ

जन एक्सप्रेस । लखीमपुर खीरी

मलेरिया की रोकथाम को एक से 30 जून तक मलेरिया रोधी अभियान चलाया जा रहा है।आमजन को मलेरिया से बचाव का पाठ पढ़ाया जाएगा। बुखार पीड़ितों और गर्भवती की मलेरिया जांच कराई जाएगी।

जिले में 100 से ज्यादा ऐसे स्थान हैं, जहां मलेरिया के मरीज अधिक निकलते हैं। पिछले वर्ष जिले के 140 से ज्यादा गांव और मोहल्लों में डेंगू और मलेरिया के मरीज अधिक मिले थे। इन स्थानों का हॉटस्पॉट भी घोषित किया गया था। इनमें लखीमपुर, फरधान और बेहजम में सबसे अधिक स्थान हॉट स्पॉट घोषित किए गए थे। एक से 30 अप्रैल तक चले संचारी रोग नियंत्रण और 10 से 30 अप्रैल तक दस्तक अभियान में भी 100 से अधिक मलेरिया के संदिग्ध मरीज चिह्नित किए गए थे।अपर निदेशक मलेरिया के निर्देश पर सीएमओ ने सभी चिकित्सा अधीक्षक और प्रभारी चिकित्साधिकारियों को पत्र जारी किया है।मलेरिया से बचाव के उपायों का प्रचार-प्रसार करने और बुखार पीड़ितों की मलेरिया जांच कराने को कहा है। एएनसी जांच को आने वाली गर्भवती महिलाओं की मलेरिया जांच कराई जाएगी। मरीज को स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचाएं आशा कार्यकर्ता और एएनएम ग्राम स्तर पर मलेरिया रोग की पहचान और मरीज को स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचाने की जिम्मेदारी आशा कार्यकर्ता और एएनएम संभालेंगी।

ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण समिति की ओर से कराए जा रहे दवा छिड़काव की सतत निगरानी को भी कहा गया है।

सपा समर्थक जीत के जश्न में हुए बेकाबू, जवानों पर बोतलें और चप्पलें फेंकीं

* गुस्साए समर्थकों ने सुरक्षाकर्मियों पर पानी की बोतलें और चप्पलें फेंकनी शुरू की

जन एक्सप्रेस । लखीमपुर खीरी

जीत के जश्न में बेकाबू कार्यकर्ता ने खोया अपना आपा बताते चलें खीरी और धौरहरा सीट पर सपा प्रत्याशियों के जीतने की घोषणा होने के बाद मंडी गेट पर हजारों समर्थकों की भीड़ जुट गई। इस दौरान हालात बेकाबू हो गए। धौरहरा सीट से सपा के आनंद भदौरिया के जीत की अधिकारिक घोषणा की गई तो समर्थकों ने जश्न मनाना शुरू कर दिया। समर्थक अपने प्रत्याशी से मिलने के लिए मतगणना स्थल पहुंचे।

समर्थकों की अधिक भीड़ देख सुरक्षाकर्मियों ने रोकने की कोशिश की, जिससे समर्थक भड़क गए।

गुस्साए समर्थकों ने सुरक्षाकर्मियों पर पानी की बोतलें और चप्पलें फेंकनी शुरू कर दीं।

पुलिस कर्मियों के अलावा एसएसबी जवानों ने किसी तरह समर्थकों को खदेड़ कर मंडी का मेन गेट बंद कर दिया।

हालांकि काफी देर तक समर्थक मंडी गेट के बाहर हंगामा काटते रहे।

जवाबी कव्वाली का श्रोताओं ने उठाया आनंद

जन एक्सप्रेस । हरदोई

बावन। कस्बा में हजरत मखदूम जहानियां जहांन गस्त रहमतुल्लाह अलैह का सालाना उर्स मुबारक अकीदत के साथ मनाया गया। उर्स के दौरान मिलाद शरीफ का आयोजन हुआ। जायरीनों ने मजार-ए-अकदस पर चादर और गुलपोशी कर दुआ-ए-खैर मांगी। फातिहा के बाद तबर्रुक और लंगर को तकसीम किया गया। सालाना उर्स कव्वाली महफिल-ए-शमां का प्रोग्राम हुआ। इसमें नामचीन कव्वाल नियाज अली फराज अली और लेडीज कव्वाला सूफिया चिस्ती ने अपनी कव्वाली से समा बांधा। जायरीनों ने कव्वाली भरपूर लुत्फ उठाया। कमेटी अंजुमन यादगार ए हुसैन के कार्यकर्ता इरशाद खान, मेराज खान, जीशान खान ने बताया कि हर साल होने वाले बाबा के उर्स मुबारक के मौके पर क्षेत्र ही नहीं बल्कि आसपास के जिलों के जायरीनों की भीड़ लगती है। मेला भी लगता है इसमें बड़ी दूर दराज से दुकानदार आते हैं। अलग-अलग तरह के झूले लगते हैं।

फास्ट फॉरवर्ड

चुनाव ड्यूटी में जा रहे चौकी प्रभारी की कार खाई में गिरी घायल

जन एक्सप्रेस । गोला गोकर्णनाथ खीरी। संसारपुर चौकी प्रभारी की कार सड़क के किनारे खाई में पलटी,संसारपुर चौकी प्रभारी मोहित पुंडीर सहित तीन सिपाही घायल, मतगणना ड्यूटी में लखीमपुर जा रहे थे सभी पुलिसकर्मी, गोला अलीगंज मार्ग पर हुई दुर्घटना, चौकी प्रभारी के कन्धे में हुआ फैक्चर, सभी का इलाज कराया गया।

उत्कर्ष की जीत पर जताई खुशी

जन एक्सप्रेस । गोला गोकर्णनाथ खीरी। लोकसभा क्षेत्र से सपा प्रत्याशी उत्कर्ष वर्मा की जीत पर कूर्मि क्षत्रिय समाज कल्याण समिति के दर्जनों लोगों ने पटेल संस्थान पर एकत्र होकर एक दूसरे को मिठाइयां खिलाकर खुशी का इजहार किया है। तथा एक दूसरे को बधाइयां दी हैं। इस मौके पर अध्यक्ष आनन्द वर्मा, मंत्री सुरेश कनौजिया एड, उपाध्यक्ष हरिओम वर्मा व रामनरेश वर्मा, कोषाध्यक्ष पटेल सतीश वर्मा, उपमंत्री पटेल सुशील वर्मा, आडीटर राजीव वर्मा, अभिषेक वर्मा, विजय वर्मा, आदेश वर्मा, अमित वर्मा, विक्रम वर्मा, मुनीश वर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

ज्येष्ठ माह के दूसरे मंगलवार को गोला विधायक ने त्रिलोक गिरि मन्दिर पर किया सुंदरकांड पाठ व भंडारे का आयोजन

जन एक्सप्रेस । गोला गोकर्णनाथ खीरी। ज्येष्ठ माह के दूसरे बड़े मंगलवार के पावन अवसर पर शहर के त्रिलोक गिरि मन्दिर पर गोला विधायक अमन अरविंद गिरि द्वारा सुन्दरकाण्ड पाठ एवं विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया। गोला विधायक अमन अरविंद गिरि ने विधि विधान से पूजा अर्चना कर सुन्दरकाण्ड पाठ का शुभारम्भ कराया।तत्पश्चात विधायक द्वारा आयोजित विशाल भण्डारे में शहर व क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पूड़ी-सब्जी व हलवे का प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ कमाया। इस अवसर पर लाल्हापुर ग्राम प्रधान जर्नादन गिरि, अजय गिरि (सफल्लू), धर्मेन्द्र गिरि (मोंटी), अवधेश मिश्रा, सुरेंद्र शर्मा, रामगुलाम पांडेय, रामेंद्र गिरि, कृष्ण मोहन मिश्रा, संदीप शुक्ला, सचिन सिंह, अजीत पाण्डेय, कपिल भारती, राहुल भारती, रामानन्द गिरि, विनीत पांडेय, प्रवीण गिरि सहित क्षेत्र के प्रधान गण, नगर पालिका के सभासद व भारी संख्या में नगर व क्षेत्रवासियों ने उपस्थित रहकर प्रसाद ग्रहण किया।

शादी के एक दिन पहले मांगा दहेज, बरात से किया इन्कार, मुकदमा दर्ज

जन एक्सप्रेस । लखीमपुर खीरी। फरधान थाना क्षेत्र एक गांव में लड़की की शादी की तय तारीख के एक दिन पहले ससुराल वालों ने दहेज की मांग करते हुए बरात लाने से इन्कार कर दिया। पीड़ित पिता की तहरीर पर पुलिस ने दूल्हा पक्ष के लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को तहरीर देकर पीड़ित ने बताया कि उसने अपनी बेटी की शादी नीमगांव थाना क्षेत्र के गांव कलीजपुर में चार माह पहले तय की थी। गोद भराई लेकर छेदन तक की रस्म पूरी हो चुकी थी। तीन जून 2024 को विवाह होना तय हुआ था। इस बीच लड़के पक्ष ने दहेज की मांग शुरू कर दी। दहेज की भरपाई न होने पर वर पक्ष ने दो जून को बरात लाने से मना कर दिया।जानकारी होने पर लड़की पक्ष में सन्नाटा छा गया। शादी की सभी तैयारियां हो चुकी थीं। सोमवार को बरात न आने से लड़की पक्ष वालों को गहरा सदमा लगा है। पीड़ित पक्ष ने पुलिस को तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है। थाना अध्यक्ष कौशल किशोर ने बताया शिकायत मिली है। पीड़ित को हर संभव न्याय दिलाया जाएगा। पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।

खातों में पैसा भरपूर, फिर भी 20 पंचायतें विकास से दूर

जन एक्सप्रेस । हरदोई। विकास खंड टोडरपुर और पिहानी की ही भांति सांडी की करीब 20 ग्राम पंचायतों के जिम्मेदारों को गांवों के विकास की चिंता नहीं है। खातों में राशि होने के बाद इन पंचायतों के जिम्मेदार न तो गांवों में विकास करा रहे हैं और न ही राशि को खर्च कर पा रहे हैं। विकास खंड सांडी में भी राज्य वित्त आयोग और केंद्रीय वित्त आयोग की मद में ग्राम पंचायतों को मिली राशि राशि में आठ ग्राम पंचायतों में खातों के खुलने के बैलेंस और अब तक बैलेंस में कोई अंतर नहीं आया है। इन आठ ग्राम पंचायतों ने खातों से मानदेय का भी भुगतान नहीं किया है जबकि, अन्य ग्राम पंचायतों में नाममात्र के लिए ही भुगतान हुआ है। ऐसे में इन पंचायतों के साथ ही इनसे जुड़े अन्य गांवों के लोगों को भी निर्माण कार्यों की सुविधा और सहूलियत नहीं मिल पा रही है। बताया गया कि पंचायतीराज विभाग के ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर ग्राम पंचायतों की ओर से खर्च और कराए।

35 सालों के बाद कांग्रेस ने जिले में लहराया अपना परचम, कांग्रेस प्रत्याशी राकेश राठौर की हुई ऐतिहासिक जीत

जन एक्सप्रेस । सीतापुर

करीब 35 सालों के बाद जिले में कांग्रेस ने अपना परचम लहराया। सीतापुर लोकसभा प्रत्याशी राकेश राठौर ने सीतापुर लोकसभा सीट से ऐतिहासिक जीत हासिल करते हुए भाजपा के राजेश वर्मा को लगभग 1 लाख वोटों से हराया। शुरुआत से ही राकेश राठौर बढ़त बनाये रहे। ऐसा कोई वोटो का राउंड नही आया जिसमे भाजपा प्रत्याशी को आगे निकलने का मौका मिला हो। वही सीतापुर जिले की महोली धौरहरा से सपा प्रत्याशी आनंद भदौरिया ने भाजपा प्रत्याशी रेखा वर्मा को करीब 7800 वोटों से हरा दिया। अंत में भाजपा की रेखा वर्मा पुनः कॉउंटिंग कराने के लिए अड़ी रही। दूसरी ओर मिश्रिख लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी अशोक रावत अपनी जीत दर्ज करने में सफल रहे। उन्होंने सपा की संगीता राजवंशी को भारी मतों से हराया। सीतापुर जिले की सभी सीटों पर शुरू से ही गठबंधन व कांग्रेस प्रत्याशी बढ़त बनाये रहे। भाजपा खेमे में सुबह से ही मायूसी का माहोल बना रहा है। जिले में भाजपा को करारी हार का सामना करना पड़ा। कुछ लोग भाजपा की करारी हार का श्रेय जिले में पार्टी अंतर्कलह को बता रहे हैं तो कोई जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला पर हार का छीकरा फोड़ रहे हैं। जिले के हरगांव में स्वयं देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आकर जनसभा की थी परंतु फिर भी जिले में भाजपा को करारी हार का सामना करना पड़ा। खुद प्रधानमंत्री भी जनता के दिलो पर अपना जादू चलाने में नाकामयाब रहे। बताते चले कि हारे हुए भाजपा प्रत्याशी राजेश वर्मा कई बार लगातार सांसद रहे हैं। सूत्रों की माने तो खुद भाजपा पार्टी में ही उनका विरोध हो रहा था। साथ ही सीतापुर की जनता का भी कहना था कि राजेश वर्मा सांसद ने जिले के लिए कुछ नही किया। सिर्फ अपने अहम में रहे कि मुझे कोई नही हरा सकता। यहाँ तक कि लोगो मे यह भी नाराजगी रही कि पूर्व सांसद राजेश वर्मा ने सिर्फ ऊंचे और पैसे वाले लोगो को ही तवज्जो दी। जनता का कहना है कि यही उनकी हार का कारण बना।

एक माह में रेलवे की आय 10 लाख बढ़ी

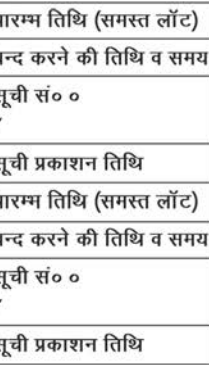

जन एक्सप्रेस । हरदोई। स्थानीय रेलवे स्टेशन से यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या में इजाफा होने से रेलवे की आय में 10 लाख रुपये की बढ़ोतरी हुई। आरक्षित सीटों से रेलवे का एक माह में 65 लाख रुपये की आमदनी हुई। स्थानीय स्टेशन से प्रतिदिन 33 जोड़ी ट्रेनें गुजरती है। यहां से यात्री आरक्षित व अनारक्षित टिकटों पर यात्रा करते हैं। स्थानीय स्टेशन से यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या में ग्रीष्मावकाश होने के कारण बढ़ोतरी हुई है। स्थानीय स्टेशन से अप्रैल में 14,430 यात्रियों ने आरक्षित टिकटों पर यात्रा की थी। इससे विभाग को 56 लाख 360 हजार रुपये की आमदनी हुई थी। जो मई में बढ़कर 65 लाख 58 हजार रुपये पहुंच गई। मई में 17,140 यात्रियों ने आरक्षित श्रेणी की टिकट से यात्रा की। एक माह में रेलवे की आया में दस लाख रुपये का इजाफा हुआ है।

जल संग्रहण, संरक्षण के साथ झील में कर सकेंगे बोटिंग

जन एक्सप्रेस । हरदोई

बारिश की एक-एक बूंद को सहेजने के साथ ही गांवों में गदे पानी को प्राकृतिक रूप से साफ-सुथरा करते हुए संरक्षित और संग्रहीत किए जाने के उद्देश्य से गांवों के तालाबों का पुनरुद्धार कराया जा रहा है। लेकमैन आनंद मिल्लिगावड की कार्ययोजना पर विकास खंड बावन के सधई बेहटा में करीब 50 बीघा से अधिक भू-भाग वाले आपस में जुड़े दो तालाबों को झील के रूम में विकसित कराया जा रहा है।

उत्तर रेलवे
आज़ादी का अमृत महोत्सव
ई–ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–ऑक्शन से सम्बंधित सूचना।

एडमिन यूनिट जोन /	लखनऊ–उ०रे० ०रे०उ / वाणिज्य–मण्डल–
नीलामी सूची सं० ० लॉट सं /	19402-SLR-F2-LKO-ADI-22-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	04.06.2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	20.06.2024 at 12:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	20.06.2024 at 12:30 hrs.
नीलामी सूची सं० ० लॉट सं /	12231-SLR-F2-LKO-CDG-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	04.06.2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	20.06.2024 at 12:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	20.06.2024 at 12:40 hrs.
नीलामी सूची सं० ० लॉट सं /	12419-SLR-F2-LKO-NDLS-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	04.06.2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	20.06.2024 at 12:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	20.06.2024 at 12:50 hrs.
नीलामी सूची सं० ० लॉट सं /	14207-SLR-F2-PBH-DLI-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	04.06.2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	20.06.2024 at 12:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	20.06.2024 at 13:00 hrs.
नीलामी सूची सं० ० लॉट सं /	14229-SLR-R1-PYGS-YNRK-22-2 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	04.06.2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	20.06.2024 at 12:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	20.06.2024 at 13:10 hrs.
नीलामी सूची सं० ० लॉट सं /	14217-SLR-R1-PYGS-CDG-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	04.06.2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	20.06.2024 at 12:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	20.06.2024 at 13:20 hrs.
नीलामी सूची सं० ० लॉट सं /	22122-SLR-F2-LKO-LTT-24-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	04.06.2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	20.06.2024 at 12:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	20.06.2024 at 13:30 hrs.
नीलामी सूची सं० ० लॉट सं /	14260-SLR-F2-LKO-GAYA-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	04.06.2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	20.06.2024 at 12:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	20.06.2024 at 13:40 hrs.
Website particulars where complete details of auction can be seen by registered bidders	E- Auction Module of www.ireps.gov.in

No.: C/SLR Leasing contract-2019/KS Date:- 04.06.2024 1661/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

भाजपा प्रत्याशी आनंद गोंड ने सपा प्रत्याशी रमेश गौतम को 64121 मतों से हराया

जन एक्सप्रेस । बहराइच

बहराइच के नवीन गल्ला मंडी में संपन्न हुई मतगणना में भाजपा ने बहराइच लोकसभा सीट पर जीत की हैट्रिक लगाई। भाजपा प्रत्याशी डॉ आनंद कुमार गोंड ने गठबंधन समर्थित सपा प्रत्याशी रमेश गौतम को 64121 मतों से शिकस्त दी। हालांकि शुरुआती चरणों में दोनो प्रत्याशियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला और पहले चरण में सपा ने 1867 मतों की बढ़त बनाई। भाजपा प्रत्याशी की जीत की सूचना मिलने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने जमकर गोले-पटाखें दागे और एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की बधाई दी।

बहराइच लोकसभा सीट के लिए बीते 13 मई को संपन्न हुए मतदान के बाद 10 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला ईवीएम में कैद हो गया था। जो मंगलवार की सुबह खुला। भारी उत्सुकता के बीच शुरु हुई मतगणना के पहले चरण में सपा प्रत्याशी रमेश गौतम ने 1867 मतों की बढ़त बनाई तो सपाईयों में खुशी की लहर दौड़ गई। लेकिन इसके बाद भाजपा प्रत्याशी आनंद गोंड ने तगड़ा पलटवार किया और दूसरे राउंड में सपा प्रत्याशी से 9484 मत अधिक हासिल किए।

इसके बाद आनंद गोंड लगातार तीसरे, चौथे व पांचवे चरण में सपा प्रत्याशी को मात दी। पांचवे राउंड तक भाजपा प्रत्याशी ने 18,011 मतों की बड़ी बढ़त ले ली। हालांकि इसके बाद सपा प्रत्याशी रमेश गौतम ने भी पलटवार किया और लगातार छठवां, सातवां, आठवां, नौवां और दसवा राउंड जीता। लेकिन जीत का आंकड़ा कम होने से वह भाजपा प्रत्याशी को पछाड़ न सके। दसवें राउंड के बाद भाजपा की बढ़त घट कर 10422 रह गई। ग्यारहवें राउंड में भाजपा प्रत्याशी ने फिर से जीत दर्ज की।

इसके बाद एक बार फिर सपा का जादू चला और सपा प्रत्याशी रमेश गौतम ने लगातार 12 वां, 13 वां व 14 वां राउंड अपने नाम किया। यही नहीं भाजपा प्रत्याशी को पछाड़ते हुए 3438 मतों की लीड ले ली। जिससे एक बार फिर सपाईयों में खुशी की लहर दौड़ गई लेकिन अगले ही राउंड में भाजपा ने एक बार फिर पलटवार किया और 15 वां राउंड 2848 मतों से जीत कर सपा की बढ़त को कम किया। वहीं 16 वें राउंड में बार फिर 5275 मतों से जीत दर्ज कर सपा प्रत्याशी को फिर पीछे छोड़ दिया।

भाजपाइयों ने फोड़े खुशी के पटाखे, बांटी मिठाइयां

जन एक्सप्रेस। देवरिया

देवरिया लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी शशांक मणि की जीत पर केंद्रीय चुनाव कार्यालय पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने जीत की खुशी मनाई और पटाखे जलाकर जीत का जश्न मनाया। दोपहर बाद से ही पुरवा स्थित भाजपा केंद्रीय चुनाव कार्यालय पर कार्यकर्ताओं का तांता लगा रहा सभी जीत का अंतर जानने के लिए उत्सुक रहे शाम को जब रिजल्ट आया तो सभी ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी और पटाखे जलाकर जीत की खुशी का इजहार किया। कार्यकर्ताओं ने शशांक मणि को फूल मालाओं से लाद दिया तथा जय श्री राम के नारे से पूरा कार्यालय परिसर गूंज उठा। जिलाध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह और शशांक मणि ने कार्यकर्ताओं के जोश को देखकर हाथ जोड़कर अभिनंदन किया और सभी के प्रति आभार जताया । इस अवसर पर निवर्तमान सांसद डाक्टर रमापति राम त्रिपाठी, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, सदर विधायक डाक्टर शलभ मणि त्रिपाठी, एमएलसी डाक्टर रतनपाल सिंह, देवेंद्र प्रताप सिंह, सुरेंद्र चौरसिया, गिरीश चंद तिवारी, जिला उपाध्यक्ष राजेश मिश्रा, प्रमोद शाही, प्रभाकर तिवारी, आनंद शाही, मनीष सहाय, निर्मला गौतम, सुधीर श्रीवास्तव, अरविंद पांडे, दुर्गेश नाथ त्रिपाठी, रमेश वर्मा, नागेशपति तिवारी सहित हजारों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

देवरिया के जनता की जीत है

भाजपा प्रत्याशी शशांक मणि ने देवरिया लोकसभा सीट पर महत्वपूर्ण जीत दर्ज करते हुए कांग्रेस प्रत्याशी अखिलेश प्रताप सिंह को लगभग 36,000 वोटों से पराजित किया। यह जीत भाजपा के लिए एक बड़ी सफलता मानी जा रही है और इससे पार्टी की क्षेत्र में पकड़ और मजबूत हुई है।

शशांक मणि ने अपने चुनाव अभियान के दौरान स्थानीय मुद्दों पर विशेष ध्यान दिया और जनता के बीच अपनी नीतियों और विकास योजनाओं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। उनकी लोकप्रियता और जमीनी स्तर पर काम करने की शैली ने उन्हें मतदाताओं के बीच एक मजबूत समर्थन दिलाया। कांग्रेस प्रत्याशी अखिलेश प्रताप सिंह, जो गठबंधन के उम्मीदवार थे, ने भी जोरदार चुनाव प्रचार किया और क्षेत्र के विभिन्न मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया। हालांकि, वे शशांक मणि की लोकप्रियता और भाजपा के संगठनात्मक शक्ति के सामने टिक नहीं पाए। चुनाव परिणामों की घोषणा के बाद, शशांक मणि ने अपने समर्थकों और क्षेत्र की जनता को धन्यवाद दिया और विश्वास दिलाया कि वे देवरिया के विकास और प्रगति के लिए निरंतर कार्य करेंगे। उन्होंने कहा, **यह जीत केवल मेरी नहीं है, बल्कि देवरिया की जनता की जीत है। मैं सभी का आभार व्यक्त करता हूं और वादा करता हूं कि आपके विश्वास पर खरा उतरने के लिए पूरी मेहनत करूंगा।**

देवरिया की जनता ने एक बार फिर से भाजपा पर अपना विश्वास जताया है, जिससे स्पष्ट होता है कि भाजपा की नीतियाँ और शशांक मणि का जनसमर्थन क्षेत्र में मजबूत है। इस जीत से भाजपा को आगामी चुनावों के लिए भी प्रोत्साहन मिलेगा और वे अपने विकास के एजेंडे को और मजबूती से आगे बढ़ा सकेंगे।

महान जनता को धन्यवाद

सदर विधायक डाक्टर शलभ मणि त्रिपाठी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की देवरिया में शानदार जीत के लिए पार्टी के सभी कार्यकर्ता साथियों एवं देवरिया की महान जनता का बहुत-बहुत धन्यवाद हम सब मिलकर देवरिया की सेवा करेंगे और जो परिणाम देवरिया के हित में आया है हम सब उसको सार्थक करेंगे।

डा. शलभ मणि त्रिपाठी
विधायक, देवरिया सदर

जनता के स्नेह का परिणाम भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने कहा कि यह जीत पार्टी कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम और देवरिया की जनता के अपार स्नेह का परिणाम है, मैं सभी का हृदय की गहराइयों से धन्यवाद ज्ञापित करता हूं।

भूपेंद्र सिंह
जिलाध्यक्ष, भाजपा

युवक की मौत के मामले में तीन पर केस

जन एक्सप्रेस/गोरखपुर। शहर के रेलवे स्टेशन के पास सड़क निर्माण कार्य के दौरान मिक्सर मशीन की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। पुलिस इस मामले में ठेकेदार समेत तीन पर केस दर्ज किया है।

पश्चिमी चंपारण जिले के पैकवलिया गांव निवासी महमूद ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर बताया कि रविवार की शाम करीब पांच बजे चचेरा भाई 30 वर्षीय अलीअकबर उम्र 30 वर्ष पडरौना रेलवे स्टेशन के रास्ते से वह जा रहे थे। वहां रेलवे का काम चल रहा था तभी चालक अनिल मीक्सर मशीन से कुचल दिया। इससे उसकी मौत हो गई। पुलिस इस मामले में चालक अनिल, ठेकेदार वरूण, इंजीनियर आशीष पर लापरवाही पूर्वक वाहन चलाने समेत कई गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। कोतवाल सुशील शुक्ला ने बताया कि केस दर्ज कर लिया गया है।

बृहस्पतिवार को रखा जाएगा वट सावित्री व्रत

जन एक्सप्रेस। गोरखपुर

हर वर्ष ज्येष्ठ मास की अमावस्या तिथि के दिन सावित्री व्रत किया जाता है, पति की दीर्घायु के लिए सुहागिन महिलाएं बृहस्पतिवार को वट सावित्री का व्रत रखेंगी। इस व्रत में वट वृक्ष की परिक्रमा की जाती है और उसमें 7 बार कच्चा सूत बांधा जाता है। मान्यता है कि वट सावित्री व्रत रखने से पति दीर्घायु होता है और परिवार में सुख शांति आती है। पुराणों के अनुसार वट वृक्ष में ब्रह्मा, विष्णु व महेश तीनों का वास है। गुरु श्री गोरखनाथ मंदिर के आचार्य आकाश तिवारी ने बताया ज्येष्ठ मास की अमावस्या तिथि को सावित्री ने यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राणों की रक्षा की थी। हिंदू धर्म में वट सावित्री अमावस्या सौभाग्यवती स्त्रियों का महत्वपूर्ण पर्व है। वट सावित्री पूजा के दिन पूजा करते समय भूल कर भी वट वृक्ष की टहनी या पत्ते नहीं तोड़ना चाहिए। अगर ऐसा करती हैं तो सभी तरह के पुण्य नष्ट हो जाएंगे और शुभ फल की प्राप्ति नहीं होगी। वही वट सावित्री पूजा के दिन सुहागिन महिलाओ को काले और सफेद रंग की चूड़ी, बिंदी या श्रृंगार की किसी सामग्री में ऐसे रंगों का प्रयोग नहीं करना चाहिए। वट सावित्री पूजा के बाद गरीब और असहाय को दान करना चाहिए।

लोकसभा 65 कुशीनगर में भाजपा के विजय को दूसरी बार जनता ने दिया विजयश्री का आशीर्वाद

जन एक्सप्रेस। कुशीनगर

लोकसभा 65 कुशीनगर से भाजपा प्रत्याशी विजय कुमार दूबे ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी गंठबंधन के प्रत्याशी अजय प्रताप सिंह ऊर्फ पिन्टू सिंह को पराजित कर दुसरी बार हैट्रिक लगाने में सफलता प्राप्त किया है। जबकि बहुजन समाज पार्टी व राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी के प्रत्याशी स्वामी प्रसाद मौर्या को कुशीनगर के मतदाताओं ने नकार दिया है। 29 वें राउण्ड की फाईल मतगणना में कुशीनगर से भाजपा उम्मीदवार विजय कुमार दूबे को कुल 515702 मत प्राप्त हुए। जबकि निकटतम प्रतिद्वंद्वी गंठबंधन के प्रत्याशी अजय प्रताप सिंह ऊर्फ पिन्टू सिंह को कुल 434041 मत मिले। जबकि बसपा के प्रत्याशी शुभ नारायण चौहान को कुल 67136 वोट मिले। राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी के प्रत्याशी स्वामी प्रसाद मौर्या को 36558 मत ही मिले। जबकि अन्य प्रत्याशियों को भी सैकड़ा व 10 हजार के नीचे मत प्राप्त हुए हैं। कुशीनगर लोकसभा में कुल 9 प्रत्याशी चुनाव मैदान में रहे। कुशीनगर के 9767मतदाताओं ने नोटा का प्रयोग किया है। भाजपा प्रत्याशी विजय कुमार दूबे ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी गंठबंधन के सपा से अजय प्रताप सिंह ऊर्फ पिन्टू सिंह को 81661 मतों से पराजित कर कुशीनगर लोकसभा 65 की सीट पर हैट्रिक लगाने में सफलता हासिल किया है। कुशीनगर के मतदाताओं ने श्री दूबे को दूसरी बार विजय को विजयश्री का आशीर्वाद दिया है।

भाजपा-एनडीए की सीट उम्मीद से कम मिलने पर व्यापारी समाज मायूस

जन एक्सप्रेस। कुशीनगर

लोकसभा चुनाव 2024 का चुनावी परिणाम शनिवार को आने के बाद भाजपा सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पाने वाले पात्रों पर आम जनमानस में तरह तरह के सवाल खड़ा हो रहे हैं। पूरे चुनाव प्रचार में चुनावी जनसभा में भाजपा के नेताओं ने चार सौ पार का नारा देती रही लेकिन इसका असर मतगणना के रूझान में शुरू से अंत तक कहीं नहीं दिखा।

इंडिया गंठबंधन को मिले जनादेश से भाजपा के मतदाताओं में निराशा देखने को मिल रहा है। भाजपा के मतदाता और कार्यकर्ताओं में एनडीए को मिले जनादेश को लेकर काफी मायुसी दिख रही है। बाजारों में व्यापारी समाज ने उम्मीद से कम भाजपा को मिले जनादेश से उनके चेहरे पर चिंता की लकिरे स्पष्ट दिख रही है। लोगों का मानना है कि भाजपा की मोदी सरकार ने देश के विकास में शानदार काम तो किया लेकिन मंहगाई, बेरोजगारी जैसे गंभीर मुद्दे पर कहीं न कहीं विफल रही है।

जनता का फैसला सभी दलों ने किया स्वीकार

जन एक्सप्रेस। महाराजगंज

जिले में भाजपा प्रत्याशी ने जीत का परचम लहराया है। चुनाव में भाजपा और बसपा ने अलग-अलग तो सपा, कांग्रेस और आप ने गठबंधन करते हुए कांग्रेस प्रत्याशी को मैदान में उतारा था। परिणाम आने के बाद पार्टी के जिलाध्यक्षों से उनकी प्रतिक्रिया साझा की।

भाजपा के जिलाध्यक्ष संजय पांडेय ने कहा कि यह योगी और मोदी की विकास की जीत है। पार्टी प्रत्याशी ने भी जनता के हित में कार्य किया, जिससे वह लगातार अपनी जीत जारी रखने में सफल रहे। पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने बूथ स्तर तक अपने किए गए कार्यों को पहुंचाया। यह जीत सभी के लिए महत्वपूर्ण है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष शरद कुमार सिंह ने कहा जो चुनाव के परिणाम आए हैं। यह जनता का रिजल्ट है। हम विनम्रता से जनमत को मानते हैं। हमने प्रतिकूल माहौल में चुनाव लड़ा। हमने महंगाई, रोजगार जैसे मुद्दों पर चुनाव लड़ा जिसे जनता ने समर्थन दिया। सपा जिलाध्यक्ष विद्यासागर यादव ने कहा कि जनता का हमें भरपूर समर्थन और आशीर्वाद मिला है। हमने पार्टी के किए गए कार्यों को जनता तक पहुंचाया। जनता ने काफी गंभीरता से हमारी बातों पर विश्वास किया। हम जनता के आदेश को खुले हृदय से स्वीकार करते हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने काफी परिश्रम किया। बसपा के जिलाध्यक्ष नारद राव ने कहा कि जनता ने जिस प्रकार हमारे गठबंधन को स्वीकार करते हुए प्रत्याशी को वोट किया है।

ट्रक की चपेट में आने से मां-बेटे की मौत, एक गंभीर

जन एक्सप्रेस। महाराजगंज

गोरखपुर सोनौली राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंगलवार को दिन में साढ़े चार बजे के करीब अनियंत्रित ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार मां-बेटे की मौत हो गई। वहीं बाइक चालक गंभीर रूप से घायल है। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंच गए। चीख पुकार से कलेजा फट रहा था। सूचना के एक घंटे बाद तक पुलिस मौके पर नहीं पहुंची थी।

गोरखपुर जिले के कैंपियरगंज क्षेत्र के लक्ष्मीपुर निवासी दिलीप यादव (21) अपने साथ प्रियंका (35) व बेटा अंकुश (5) निवासी पिपरा निचलौल को साथ लेकर फरेंदा क्षेत्र में दवा कराने के लिए आया था। दवा कराने के बाद बाइक से वापस घर लौट रहा था। अभी वह कैंपियरगंज जंगल के मरचाहे बाबा की कुटी के पास पहुंचा था कि सामने से आ रही ट्रक की चपेट में आ गए, जिससे तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना को देखकर काफी संख्या में भीड़ लग गई। स्थानीय लोगों ने हादसे की सूचना एंबुलेंस को दी। मौके पर पहुंची एंबुलेंस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनकटी ले गई। चिकित्सकों ने मां-बेटे को मृत घोषित कर दिया। वहीं बाइक चालक दिलीप यादव गंभीर रूप से घायल हैं। उनका इलाज चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंच गए थे। थानाध्यक्ष अंकित सिंह के अनुसार शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। ट्रक पुलिस के कब्जे में है। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंच गए थे। थानाध्यक्ष अंकित सिंह के अनुसार शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। ट्रक पुलिस के कब्जे में है।

भाजपा के शशांक, कमलेश जीते, रविन्द्र कुशवाहा हारे, सपा के रमाशंकर राजभर जीते

जन एक्सप्रेस। देवरिया

उत्तर प्रदेश में जहां मोदी लहर चलने की बात होती रही थी, वहीं जनता ने कई सीटों पर बीजेपी को नकार दिया और परिवर्तन में मन लगा दिया । देश की जनता पूरे प्रदेश में चुनावी प्रक्रिया परिवर्तन की रफ्तार पकड़ी रही। इसी क्रम में जनपद देवरिया लोक सभा सीट से चुनाव लड़ रहे सांसद प्रत्याशी शशांक मणि त्रिपाठी 4 लाख वोटों से जीत की दवा पूरे चुनाव भर ठोकते रहे। परन्तु जनता चुनाव शशांक मणि के दावे को नकारते हुए गठबंधन प्रत्याशी अखिलेश प्रताप सिंह को जिताने पर तूल हुई थी। प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही के जनसंपर्क के दौरान जब भाजपा की नाव डगमगाती हुई दिखी तो वह जनता के बीच अपनी रणनीति का पूरा पावर लगा दिए और अंत में प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही के बल बूते पर मतदान के दिन कही धर्म को लेकर मत पड़े तो महंगाई और बेरोजगारी का मुद्दा छाया रहा। जानकारी के अनुसार पूर्व के लोक सभा चुनाव में सांसद रमापति राम त्रिपाठी ने करीब 2.5 लाख मतों से जीत दर्ज किया था।

उस समय मोदी लहर चल रही थी। परंतु 2024 में जनता परिवर्तन के तरफ इशारा करते हुए अपने मतों का प्रयोग की। जिसका परिणाम हुआ कि राम भरोसे और कृषि मंत्री के मेहनत के बदौलत भाजपा प्रत्याशी शशांक मणि त्रिपाठी ने लगभग 36 हजार वोट से जीत हाशील की है। मणि 50 हजार वोटो तक की सीमा रेखा को भी नही पार कर पाए। परन्तु अंततः तक जीत हासिल कर लिए। वहीं बांसगांव लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी कमलेश पासवान ने भी चौथी बार सांसद बनने का गौरव हासिल किया है तो सलेमपुर लोकसभा क्षेत्र से लगातार दो बार सांसद रहे रविन्द्र कुशवाहा सपा प्रत्याशी रमाशंकर राजभर से चुनाव हार गए।

बताते चलें कि सलेमपुर लोकसभा क्षेत्र में हार का मुख्य कारण ब्राह्मण मतदाताओं की नाराजगी बताई जा रही है, तो वहीं राजपूत मतदाताओं ने भाजपा के प्रत्याशी के विरुद्ध जमकर मतदान किया है और बहुजन समाज पार्टी के कोर वोटर कांग्रेस पार्टी से सपा का गठबंधन होने के कारण सपा प्रत्याशी रमाशंकर राजभर मैदान मारने में सफल रहे।

घरों और दुकानों में टीवी के सामने डटे रहे लोग

जन एक्सप्रेस। महाराजगंज

मतगणना के दौरान घरों और दुकानों में लोग टीवी के सामने डटे रहे। हर कोई चुनाव परिणाम जानने के लिए उत्सुक दिखा। खानपान की दुकानों को छोड़कर अन्य दुकानों पर भीड़ नहीं के बराबर दिखी।

मतगणना को लेकर जिले की हर विधानसभाओं में लोग तय समय पर आठ बजे के बाद से ही टीवी से चिपके रहे। पल-पल के अपडेट के लिए टीवी छोड़ने की जगह चाय पीने अथवा भोजन करने का कार्य भी टीवी देखते हुए ही पूर्ण की। टीवी देखने के चक्कर में कुछ लोगों ने तो नहाने में भी लेट लतीफी की। अधिकतर पुरुष अपने मित्रों के साथ उनके घर टीवी देखने का लुत्फ चाय नाश्ते के साथ लिया, जिसमें राजनीतिक चर्चा भी समय-समय पर करते रहे। चर्चा जनपद से हटकर कभी अयोध्या पहुंच जाती तो कभी पश्चिम बंगाल। लोग अपने अनुमान से यह भी बताते रहे कि किस पार्टी कि कितनी सीटें आएंगी। शाम को इस बात के साथ टीवी देखने से फुर्सत में हुए कि देखिए सरकार कौन बनाता है। चौक चौराहों की दुकानों पर भी लोग किसी कार्य से जाते दिखे तो टीवी देखने में समय खपाते दिखे। मंत्रियों की क्या स्थिति रही चुनाव में चाय पान की दुकानों पर टीवी देखने वाले इसपर भी चर्चा करने से पीछे नहीं रहे। लोग अपने अनुमान से यह भी बताते रहे कि किस पार्टी कि कितनी सीटें आएंगी। शाम को इस बात के साथ टीवी देखने से फुर्सत में हुए कि देखिए सरकार कौन बनाता है। चौक चौराहों की दुकानों पर भी लोग किसी कार्य से जाते दिखे तो टीवी देखने में समय खपाते दिखे। मंत्रियों की क्या स्थिति रही चुनाव में चाय पान की दुकानों पर टीवी देखने वाले इसपर भी चर्चा करने से पीछे नहीं रहे।

जश्न में डूबे भाजपा कार्यकर्ता, विपक्षियों में खामोशी

जन एक्सप्रेस। महाराजगंज

महराजगंज लोक सभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी पंकज चौधरी की सातवीं बार जीत दर्ज की तो कार्यकर्ता खुशी से झूम उठे। कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत का जश्न मनाया। वहीं पराजित होने वाले दलों के कार्यकर्ताओं में खामोशी देखी गई।

महराजगंज शहर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने खुशी का इजहार किया। फरेंदा रोड पर वरिष्ठ भाजपा नेता ब्रजेंद्र नाथ त्रिपाठी के आवास पर बाहर सर्विस लेने में टेंट लगा हुआ था। यहा माला मंगाया गया था। कार्यकर्ता परिणाम आने के बाद खुशी से गदगद हो उठे। हालांकि जुलूस नहीं निकला। कार्यकर्ताओं ने अपने हिसाब से खुशी मनाया। भाजपा के पूर्व विधायक बजरंग बहादुर सिंह के कार्यालय पर सुबह से ही कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ रही।

मतगणना शुरू हुई तो टीवी व मोबाइल के माध्यम से कार्यकर्ता पल पल का अपडेट लेते रहे। जैसे ही प्रत्याशी पंकज चौधरी के जीत की जानकारी मिली तो एक दूसरे को बधाई देते हुए मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया।

पूर्व विधायक चौधरी शिवेन्द्र सिंह व पूर्व चेयरमैन राजेश जायसवाल के आवास पर भी कार्यकर्ताओं ने जीत का जश्न मनाया। इस दौरान राघवेंद्र तिवारी, ग्राम प्रधान नरेंद्र यादव, पूर्व प्रधान हीरा गुप्ता, सुनील यादव, अवधराज, रमाकांत चौहान, बृजेश आदि मौलूद रहे। वहीं भगवतनगर परसिया में ग्राम प्रधान बबलू गुप्ता के आवास पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया।

गला दबाकर की गई थी युवती की हत्या

जन एक्सप्रेस। देवरिया

थाना क्षेत्र के खजुरी करौता गांव के रेलवे लाइन किनारे नमक डालकर दफनाए गए युवती के शव का पुलिस ने सोमवार को पोस्टमार्टम कराया। पुलिस के मुताबिक, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाकर युवती की हत्या की पुष्टि हुई है। पुलिस अब अग्रिम कार्रवाई कर हत्यारों के खिलाफ केस दर्ज करेगी। उधर, पांचवें दिन भी शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है। खुखुंदू थाना क्षेत्र के खजुरी करौता गांव में रेलवे लाइन के किनारे बृहस्पतिवार को मिले युवती के शव को कुत्ते नोचकर खा रहे थे। शव से दुर्गंध आ रही थी। लोगों ने देखा था तो शव का सिर और एक हाथ ऊपर दिखाई पड़ा। बाकी शरीर जमीन के अंदर था। मौके पर पहुंची पुलिस ने खोदाई कराकर शव को बाहर निकलवाया। पुलिस ने 18-20 वर्षीय युवती का का शव होना बताया। हालांकि, चेहरा स्पष्ट नहीं होने से शिनाख्त नहीं हो पाई थी। खोदाई के दौरान मिट्टी के साथ नमक भी निकला। जिससे प्रतीत हो रहा था कि हत्यारे पूरी तैयारी के साथ शव को दफन किए थे। अब तक शिनाख्त नहीं हो पाई है।

सोमवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। इसमें गला दबाने से युवती की मौत की पुष्टि हुई है। पुलिस पकड़ी खास, खजुरी करौता, करकटही परसिया, मकुनही और बतरौली पांडेय गांवों में जांच-पड़ताल कर रही है। पुलिस को शक है कि इन्ही गांवों में से किसी एक गांव की युवती होगी। लोगों ने शव मिलने के दौरान ही स्पष्ट कर दिया था कि हत्या कर शव दफनाया गया है। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही थी। इंस्पेक्टर दिलीप सिंह ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। गला दबाकर युवती की हत्या की पुष्टि हुई है।

मोतीलाल रोड व जलकल चौराहे से न्यू कॉलोनी जाने वाला मार्ग रहा बंद

जन एक्सप्रेस। देवरिया

मतगणना को लेकर जिला प्रशासन तैयारियों में जुटा हुआ है। जिला प्रशासन ने मतगणना के दौरान किसी प्रकार का व्यवधान न हो, इसके लिए सारी तैयारियां कर ली है।

जिला प्रशासन ने मतगणना स्थल को जाने वाले मार्ग पर अवागमन बंद कराते हुए और वनवे करते हुए कई मार्गों का रूट डायवंजन किया है। प्रभारी यातायात की मतगणना के दौरान संपूर्ण जिम्मेदारी होगी।

जिला प्रशासन के अनुसार, मतगणना स्थल महाराजा अग्रसेन इंटर कॉलेज देवरिया को जाने वाले राजनैतिक पार्टी के उम्मीदवार मतगणना अभिकर्ता डीएम आवास तिराहा से कोतवाली की तरफ प्रवेश करेंगे। तत्पश्चात अपने वाहनों को राजकीय इंटर कॉलेज देवरिया में पार्क करेंगे। पार्क करने के पश्चात पैदल महाराजा अग्रसेन इंटर कॉलेज देवरिया को जाएंगे तथा निर्धारित गेट से मतगणना स्थल में प्रवेश करेंगे।

इसी तरह मतगणना स्थल महाराजा अग्रसेन इंटर कॉलेज देवरिया में विधानसभा 340-भाटपाररानी, 341- सलेमपुर के मतगणना अभिकर्ता (एजेंट) गेट नंबर एक से प्रवेश करेंगे। विधान सभा 336-रुद्रपुर, 342- बरहज के मतगणना अभिकर्ता (एजेंट) गेट नंबर दो से प्रवेश करेंगे। मतगणना स्थल महाराजा अग्रसेन इंटर कॉलेज देवरिया में आने वाले सभी मतदान कार्मिक रोडवेज तिराहा से अंदर प्रवेश करके चंडिका छात्रावास में अपने वाहन को पार्क करने के पश्चात गेट नंबर तीन से अंदर प्रवेश करेंगे। कोतवाली चौराहे से मोतीलाल रोड कसया ढाला की तरफ जाने वाला रास्ता बंद रहेगा। साथ ही न्यू कॉलोनी जलकल चौराहा (श्रीबेकर्स) से न्यू कॉलोनी जाने वाला रास्ता भी बंद रहेगा। इसी तरह शिव मंदिर चौराहे से पोस्टमार्टम चौराहा होते हुए महाराजा अग्रसेन इंटर कॉलेज जाने वाला रास्ता वन वे रहेगा।

दूसरा मतगणना स्थल देवरिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल को बनाया गया है। यहां बालाजी मंदिर (कसया रोड) से आने वाला रास्ता वन वे रहेगा।

गोरखपुर से सलेमपुर और सलेमपुर से गोरखपुर जाने वाला मार्ग रहा डायवर्ट

गोरखपुर से सलेमपुर की तरफ जाने वाले वाहन बैतालपुर चौकी से डायवर्ट होकर पांडेयचक चौराहा, डुमरी कसया रोड से भीखमपुर होते हुए सोनू घाट की तरफ जाएंगे। सलेमपुर से गोरखपुर की तरफ जाने वाले वाहन सोनूघाट से महुआनी भीखमपुर रोड होते हुए डुमरी से पांडेयक से बैतालपुर की तरफ से होकर जाएंगे। कोई भी भारी वाहन कसया रोड से सोमनाथ मंदिर की तरफ नहीं जाएगा। कसया रोड़ से गोरखपुर जाने वाले भारी वाहन डुमरी, पांडेय चक, बैतालपुर होते हुए गोरखपुर की ओर से गये।

सीकरी के सरदार फिर से बने राजकुमार विरोधियों का चुनावी मैनेजमेंट रहा खराब

राजकुमार की लोकप्रियता में आई करारी गिरावट, पार्टी की प्रतिष्ठा ने जिताया चुनाव

जन एक्सप्रेस। आगरा

फतेहपुर सीकरी लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी राजकुमार चाहर ने पुन- जीत दर्ज की है। लेकिन 2019 की तुलना में जीत का मार्जिन ना तुक्ष वोटों पर आ सिमटा। पार्टी प्रतिष्ठा और मैनेजमेंट के चलते राजकुमार चाहर चुनाव तो जीत गए लेकिन जनता का दिल नहीं जीत पाए। उनके प्रतिद्वंदी इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी रामनाथ सिंह सिकरवार चुनाव भले ही हार गए लेकिन वो लोगों के दिलों पर राज कर गए। राजकुमार चाहर से जनता की नाराजगी भी वोट में खूब तब्दील हुई लेकिन वो परिणाम नहीं दे पाई। हालांकि रामनाथ सिंह सिकरवार को मिली ये करारी हार जनता को भी अखर गई।

बता दें कि फतेहपुर सीकरी लोकसभा से भाजपा के राजकुमार चाहर ने 43 हजार से अधिक वोटों से जीत दर्ज की। कांग्रेस प्रत्याशी रामनाथ सिकरवार को हार का सामना करना पड़ा। कांग्रेस प्रत्याशी रामनाथ सिकरवार को 4,45,657 जबकि भाजपा के राजकुमार चाहर को 4,02,252 वोट मिले है। फतेहपुर सीकरी में इस बार 57.2त्न वोटिंग हुई थी।

50 हजार का आंकड़ा छूने में भी असफल रहे डॉ. रामेश्वर सिंह-सियासी जंग में ऐलान के साथ दमखम दिखाने वाले निर्दलीय प्रत्याशी डॉ. रामेश्वर सिंह को 48 हजार छह सौ छह वोट प्राप्त हुए हैं। लेकिन निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में उनके वोट को एक लाख के करीब आंका जा रहा था। रामनाथ सिकरवार को मिली हार के पीछे का कारण, रामेश्वर चौधरी कमजोर होना माना जा रहा है। क्योंकि आंकड़े लगाए जा रहे थे कि रामेश्वर चौधरी जाट वोट में अच्छी खासी पकड़ बनाए हुए हैं लेकिन विरोध के बाद भी जाटों ने भरपूर मात्रा में राजकुमार चाहर को वोट दिया जोकि रामनाथ सिंह सिकरवार की हार का कारण भी माना जा रहा है।

खत्म हुआ बसपा का बर्चस्व, पुराने आंकड़े को भी नहीं छू पाए रामनिवार शर्मा- कभी बसपा का मजबूत स्तम्भ कही जाने वाली फतेहपुर सीकरी लोकसभा सीट से अब हाथी का जादू पूरी तरफ खत्म हो चुका है। हाथी के कोर वोट बैंक में भी हाथ ने खूब सैंधमारी की। जिसके चलते बसपा प्रत्याशी रामनिवास शर्मा महज 1 लाख 20 हजार 539 वोट प्राप्त कर सके। वहीं रामनिवास शर्मा की अपने समाज पर भी खास पकड़ नहीं रही। व्यक्तिगत छवि की भी बात करें तो रामनिवास शर्मा लंबे समय से राजनीति से दूर थे जिसके कारण वह बहुत अधिक व्यक्तिगत वोट भी प्राप्त नहीं कर सके।

चाहर की जीत से ज्यादा सिकरवार की हार के चर्चे-इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी रामनाथ सिंह सिकरवार चुनाव भले ही हार गए हों लेकिन लोगों की जुबां पर अभी भी रामनाथ सिंह सिकरवार का नाम जादू चलाए हुए है। क्षेत्र में चारों तरफ, रामनाथ सिकरवार की हार के चर्चे हो रहे हैं। लोग कह रहे हैं कि आखिर कमी कहां रही। इतना बड़ा हल्ला होने के बावजूद भी फौजी बाबा चुनाव कैसे हार गए।

हार कर भी लोगों का दिल जीत गए रामनाथ सिकरवार-रामनाथ सिंह सिकरवार ने जिस बेबाकी और जिंदादिली के साथ चुनाव लड़ा वो जनता के मन में घर कर गया। उनके चुनाव प्रचार के स्टाइल से लेकर लोगों से आत्मीय मिलन के भाव ने हर किसी को मंत्रमुग्ध कर दिया। यही कारण है कि हार कर भी रामनाथ सिकरवार लोगों के दिलों पर राज कर गए।

धांधली का आरोप लगाते हुए कांग्रेसियों ने किया हंगामा, पुलिस ने खदेड़ा-चुनाव में शिकस्त पाने के बाद कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने प्रशासन पर धांधली का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। लेकिन उनका हंगामा ज्यादा देर तक नहीं चल सका। पुलिस ने हंगामा कर रहे कार्यकर्ताओं को बलपूर्वक खदेड़ दिया। बता दें कि फतेहपुर सीकरी लोकसभा में 32 चरणों तक मतगणना होनी है, जबकि आगरा में 34 चरणों के बाद परिणाम की घोषणा की जाएगी। फतेहपुर सीकरी लोकसभा सीट के चुनाव परिणाम पर कांग्रेस और सपा गठबंधन प्रत्याशी रामनाथ सिकरवार और निर्दलीय प्रत्याशी रामेश्वर चौधरी ने आपत्ति जताई। दोनों ने चुनाव परिणाम में धांधली का आरोप लगाया। भाजपा प्रत्याशी राजकुमार चाहर भी खेरागढ़-मंडी समिति पहुंचे। फतेहपुर सीकरी सीट से कांग्रेस प्रत्याशी रामनाथ सिकरवार के समर्थकों ने हंगामा कर दिया। उन्होंने मतगणना स्थल मंडी समिति, खेरागढ़ के बाहर शोर मचाना शुरू कर दिया। मतगणना में धांधली का आरोप लगाया। एसीपी अतुल शर्मा ने में फोर्स के अलाउंस करके खदेड़ा।

थ्री लेयर में थी मतगणना स्थल की सुरक्षा- वोट काउंटिंग स्थल पर थ्री लेयर की सुरक्षा के चक्रव्यूह को इनर काडर, मिडिल काडर और आउटर काडर में बांटा गया था। इनर काडर में पैरामिलिट्री फोर्स तैनात था। मिडिल काडर में ढअउ के जवान तैनात थे और आउटर काडर में सिविल पुलिस की तैनाती रही।

लगाई गईं थीं 70 टेबल- खेरागढ़ मंडी समिति में काउंटिंग के लिए 14-14 कुल 70 टेबल लगाईं गईं थीं। 14 टेबल डाक मतपत्रों के लिए स्थापित की गई थीं। गणना की प्रक्रिया को देखने के लिए प्रत्येक प्रत्याशी विधानसभावार 15-15 मतगणना अभिकर्ता और डाक बैलेट पेपर की गणना हेतु मेजों के अनुसार 14- 14 मतगणना एजेंट को परमीशन दी गई थी।

पिछले साल के मुकाबले कम हुआ मतदान-फतेहपुरसीकरी लोकसभा सीट पर फतेहपुरसीकरी, खेरागढ़, फतेहाबाद, बाह विधानसभाएं हैं। सात मई को हुए मतदान में फतेहपुरसीकरी लोकसभा सीट पर 57 प्रतिशत मतदान हुआ था। जो पिछले लोकसभा चुनाव के मुकाबले कम है। 2019 के लोकसभा चुनाव में यहां पर 60.26 प्रतिशत मतदान रहा था।

आगरा से भाजपा के एसपी सिंह बघेल जीते

2.71 लाख से अधिक वोटों से सपा के सुरेश चंद कर्दम को हराया

जन एक्सप्रेस। आगरा

भाजपा प्रत्याशी एसपी सिंह बघेल ने 2.71 लाख से अधिक वोटों से जीत दर्ज की है। एसपी सिंह बघेल को 5,99,397 जबकि सपा के सुरेश चंद कर्दम 3,28,103 वोट मिले। पांच विधानसभा में से चार विधानसभा एत्मादपुर, दक्षिण, उत्तर और कैंट की मतगणना आगरा में हो रही है। जलेसर विधानसभा की मतगणना एटा में हुई। 34 राउंड की काउंटिंग में हार-जीत की तस्वीर साफ हो गई। आगरा में इस बार 54त्न वोटिंग हुई थी। वहीं बसपा की पूजा अमरोही को 1,76,474 वोट प्राप्त हुए।

भाजपा की जीत पर किया मिष्ठान वितरण, सीकरी में खुशी का माहौल

जन एक्सप्रेस। आगरा

लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की लगातार तीसरी बार जीत पर व फतेहपुर सीकरी से राजकुमार चाहर की जीत पर भाजपा कार्यकताओं में खुशी का माहौल है। भाजपा के वरिष्ठ नेता मोहन अग्रवाल ने अपने गोवर्धन होटल पर आतिशबाजी कर मिस्ठान वितरण किया वहीं भारतीय जनता पार्टी के नगर कार्यालय बडी बगीची समीप पर भाजपा कार्यकताओं ने देश के प्रधानमंत्री को इस जीत की शुभकामनाएं दी हैं।

उत्साहित कार्यकताओं ने कहा कि यह देश के किसान, नौजवान और समान्य जन की जीत है। इस दौरान प्रमुख रूप भाजपा नगर अध्यक्ष संजय गोयल, मुरारी लाल गोयल, विनोद सामरिया, जानकी प्रसाद गर्ग, तारा चंद माहौर, महामंत्री हनी गोयल, अनुज मित्तल ,नितिन गर्ग, प्रमेंद्र फौजदार, सभासद मनीष बंसल, कुमार, मनोज सिंघल, विष्णु सौंख, मोहित गोयल समेत बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मोशन अकेडमी के छात्र लक्ष्य अग्रवाल ने नीट में प्राप्त की149वीं रैंक

जन एक्सप्रेस। आगरा

नीट प्रवेश परीक्षा 2024 परिणाम में मोशन अकेडमी के छात्र लक्ष्य अग्रवाल ने 149वीं रैंक लाकर आगरा में सबसे बेहतरीन प्रर्दशन किया। नीट प्रवेश परीक्षा 2024 में 149वीं रैंक हासिल करने वाले छात्र लक्ष्य अग्रवाल का कहना है कि कोई भी कम्पटीशन बड़ा नहीं होता। बस उसे हासिल करने के लिए लक्ष्य पर फोकस करना जरूरी होता है। छात्र लक्ष्य अग्रवाल ने अपनी सफलता का श्रेय मोशन अकेडमी के डायरेक्टर डॉ. अरूण शर्मा को दिया। मोशन अकेडमी के कुल 110 छात्रों में से 60 छात्रों का चयन नीट परीक्षा 2024 में हुआ। वही अन्य छात्रों प्रमोद मंगल-213वीं रैंक, संजना मित्तल-362वीं रैंक, आलोक शर्मा-377वीं रैंक, रोहित उपाध्याय-1224वीं रैंक, देव दत्त राना-1250वीं रैंक, अंकित वर्मा -2025वीं रैंक, नीतश भारती-2488वीं रैंक, केलाश सिंह-2576वीं रैंक, कुमुद गुप्ता-2741वीं रैंक, सम्मान जैसवाल -2931वीं रैंक, प्रिया गोयल 3034वीं रैंक, रानी वर्मा-3577वीं रैंक, सिवम अग्रवाल-4021वीं रैंक, लक्ष्य सिंह-4256वीं रैंक, श्रेया गुप्ता -4678वीं रैंक, अंजली शर्मा-5231वीं रैंक, वंदना अग्रवाल-6021वीं रैंक, निकिता गौतम-6411वीं रैंक, विशेष प्रवीन-6558वीं रैंक, निलेश गुप्ता-6781वीं रैंक, कनिका कुमारी-6894वीं रैंक, मानसी शर्मा-10881वीं रैंक, ने वेहतरीन प्रर्दशन करते हुऐ सफलता पाई रिजल्ट घोषित होने के बाद मोशन अकेडमी के डायरेक्टर व टीचर्स ने कामयाब छात्रों के साथ मिठाई खिलाकर खुशी मनाई। संस्था के ब्रांच मैनेजर डॉ. सुजाता शर्मा ने छात्रों को बधाई दी और बताया कि मोशन अकेडमी में नीट प्रवेश परीक्षा की तैयारी के लिए दिनांक 06 व 10 जून 2024 से नीट व आईआईटी-जेईई टारगेट रिपीटर कोर्स के बैच शुरू होने जा रहे है। साथ ही अकेडमिक हैड दिलीप कुमार ने बताया कि मोशन अकेडमी में दसवीं व बारहवीं के स्कूल टॉपर्स छात्रों एवं नीट परीक्षा 2024 में 500 मार्क वाले विद्यार्थीयों को स्कॉलरशिप भी दे रहा हैं। इच्छुक छात्र-छात्राऐं दिए गये नम्बरों 9719905151, 9719705151 पर सम्पर्क कर एडमीशन ले सकते हैं।

विवि में आयोजित सात दिवसीय संस्कृत संभाषण शिविर का समापन

जन एक्सप्रेस। आगरा

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी हिंदी तथा भाषाविज्ञान विद्यापीठ के संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित सात दिवसीय संस्कृत संभाषण शिविर का मंगलवार को समापन हो गया।

विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति प्रो. आशु रानी की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में शिविर में प्रतिभाग करने वाले 150 शिविरार्थियों को उन्होंने प्रमाण-पत्र भी प्रदान कर सम्मानित किया। अपने संबोधन में उन्होंने बताया कि संस्कृत देव भाषा है, जो हमें ईश्वर से जोड़ती है, ईश्वर से वार्ता करने के लिए संस्कृत सीखना आवश्यक है। आज भारतीयों का कर्तव्य है कि संस्कृत का गौरव गिरने न दें और उसे पूरे विश्व में फैलाएं। संस्कृत वैज्ञानिक, सामाजिक, मानवीय, तकनीकी एवं प्रत्येक क्षेत्र के अनुरूप भाषा है। इसमें इंजीनियरिंग, विज्ञान, चिकित्सा, खगोल शास्त्र, राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र, गणित आदि सभी विषयों से जुड़े श्लोक व मंत्र उपलब्ध हैं, जो इसके पौराणिक विस्तार की कहानी स्वतः प्रदर्शित करता है।

हालांकि बीच में कुछ समय इसको लेकर लोगों में जागरूकता की थोड़ी कमी आने से इसके पठन-पाठन में गिरावट आई, लेकिन संस्थान द्वारा किया गया प्रयास उस कमी को भरने का उत्तम प्रयास है। भारतीय ज्ञान परंपरा ने हमें अवसर दिया है कि हम एक बार फिर पूरी क्षमता और ऊर्जा से संस्कृत भाषा के उत्थान और विकास के लिए प्रयास करें क्योंकि इस शिविर में शामिल हुए शिविरार्थियों की संख्या बताने को काफी है कि इसको लेकर रूचि कभी कम नहीं होगी। नौ तपा में तपकर आपने संस्कृत सीखी है, तो उसका स्थायित्व सिद्ध होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के भाषाविज्ञान विभाग को संस्कृत व अन्य भाषाओं को तकनीकी सहायता उपलब्ध कराकर और अधिक व्यवहार सम्यक बनाने के निर्देश भी दिए।

मुख्य अतिथि व सेंट जोंस कॉलेज से सेवानिवृत डा. मंजूलता शर्मा ने संस्कृत भाषा में कजरी गीत, बृजभाषा गीत और रसिया को भी संस्कृत में प्रस्तुत किया। मैं तो गोवर्धन को जाऊं मेरे गीत...को संस्कृत में सुनकर शिविर में उपस्थित सभी लोग उनके ताल से ताल मिलाते नजर आए। उनका कहना था कि संस्कृत सबसे सरल, मधुर और प्यारी भाषा है लेकिन इसे व्यवहार में प्रयोग नहीं लाया जाता, जो इसकी अनदेखी का कारण भी है। आज आवश्यकता है कि इसे सामान्य बोलचाल की भाषा में प्रयोग लाकर इसे और अधिक व्यवहारिक बनाया जाए।

विशिष्ट अतिथि दयालबाग डीम्ड विश्वविद्यालय की एसोसिएट प्रोफेसर निशिथ गौड़ ने बताया कि नौ तपा के दिनों में हमारे संस्कृत अनुरागी संस्कृत की तपाग्नि में तपकर कुंदन बन रहे हैं, संस्कृत न केवल वेदों की भाषा है, बल्कि ये सांस्कृति, भाषायी, आध्यात्मिक और दार्शनिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण भाषा है। संस्कृत समत्व का संदेश देती है।

संस्थान निदेशक प्रो. प्रदीप श्रीधर ने अतिथि परिचय और बीज वक्तव्य दिया। उनका कहना था कि आप सभी का रूझान दिखाता है कि संस्कृत आज भी जीवंत भाषा है, संस्कृत सीखने वालों की संख्या में वृद्धि हो रही है, जिसका श्रेय संस्कृत विभाग को जाता है। उम्मीद है संस्कृत सीखने के बाद विद्यार्थियों को करियर में भी नए सोपान प्राप्त होंगे।

बैकुंठी देवी कन्या महाविद्यालय से प्रो. बिंदु अवस्थी व प्रो. साधना सिंह, बीडी जैन कन्या महाविद्यालय से प्रो. नीलम कांत, रामेंद्र कुमार रविंद्र, देवेश कुमार वाजपेयी, राजकुमार आदि शिविरार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए। साथ ही आध्या, मोहित, नमस्या, आयुष्मान आदि ने गीत, श्लोक व सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। संचालन शिविर संयोजक डा. वर्षा रानी ने किया। आभार राजेंद्र दवे ने व्यक्त किया। डॉ. अमित कुमार सिंह, डॉ. रमा, डॉ. मोहिनी दयाल, डॉ. संदीप कुमार, डॉ. चारू अग्रवाल, कंचन, डॉ. पल्लवी आर्या, डॉ. प्रदीप वर्मा, डॉ. आदित्य प्रकाश, डॉ. केशव शर्मा, डॉ. शालिनी श्रीवास्तव मौजूद रहे।

जैंगारा और उंदेरा के बीच खेला गया मैच

जन एक्सप्रेस। आगरा

बिल्ड फॉर सक्सेस डिग्री कालेज कराही में टूर्नामेंट का चौथा मुकाबला शुरू हो गया है आज सुबह का पहला रोमांचक मुकाबला उंदेरा बनाम जैंगारा के बीच खेला गया जिसमें उंदेरा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया और 10 ओवर में 8 विकेट खोकर 79 रन बनाए लक्ष्य का पीछा करने आई जैंगारा की टीम 10 ओवर 9 विकेट खोकर 68 ही बना सकी उन्देरा से मेन ऑफ द मैच रहे हरिओम ने 3 ओवर में 11 रन देकर 4 विकेट झटके।

आज का दूसरा मुकाबला नगला रमले किंग्स वर्सेस बदपुरा के बीच खेला गया जिसमें नगला रमले ने टॉस जीत के पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया और 9.5 ओवर में अपनी सभी विकेट होकर 48 रन बनाए लक्ष्य का पीछा करने उतरी बंदपूरा की टीम ने 8.1 ओवर में 4 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया बनडपुरा से मैन ऑफ द मैच रहे प्रवेंद्र ने 28 बलों में 34 रन बनाए। आज का तीसरा मुकाबला नगला रमले कराई बनाम तेजू चुरियारि के बीच खेला गया जिसमें तेजू चुरियारी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में 7 विकेट खोकर 86 रन बनाए लक्ष्य का पीछा करने उतरी नगला रमले कराई ने 7.5 ओवर में अपने 3 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया नगला रामले कराई से मैन ऑफ द मैच रहे मुकेश कुमार ने 19 वालों में 32 रन बनाए।और चेयरमैन विश्वेंद्र कुमार सरपंच जी द्वारा सभी मैन ऑफ द मैच होने बाले खिलाड़ियों को ट्राफी प्रदान की गई।

यूपी में इंडिया गठबंधन की जीत पर हार्दिक बधाई

जन एक्सप्रेस। अलीगढ़

अखिल भारतीय पंचायत परिषद के राष्ट्रीय सचिव एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी ठाकुर गवेन्द्र सिंह एडवोकेट एवं उत्तर प्रदेश महासचिव नरेंद्र सिंह सोलंकी ने कांग्रेस के सर्वमान्य नेता श्री राहुल गांधी एवं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के सामूहिक नेतृत्व में इंडिया गठबंधन ने उत्तर प्रदेश सासद के चुनाव मैं जो ऐतिहासिक सफलता प्राप्त की है उसके लिए दोनों नेताओं एवं उत्तर प्रदेश की जनता को हार्दिक बधाई। दोनों नेताओं ने कहाकि उत्तर प्रदेश की जनता ने भाजपा केंद्र एवं प्रदेश की सरकार की नीतियों को पूरी तरह से नकार दिया है और इंडिया गठबंधन के साथ विश्वास व्यक्त किया है उन्होंने यह भी कहा माननीय प्रधानमंत्री श्री मोदी जी 2019 में जहां कई लाख वोटो से जीते थे अबकी बार बनारस से उनकी जीत का आंकड़ा भी काफी कम हुआ है इससे प्रतीत होता है उनकी लोकप्रियता में गिरावट आई है और उनकी कार्यप्रणाली को उत्तर प्रदेश की जनता ने नकारा है श्री राहुल गांधी एवं श्री अखिलेश यादव की ऐतिहासिक जीत ने दोनों को देश की राजनीति में जन नायक के रूप में उभर कर आए है और आगामी 2027 उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव इसी तरह का परिणाम देखने को मिलेगा

अमुवि में वेदों पर विशेष व्याख्यान का आयोजन

जन एक्सप्रेस। अलीगढ़

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा कुछ सप्ताह पहले शुरू की गई अपनी विशेष व्याख्यान श्रृंखला के तहत 'आधुनिक समय में वेदों की प्रासंगिकता' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया।

अतिथि वक्ता, संस्कृत, पाली और प्राकृत के प्रख्यात विद्वान, प्रोफेसर सत्य प्रकाश शर्मा, पूर्व अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, एएमयू और वर्तमान में भारतीय बौद्ध अध्ययन सोसायटी और अध्यक्ष, प्राकृत विकास बोर्ड, एमएचआरडी, भारत सरकार के अध्यक्ष ने वेदों का सार समझाया और उसमें परिकल्पित 'जियो और जीने दो' और 'आपसी सहयोग' के सिद्धांतों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कई वैदिक युक्तियों को उद्धृत किया जो सार्वभौमिक भाईचारे, शांति और सद्भाव के साथ आपसी सह-अस्तित्व पर बल देते हैं। उन्होंने मानवता के बेहतर कल के लिए लोगों में प्राचीन ऋषियों के नैतिक मूल्यों को विकसित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

कला संकाय के डीन प्रोफेसर आरिफ नजीर ने वेदों की शिक्षाओं पर ध्यान केंद्रित किया जो समाज के विभिन्न वर्गों के बीच आत्मीयता और आपसी समझ को बढ़ावा देते हैं। कला संकाय के पूर्व डीन प्रोफेसर कफील अहमद कासमी ने पवित्र कुरान और वेदों की शिक्षाओं का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया।

उससे पूर्व अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्कृत विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर हिमांशु शेखर आचार्य ने व्याख्यान के विषय पर संक्षिप्त चर्चा करते हुए बताया कि वेदों से शुरू होकर संस्कृत साहित्य में धर्म, अर्थ और काम की प्राप्ति में संतुलन बनाए रखने पर जोर दिया गया है और इन तीनों (त्रिवर्ग) की प्राप्ति में संतुलन की कमी ही सभी प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं का मुख्य कारण है।

उत्तर रेलवे
आज़ादी का अमृत महोत्सव
ई-ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–ऑक्शन से सम्बन्धित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ–उ.रे.–मण्डल–वाणिज्य/उ.रे.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	PnU-LKO-BSB-Toi-48-24-1 (Pay and Use Toilets)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	31.05.2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	17.06.2024 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	17.06.2024 समय 10:30 बजे
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	PnU-LKO-BSB-Toi-47-24-3 (Pay and Use Toilets)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	31.05.2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	17.06.2024 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	17.06.2024 समय 10:40 बजे
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	PnU-LKO-AY-Toi-76-24-1 (Pay and Use Toilets)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.06.2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	18.06.2024 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	18.06.2024 समय 11:30 बजे
नीलामी का प्रकार	Close Ended
वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

1658 /2024
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

बाहुबली पूर्व सांसद धनंजय का समर्थन भी बीजेपी के काम न आया

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

जिले की दोनों ही सीटों क्रमशः जौनपुर व मछलीशहर में टिकट निर्धारण से लेकर घोषित प्रत्याशियों की जीत के लिए पार्टी के शीर्ष नेताओं द्वारा की गई सारी कसरत धरी की धरी रह गई। जौनपुर सीट तो भाजपा नेतृत्व के लिए इस कदर नाक का सवाल बन गई थी कि इसके लिए भाजपा के चाणक्य कहे जाने वाले अमित शाह तक को हस्तक्षेप करना पड़ा। बावजूद इसके इस सीट से सपा प्रत्याशी बाबू सिंह कुशवाहा ने बाजी मार ली।

जौनपुर सीट से जिस दिन पूर्व में कद्दावर कांग्रेसी नेता तथा महाराष्ट्र सरकार में गृह राज्यमंत्री का दायित्व संभाल चुके कृपा शंकर सिंह को पार्टी ने उतारा उसी दिन से उनकी जीत को लेकर पार्टी के अंदरखाने में आशंका के बादल उठने शुरू हो चुके थे। इस बीच रंगदारी तथा अपहरण के एक मामले में जेल में बंद पूर्व सांसद धनंजय सिंह की पत्नी श्रीकला रेड्डी को बसपा ने उम्मीदवार बनाकर भाजपा के लिए एक और चुनौती खड़ी कर दी।

- जौनपुर की सीट भाजपा के लिए बन गई थी नाक का सवाल।
- बसपा से टिकट कटने पर धनंजय ने किया था बीजेपी का समर्थन।

खैर इसी बीच उच्च न्यायालय से धनंजय को जमानत मिल गई और वे जेल से बाहर आ गए।

अभी दो-चार दिन ही बीते थे कि बड़े ही नाटकीय घटनाक्रम में श्रीकला ने बसपा पर टिकट काटने का आरोप लगा दिया। जब कि बसपा नेताओं के अनुसार उनका टिकट कटा नहीं था बल्कि उन्होंने स्वयं ही वापस कर दिया था। बहरहाल अब सच्चाई जो भी रही हो किंतु इसी बीच धनंजय व उनकी पत्नी श्रीकला रेड्डी की दिल्ली में अमित शाह से मुलाकात की बातें चर्चा में आईं और धनंजय ने अपने समर्थकों की एक बड़ी मीटिंग बुलाकर योगी सरकार का गुणगान करते हुए भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील कर दी और जहां रहूंगा वही जीतेगा का दवा आखिरकार फेल हो गया।

पार्टी नेताओं की मानें तो भारी जनाधार का दावा करने वाले धनंजय सिंह ने अपने समर्थकों के साथ भाजपा प्रत्याशियों का समर्थन जरूर किया किंतु इसके बावजूद जौनपुर व मछलीशहर सहित दोनों सीटों पर भाजपा प्रत्याशियों कृपाशंकर सिंह व बीपी सरोज को हार का सामना करना पड़ा।

जिसे लेकर खूब चर्चाएं हो रही हैं।

कृपाशंकर पर बाबा का सहारा भी काम नहीं आया

जौनपुर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी कृपा शंकर सिंह को आखिरकार बदलापुर सपा के पूर्व विधायक ओमप्रकाश दुबे बाबा का भी समर्थन काम नहीं आया जबकि चुनाव के पहले समाजवादी पार्टी से इस्तीफा देकर अपने समर्थकों से भाजपा प्रत्याशी को जिताने के लिए बैठक कर चुनाव जीतने का अपील किया था।

यह चुनाव प्रदेश में अफसर शाही का परिणाम तो नहीं ?

जौनपुर की दो लोकसभा 73 जौनपुर, 74 मछलीशहर, दोनों लोकसभा क्षेत्रों से भाजपा के प्रत्याशियों का हारने का मुख्य कारण कहीं भाजपा नेताओं पर अफसर शाही का भारी होना तो नहीं है क्योंकि मतदान के दिन अधिकतर मतदान केंद्रों पर विश्व की सबसे बड़ी पार्टी कहीं जाने वाली भाजपा के कार्यकर्ता बूथों के पास नजर नहीं आ रहे थे जो नजर भी आ रहे थे उनमें उत्सुकता नजर नहीं आ रही थी मीडिया के काफी कुरेदने के बाद ज्यादातर लोग कहते नजर आए कि हम लोगों का क्या काम है। भाजपा को तो जिले के अधिकारी कर्मचारी खुद ही जीत देंगे और आज मतगणना परिणाम आने के बाद कार्यकर्ताओं की उदासीनता चुनाव परिणाम में दिख भी रहा है। ज्यादा लोग दबी जुबान से कहते नजर आ रहे थे कि जिले ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश में अफसर सरकार चला रहे है प्रदेश के अफसर लोग ही ईमानदार है और भाजपा नेता और कार्यकर्ता सबसे ज्यादा भ्रष्ट हैं तो चुनाव में भ्रष्टाचारी चोरों की क्या जरूरत।

सपा प्रत्याशी बाबूसिंह कुशवाहा प्रिया सरोज ने भारी अंतर से भाजपा प्रत्याशी को दी पटखनी

- बाबू सिंह कुशवाहा अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा कृपा शंकर सिंह 97564 मतो से दी शिकस्त

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

जौनपुर लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन के संयुक्त प्रत्याशी बाबू सिंह कुशवाहा ने ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा प्रत्याशी कृपा शंकर सिंह को 97564 मतो से शिकस्त दिया तो वहीं सपा प्रत्याशी 26 वर्षीय प्रिया सरोज ने मछलीशहर सांसद बीपी सरोज को भारी अंतर से पराजित कर परचम लहराया जहां दोनों सीट हार जाने से भाजपा जनों में निराशा छा गई तो वहीं समाजवादियों ने खुलकर जश्न मनाया वहीं नव निर्वाचित सदर सांसद बाबू सिंह कुशवाहा ने जिलाधिकारी के हाथों जीत का प्रमाण पत्र मिलने के बाद कहा कि जनता ने संविधान को बचाने का संकल्प पूरा किया। देश की जनता जाग चुकी है संविधान की रक्षा का संकल्प जनता ने जो लिया था आज वह पूरा होते दिखाई दे रहा है

जनता को विश्वास दिलाता हूं कि रोजगार के साथ-साथ तमाम कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जनता को दिलाऊंगा।सदर लोकसभा 73 प्रत्याशी बाबू सिंह कुशवाहा बांदा जिला के पखरौली के रहने वाले हैं। बाबू सिंह कुशवाहा बसपा सरकार की सबसे में महत्वपूर्ण विभागों के मंत्री और पावर फुल नेता माने जाते थे। बाद में इन्होंने जन अधिकार पार्टी बनाई और लोकसभा 73 इंडिया गठबंधन से जौनपुर सदर का चुनाव लड़ा।

सत्ताधारी मंत्री सांसद विधायकों का नहीं चला जादू सपा दोनों सीटों पर किया कब्जा

जौनपुर लोकसभा क्षेत्र के सत्ताधारी दल के सदर विधायक प्रदेश सरकार में खेल कूद कल्याण मंत्री गिरीश चंद्र यादव राज्य सभा सांसद श्री मती सीमा द्विवेदी शाहगंज विधायक रमेश सिंह मड़ियाहूं विधायक आर0 के0 पटेल बदलापुर विधायक रमेश चंद्र मिश्र को अपने अपने क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी कृपा शंकर सिंह को जिताने का लम्बा लम्बा भाषण काम नहीं आया आखिरकार भाजपा प्रत्याशी को हार का सामना करना पड़ा सबसे बुरा हाल सदर विधायक प्रदेश सरकार में मंत्री गिरीश चंद्र यादव राज्य सभा सांसद श्रीमती सीमा द्विवेदी के क्षेत्र रहा यदि वोटों के लिहाज से देखें तो बदलापुर विधायक रमेश चंद्र मिश्र के विधानसभा को छोड़ दिया जाय तो इतनी दुर्दशा भाजपा का कभी नहीं रहा।और किसी का जादू नहीं चला और समाजवादी पार्टी ने दोनों लोकसभा क्षेत्रों से अपने प्रत्याशी बाबू सिंह कुशवाहा प्रिया सरोज को बड़े अंतर से विजय दिलाकर खुश नजर आ रही है।

सिंचाई के लिए खेत पर लगा पंपिंग सेट चोरी

जन एक्सप्रेस । पूरनपुर। कोतवाली क्षेत्र के गांव भगवंतापुर निवासी राकेश शर्मा ने सिंचाई के लिए खेत पर पंपिंग सेट लगाया था। सिंचाई के दौरान रात होने के कारण किसान पंपिंग सेट को खेत पर छोड़कर घर वापस लौट आया। मंगलवार की सुबह पानी लगाने पहुंचे तो पंपिंग सेट गायब था। आस पड़ोस खोजबीन करने के बाद भी चोरी हुए पंपिंग सेट का कोई सुराग नहीं लगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी संजय सिंह ने जितिन प्रसाद को दिया निर्वाचित होने का प्रमाण पत्र

आजादी के बाद पहली बार ब्राह्मण सांसद को पीलीभीत के मतदाताओं ने विजय का सहरा पहनाया

भाजपा के जितिन प्रसाद ने सपा के भगवत शरण गंगवार को पराजित कर विजय का परचम लहराया

जन एक्सप्रेस । अरुण भारद्वाज

पीलीभीत। मंगलवार को 18वीं 26 लोकसभा पीलीभीत प्रतिष्ठा पूर्ण चुनाव में देर शाम 7:30 बजे जिला निर्वाचन अधिकारी जिला अधिकारी संजय सिंह ने मतगणना के बाद भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी जितिन प्रसाद को निर्वाचित होने का विजय प्रमाण पत्र दिया।

जिस पर मौजूद पार्टी कार्यकर्ताओं के जय श्री राम भारत माता की जयकारों के बीच प्रदान किया। भाजपा के जितिन प्रसाद ने 607158 मत प्राप्त कर समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी भगवत शरण गंगवार को 164 935 मतों के भारी अंतर से पराजित कर विजय का परचम लहराया समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी भगवत शरण गंगवार को 442223 मत प्राप्त हुए। मजेदार बात यह रही की मतगणना के दौरान जब जितिन प्रसाद की विजय का अंतर 1 लाख से ऊपर होना शुरू हुआ तो सपा प्रत्याशी मतगणना छोड़कर मतगणना स्थल से कूंच कर गए। जिला निर्वाचन अधिकारी जिला अधिकारी संजय सिंह ने भाजपा प्रत्याशी जितिन प्रसाद को निर्वाचित होने का प्रमाण पत्र देने से पूर्व सभी प्रत्याशियों के प्राप्त मतों की घोषणा करते हुए कहा बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी अनीस अहमद खान उर्फ फूल बाबू को 89697, जितिन प्रसाद को 607158, सपा के प्रत्याशी भगवत शरण गंगवार को 442223, भारतीय कृषक दल प्रत्याशी राजीव कुमार सक्सेना 3809, राष्ट्रीय समाज दल प्रत्याशी संजीव कुमार भारती को 1631, निर्दलीय आदर्श पांडे को 1726, निर्दलीय आशीष कुमार एडवोकेट को 1850, निर्दलीय प्रमोद भाई पटेल को 1539, निर्दलीय मोहम्मद शाहिद हुसैन 1846, निर्दलीय सुशील कुमार शुक्ला को 2727 मत प्राप्त हुए। सबसे कम मत निर्दलीय प्रमोद भाई पटेल को 1539 प्राप्त हुए। 26 लोकसभा पीलीभीत चुनाव में कुल मतदाता 1831699 मतदाता थे जिसमें से 1155917 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया इस प्रकार 63.11 प्रतिशत वोट पड़े। उल्लेखनीय है की देश आजाद होने के बाद आज तक हुए लोकसभा चुनावों में पीलीभीत सीट पर कोई भी ब्राह्मण प्रत्याशी विजई नहीं हुआ जबकि जनसंघ के प्रत्याशी के रूप में शिव स्वरूप मिश्रा एडवोकेट एवं भाजपा प्रत्याशी के रूप में ब्रज स्वरूप मिश्रा एडवोकेट चुनाव लड़े लेकिन उन्हें पराजय का सामना करना पड़ा।

पहली बार भाजपा हाई कमान ने पीलीभीत के सांसद फिरोज वरुण गांधी का टिकट काटकर उत्तर प्रदेश सरकार में लोक निर्माण विभाग राज्य मंत्री शाहजहांपुर निवासी जितिन प्रसाद को टिकट देकर ब्राह्मण कार्ड खेला और भाजपा की रणनीति कामयाब हुई जितिन प्रसाद विजई होकर सांसद निर्वाचित हो गए हैं। यह पहला मौका है की 35 वर्ष पुराने गांधी नेहरू परिवार की छोटी बहू श्रीमती मेनका संजय गांधी जो छह बार चुनाव जीती और वरुण गांधी दो बार चुनाव जीते इस चुनाव में गांधी नेहरू परिवार का प्रत्याशी मैदान में नहीं था। पीलीभीत के पहले सांसद बाबू मुकुंद लाल अग्रवाल एडवोकेट प्रजा सोशलिस्ट पार्टी से सांसद निर्वाचित हुए उसके बाद 1957 के दूसरे लोकसभा चुनाव में प्रजा सोशलिस्ट पार्टी के मोहन स्वरूप गंगवार सांसद बने फिर लगातार 1962, 1967 में चुनाव जीतकर मोहन स्वरूप गंगवार ने हैट्रिक बनाई। 1971 में भी मोहन स्वरूप गंगवार प्रजा सोशलिस्ट पार्टी से मोह भंग होने के बाद इंडियन नेशनल कांग्रेस के प्रत्याशी के रूप में चौथी बार चुनाव जीते 1977 छठवीं लोकसभा में भारतीय लोक दल के प्रत्याशी नवाब मोहम्मद समसुल हसन खान जीते 1980 में सातवीं लोकसभा में इंडियन नेशनल कांग्रेस के बरेली निवासी बाबू हरीश गंगवार एडवोकेट चुनाव जीते 1984 आठवीं लोकसभा में कांग्रेसी के बाबू भानु प्रताप सिंह विजई हुए चूंकि पुवाया विधानसभा जब तक पीलीभीत में शामिल रही तब तक यह सीट कुर्मी बाहुल्य सीट के रूप में मशहूर रही इसके बाद 1989 में गांधी जनता दल प्रत्याशी के रूप में विजई हुई 1991 में राम लहर में भाजपा प्रत्याशी डॉक्टर परशुराम गंगवार ने मेनका गांधी को पराजित कर दिया इसके बाद 1996 में मेनका गांधी जनता दल प्रत्याशी के रूप में जीती।1999 में निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में मेनका गांधी जीती। 2004 में मेनका गांधी भाजपा प्रत्याशी के रूप में विजई हुई फिर मेनका गांधी ने अपने पुत्र फिरोज वरुण गांधी को पीलीभीत चुनाव में उतारकर स्वयं आंवला से चुनाव जीत और वरुण गांधी पीलीभीत से सांसद निर्वाचित हुए 2014 में मेनका गांधी थे पीलीभीत से भाजपा की टिकट पर चुनाव जीती और वरुण गांधी सुल्तानपुर से सांसद निर्वाचित हुए। मेनका गांधी को भाजपा सरकार में केंद्रीय मंत्री भी बनाया गया 2019 में मेनका गांधी सुल्तानपुर से सांसद निर्वाचित हुई और वरुण गांधी पीलीभीत से सांसद चुनाव जीतकर संसद पहुंचे लेकिन इस बीच वरुण गांधी के मीडिया में भाजपा मोदी सरकार को असहेज करने वाले बयानों से नाखुश होकर भाजपा ने वरुण गांधी का टिकट काटकर जितिन प्रसाद को भाजपा प्रत्याशी घोषित कर दिया और उन्होंने चुनाव जीतकर भाजपा के भरोसे को कायम रखा।

नजीरगंज में पुरानी ईटों से करा दिया खड़ंजा निर्माण, वीडियो प्रसारित

- एक यूजर ने एक्स अकाउंट पर पोस्ट कर जांच कर कार्रवाई की मांग
- खंड विकास अधिकारी अरुण कुमार का कहना है कि मामला संज्ञान में नहीं है

जन एक्सप्रेस । पूरनपुर

ग्राम पंचायत नजीरगंज में पुरानी ईंटों से खड़ंजा का निर्माण करा कर लाखों रुपए का बंदर बांट कर लिया गया। यह आरोप प्रधान पर लगाया गया है।

कुछ लोगों ने मामले की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर जांच कराकर कार्रवाई की मांग की है।

पूरनपुर विकास खंड क्षेत्र की ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों के नाम पर सरकारी धन के दुरपयोग के मामले आए दिन सामने आते हैं। विभागीय अधिकारियों की संलिप्तता के कारण भ्रष्टाचार पर लगाम नहीं लग पा रही है। आरोप है कि ग्राम प्रधान द्वारा गांव में सड़क के निर्माण में पुरानी ईंटों का प्रयोग किया गया। टूटी और जर्जर हो चुकी ईंटों से कई मीटर खड़ंजा निर्माण करा दिया। कुछ हिस्से में नई ईंट लगाई गई है।

गांव के कुछ लोगों ने प्रधान की पोल खोलते हुए सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल कर दिया। यही नहीं एक्स पर भी डीएम सहित कई अधिकारियों व जनप्रतिनिधि को टैग कर शिकायत की गई है। इसमें मामले की जांच कराकर कार्रवाई की मांग की गई है। खंड विकास अधिकारी अरुण कुमार का कहना है कि मामला संज्ञान में नहीं है। शिकायत मिलने पर जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।

अनुप्रिया को मिली मिर्जापुर की गद्दी

जन एक्सप्रेस । मिर्ज़ापुर। मिर्जापुर की गद्दी पर आखिरकार केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कब्जा जमा लिया। जीत का अंतर भले कम रहा, पर केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने जीत दर्ज कर इतिहास रच दिया। इन्हें कुल 471631 मत मिले। सपा के रमेश चंद बिंद 433286 और बसपा के मनीष कुमार 144279 मत मिले। इसके लिए जिले की लोकसभा सीट के पांच विधानसभा क्षेत्रों में 1352 मतदान केंद्र बनाए गए थे। जिसमें 2143 मतदेय स्थल हैं। जिले में 1906327 मतदाताओं को अपने मताधिकार के प्रयोग करने का मौका मिला। वहीं, शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए जिले को 20 जोन और 188 सेक्टर में बांटा गया था।

भिंडरावाला का पोस्टर लगाने के मामले में गुरुद्वारा प्रमुख प्रधान सहित तीन पर प्राथमिकी

जन एक्सप्रेस । पूरनपुर

> कढ़ैरचौरा चौराहा से पहले खुटार रोड पर स्थित गुरुद्वारा के सामने खालिस्तानी समर्थक जरनैल सिंह भिंडरावाला का साथियों के साथ असलह पकड़े फ्लैक्स बोर्ड लगाया गया था। फ्लैक्स बोर्ड हटाए जाने के लिए 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया गया था। तय समय के बाद भी फ्लैक्स बोर्ड नहीं हटाया गया। गुरुद्वारा प्रमुख प्रधान सहित तीन के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है। खुफिया एजेंसियों की ओर से रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी।
>
> संजीव शुक्ला
> इंस्पेक्टर कोतवाली पूरनपुर।

रुरिया गुरुद्वारा खालसा गेट के सामने लगाए गए जरनैल सिंह भिंडरावाला के फ्लैक्स बोर्ड को हटाए जाने के लिए पुलिस की ओर से दिया गया 24 घंटे का अल्टीमेटम पूरा हो गया। इसके बाद भी फ्लैक्स बोर्ड नहीं हटाया गया। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए गुरुद्वारा प्रधान प्रमुख सहित तीन नामजद के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस का कहना है कि खालिस्तानी आतंकी संगठन प्रमुख जरनैल सिंह भिंडरावाला का पोस्टर लगाकर राष्ट्रीय एकता पर प्रतिकूल प्रभाव डालने का प्रयास हुआ है। रविवार पुलिस को जानकारी मिली कि खुटार रोड स्थित गुरुद्वारा खालसा निवास रुरिया गेट के सामने खालिस्तानी आतंकी संगठन प्रमुख जरनैल सिंह भिंडरावाला की अपने साथियों सहित असलहों के साथ फोटो लगाए जाने की जानकारी पर पुलिस सक्रिय हो गई। पुलिस क्षेत्राधिकारी आलोक सिंह, उप जिलाधिकारी राजेश शुक्ला के साथ मौके पर पहुंचे थे। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि जरनैल सिंह भिंडरावाला खालिस्तान की मांग करने वाला आतंकी संगठन का प्रमुख था। उसके पोस्टर लगाए जाने से विभिन्न वर्गों के संप्रदाय के लोगों में रोष है। यह कृत्य राष्ट्रीय एकता के विरुद्ध भी है।कुछ लोगों द्वारा जानबूझकर धार्मिक स्थल के सामने सार्वजनिक स्थान पर पोस्टर लगाकर समाज के विभिन्न वर्गों में वैमनस्य पैदा करने का प्रयास किया गया है। पुलिस ने पोस्टर हटाने की बात कही। फ्लैक्स बोर्ड हटाए जाने की जानकारी पर जुटे सिख समुदाय के लोगों में रोष फैल गया। उन्होंने फ्लैक्स हटाए जाने से इनकार कर दिया था। पुलिस रविवार गुरुद्वारा कमेटी के लोगों को पोस्टर रिमूव करने के लिए 24 घंटे का अल्टीमेटम देकर वापस लौट आई थी। सोमवार गुरुद्वारा में सिख संगत की मीटिंग हुई। जिसमें अलग अलग गांवों से पूरनपुर इलाके के सैंकड़ों सिख समुदाय के लोगों ने भाग लिया। मीटिंग में गुरमता पास हुआ है कि अगर प्रशासन संत जी की तस्वीर उतारने की बात करता है तो सभी गुरद्वारों में संत जरनैल सिंह खालसा भिंडरावाले की तस्वीर के होर्डिंग लगाए जायेंगे। पुलिस की ओर से दिए गए अल्टीमेटम के बाद भी गुरुद्वारा गेट के सामने से जरनैल सिंह भिंडरावाला का पोस्टर नहीं हटाया गया। पुलिस ने गुरुद्वारा प्रमुख प्रधान सहित तीन नामजद के विरुद्ध 153क्ष(2) (धार्मिक स्थल आदि में किया गया अपराध) की धारा में प्राथमिकी दर्ज की है।

प्रेक्षकगणों एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशन में सकुशल एवं शान्ति पूर्ण ढ़ंग से सम्पन्न हुई मतगणना

- मेनका वरुण का गढ़ कह जाने वाले पीलीभीत में जितिन के जीत का भी चला जादू
- भाजपा के सभी विधायक सहित नगर पालिका परिषद अध्यक्ष आस्था अग्रवाल ने मंडी स्थल पहुंचकर दी बधाई

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

प्रेक्षकगणों एवं जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी संजय कुमार सिंह के नेतृत्व में आज जनपद में सकुशल, शान्तिपूर्ण, लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 की मतगणना मण्डी परिसर पीलीभीत में सम्पन्न हुई।

आज मतगणना प्रातः 8:00 बजे से प्रेक्षकगणों की उपस्थिति में उम्मीदवारों/नामित प्रतिनिधियों की उपस्थिति में प्रारम्भ हुई। मतगणना प्रारम्भ होने से पूर्व प्रत्याशियों की उपस्थिति में स्ट्रांगरूम की सील खोलने के उपरान्त निर्धारित समयानुसार ईवीएम मतगणना हेतु मतगणना टेबिल पर ले जाकर प्रारम्भ की गई। मतगणना कडी सुरक्षा व्यवस्था एवं सीसीटीवी के कैमरों की निगरानी में सम्पन्न हुई। प्रत्येक राउण्ड की गणना के उपरान्त सम्बन्धित उम्मीदवार के मतगणना एजेन्टों को सूचना उपलब्ध कराते हुये सकुशल सम्पन्न की गई।

इस दौरान प्रेक्षकगणों एवं जिला निर्वाचन अधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा नियमित रूप से विधानसभा वार मतगणना स्थल का निरीक्षण किया तथा राउण्ड वार प्रगति की समीक्षा की गई। लोकसभा सामान्य निर्वाचन -2024 में जनपद की लोकसभा सीट पर भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार जितिन प्रसाद विजयी हुये। जिसमें भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार जितिन प्रसाद को 607158 एवं सपा प्रत्याशी भगवत सरन गंगवार को 442223 को वोट प्राप्त हुये।

मेनका और वरुण गांधी के घर में जितिन प्रसाद का छाया जादू

बताते चले की मेनका गांधी और वरुण गांधी के गढ़ कहने जाने वाले पीलीभीत में भाजपा का कब्जा आखिरकार बरकरार रहा जितिन प्रसाद ने 164935 मतों से जीत दर्ज की और इनकी चीज से भाजपाइयों में जश्न का माहौल हो गया और सभी रामलीला ग्राउंड में दोपहर में पहुंचकर जीत का जश्न मनाने लगे इस दौरान भाजपाइयों ने ढोल पर नाचते हुए जय श्री राम के नारे लगाए हां की हालांकि भाजपा प्रत्याशी जितिन प्रसाद ने मंडी स्थल स्थित मंदिर पहुंचकर भगवान के आगे माथा टेका और भगवान का आशीर्वाद लिया। बताते चले की पीलीभीत संसदीय क्षेत्र में पांच विधानसभा क्षेत्र पीलीभीत, बरखेड़ा, बीसलपुर, पूरनपुर और बहेड़ी शामिल हैं। बहेड़ी की मतगणना बरेली में तथा अन्य शेष की मतगणना पीलीभीत के मंडी स्थल पर हुई। हालांकि जितिन प्रसाद की जीत के बाद सभी विधायक एवं नगर पालिका परिषद अध्यक्ष आस्था अग्रवाल तथा लगभग समस्त भाजपा कार्यकर्ताओं ने मंडी समिति स्थल पहुंचकर फूल माला पहनकर मिठाई खिलाकर जितिन प्रसाद को बधाई दी।

उन्नाव फिर खिला कमल, साक्षी महाराज ने लगाई हैट्रिक, 35818 मतों से दर्ज की जीत

जन एक्सप्रेस । उन्नाव

भाजपा प्रत्याशी और निवर्तमान सांसद साक्षी महाराज ने 35,818 मतों से जीत दर्ज की। इसके साथ ही साक्षी महाराज ने जीत की हैट्रिक लगाते हुए फिर कमल खिलाया। साक्षी महाराज इससे पहले 2014 व 2019 का लोकसभा चुनाव जीते चुके हैं। वहीं, सपा-कांग्रेस गठबंधन प्रत्याशी अन्नू टंडन को लगातार तीसरे चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। दही चौकी स्थित वेयरहाउस में बनाए गए मतगणना स्थल पर मंगलवार सुबह आठ बजे से वोटों की गिनती शुरु हुई। सबसे पहले पोस्टल बैलेट की गिनती प्रारंभ हुई। आधे घंटे बाद ईवीएम खोलने का काम शुरू हुआ। 33 राउंड तक चली गणना काफी उतार-चढ़ाव भरी रही। शाम चार बजे घोषित हुए अंतिम परिणाम में भाजपा उम्मीदवार साक्षी महाराज को 6,16,133 मत मिले। वहीं, सपा-कांग्रेस गठबंधन प्रत्याशी अन्नू टंडन को 5,80,315 मतों से संतोष करना पड़ा। बसपा प्रत्याशी अशोक कुमार पांडेय को 72,069 वोट मिले। चुनाव प्रेक्षक बाबू ए व जिला निर्वाचन अधिकारी गौरांग राठी ने 35,818 मतों से जीत दर्ज करने वाले साक्षी महाराज को प्रमाणपत्र दिया।

9406 वोटरों ने दबाया नोटा

लोकसभा चुनाव-2024 में कुल आठ प्रत्याशियों ने ताल ठोंकी थी। इसमें तीन प्रमुख दल से थे तो शेष अन्य छोटे दल व निर्दलीय थे। भाजपा व सपा-कांग्रेस गठबंधन को छोड़कर अन्य प्रत्याशियों की हालत खराब रही। वहीं, 9406 वोटरों ने नोटा का बटन दबाया।

बसपा, छोटे दलों व निर्दलीय को मिले मत

- बसपा- अशोक कुमार पांडेय- 72,069
- परचम पार्टी आफ इंडिया- सैफ खान- 8379
- भारतीय शक्ति चेतना पार्टी- हिमांशु शर्मा- 2650
- निर्दलीय- उमेश- 5612
- निर्दलीय- शिव प्रकाश सिंह- 4101
- निर्दलीय- सैय्यद सरफराज गांधी- 3011

बसपा प्रत्याशी समेत छह की जमानत जब्त

लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा प्रत्याशी साक्षी महाराज ने 35818 वोटों से जीत दर्ज की। उन्होंने गठबंधन प्रत्याशी अन्नू टंडन को हराया। जबकि बसपा समेत छह प्रत्याशियों की जमानत राशि भी जब्त हो गई। निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के अनुसार, किसी भी चुनाव में पड़े कुल वैध वोट का छठा हिस्सा न मिलने पर प्रत्याशी की जमानत राशि जब्त हो जाती है। नामांकन के दौरान ही निर्धारित 25 हजार की जमानत राशि प्रत्याशी को जमा करनी पड़ती है। उन्नाव लोकसभा चुनाव में कुल 13,02,271 मतदाताओं ने मतदान किया था, जिसके सापेक्ष जमानत राशि बचाने के लिए प्रत्याशी को लगभग 2,17,045 वोट चाहिए थे। हालांकि रनर रहीं सपा-कांग्रेस गठबंधन प्रत्याशी अन्नू टंडन को ही पांच लाख से अधिक वोट मिले। जबकि बसपा के अशोक कुमार पांडेय को मात्र 72,069 वोटों से ही संतोष करना पड़ा। इसके अलावा शेष अन्य पांच प्रत्याशी तो 10 हजार वोटों का आंकड़ा भी नहीं छू सके। इसके चलते छह प्रत्याशियों को नामांकन के दौरान जमा की गई जमानत राशि अब वापस नहीं हो सकेगी। निर्वाचन आयोग द्वारा इस धनराशि को जब्त कर लिया जाएगा।

जिला अस्पताल की ओपीडी में मरीजों की भीड़, धक्का-मुक्की

जन एक्सप्रेस । उन्नाव

गर्मी ने बेहाल कर दिया है, लोग संक्रामक बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। सोमवार को जिला अस्पताल की ओपीडी में भारी भीड़ रही। तीमारदारों और मरीजों में विवाद और धक्का-मुक्की होती रही। पर्चा काउंटर पर रजिस्ट्रेशन कराने के लिए मारामारी रही। सोमवार को जिला अस्पताल में 1834 मरीज इलाज के लिए पहुंचे। ओपीडी निर्धारित समय सुबह आठ बजे से शुरू हुई। सुबह से मरीजों की लाइन लगाना शुरू हो गई। पर्चा काउंटर से लेकर दवा वितरण कक्ष तक मरीजों की दोपहर तक भीड़ रही। ओपीडी में नौ बजे के बाद भीड़ अधिक होने से पहले डॉक्टर को दिखाने की होड़ में मरीज और उनके तीमारदारों में धक्का-मुक्की हुई। इसके बाद कुछ लोगों ने हंगामा करना शुरू कर दिया। किसी तरह डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मियों ने मामला शांत कराया। वहीं, पर्चा काउंटर पर 10 बजे के बाद रजिस्ट्रेशन कराने वालों की एकदम से भीड़ बढ़ गई। इस दौरान दो मरीज लाइन तोड़कर पहले रजिस्ट्रेशन कराने लगे। लाइन में लगे अन्य मरीजों ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया। थोड़ी देर में कहासुनी और धक्का-मुक्की होने लगी। रजिस्ट्रेशन काउंटर पर तैनात स्वास्थ्य कर्मियों ने मरीजों को समझाकर मामला शांत कराया।

पेट दर्द, डायरिया, बुखार के मरीज अधिक

डॉक्टरों के अनुसार, गर्मी के कारण लोग बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। ज्यादातर लोग पेटदर्द, डायरिया, सर्दी-जुकाम, बुखार और खासी से पीड़ित हो रहे हैं। जिन लोगों में रोग प्रतिरोधक क्षमता कम है, वह जल्दी बीमार हो रहे हैं। फिजीशियन डॉ. कौशलेंद्र प्रकाश ने बताया कि विटामिन सी से भरपूर खाद्य पदार्थों को डाइट में शामिल करना चाहिए। शहद, अदरक, तुलसी के पत्ते, अखरोट और बादाम में एंटीऑक्सीडेंट की मात्रा भरपूर होती है। इसके अलावा, एलोवेरा और नींबू में विटामिन-सी काफी मात्रा में होता है। इन चीजों से रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है। खाने-पीने के दौरान साफ सफाई का ध्यान रखने से भी वायरल और बैक्टीरियल इंफेक्शन से बचा जा सकता है।

आधा घंटा बाधित रही सीटी स्कैन जांच

जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में सीटी स्कैन मशीन का संचालन सुबह आठ बजे शुरू हो जाता है। सोमवार को 11 बजे इंटरनेट चले जाने से मशीन का संचालन बंद हो गया। सोमवार को भीड़ अधिक होने से मरीज परेशान हो गए। करीब आधा घंटा बाद इंटरनेट शुरू हुआ। तब जाकर मशीन का संचालन शुरू हो सका। इस दौरान कई मरीज मायूस होकर लौट गए।

फास्ट फॉरवर्ड

भागवत कथा में पांच महिलाओं के जेवरात पार

जन एक्सप्रेस/इटावा। कस्बा के कौशल्या वाटिका में चल रही भागवत में रविवार देर शाम को आरती के दौरान धक्का मुक्की के बीच पांच महिलाओं के जेवर छिन गए। मामले में देर रात को ग्रामीणों ने आगरा की तीन महिलाओं को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। अयाना के ग्राम प्रधान छोटे लाल गुप्ता द्वारा कौशल्या वाटिका में भागवत कथा करवाई जा रही है। रविवार शाम को कृष्ण जन्म के दौरान पंडाल में करीब 1000 लोगों की भीड़ मौजूद थी। देर शाम को आरती के दौरान प्रसाद वितरण के दौरान हुई धक्का मुक्की में कथा सुनने आईं गांव की प्रेमा देवी व राधिका की जंजीर, माया देवी, कमलेश कुमारी व रीमा परिहार के मंगल सूत्र छिन गए। इसकी जानकारी आयोजक को देने पर प्रधान पुत्र सुरेंद्र गुप्ता ने गेस्ट हाउस के गेट बंद कर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की। जानकारी न होने पर गेट खोल दिया गया। गेट खुलते ही तीन महिलाएं सड़क के रास्ते न जाकर खेतों से जाने लगीं। ग्रामीणों को शक होने पर उन्हें पेट्रोल पंप के पास से पकड़ लिया। पूछताछ में महिलाओं ने आगरा की रहने वाली बताया। मौके पर पहुंची पुलिस तीनों को पकड़कर थाना ले गई। पकड़ी गईं महिलाओं से पूछताछ में मिली जानकारी पर पुलिस ने मौके से भाग निकले कार चालक व दो महिलाओं को कार समेत टूंडला टोल टैक्स के पास से पकड़ लिया। मामले में सोमवार दोपहर को नारी सबला शक्ति संगठन की अध्यक्ष रानी सेंगर ने पीड़ित महिलाओं व ग्रामीणों के साथ थाना पहुंचकर घटना की तहरीर दी। थाना प्रभारी जय प्रकाश पाल ने बताया कि पकड़ी गई महिलाओं से घटना को लेकर पूछताछ की जा रही हैं। साथ ही मौके पर एक कार बरामद की गई है। जिसकी जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ब्रेक शू जाम होने से 30 मिनट तक खड़ी रही मालगाड़ी

जन एक्सप्रेस/औरैया। सोमवार की दोपहर तकरीबन दो बजे के बाद रेलवे फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) रेलवे ट्रैक पर इटावा से कानपुर जा रही मालगाड़ी के एक वैगन के ब्रेक-शू जाम हो गए। जानकारी होते ही लोको पायलट ने मालगाड़ी को कंचौसी स्टेशन व रेलवे क्रासिंग के बीच रोक दिया। लगभग 30 मिनट बाद मालगाड़ी को गंतव्य के लिए रवाना किया गया। दिल्ली-हावड़ा रेल रूट पर मालगाड़ियों के लिए डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर बना है। सोमवार को इटावा से कानपुर सेंट्रल आ रही मालगाड़ी के एक वैगन के पहियों के ब्रेक-शू जाम होने से दिक्कत महसूस होने पर लोको पायलट ने मालगाड़ी को मेन लाइन पर रोक दिया। साथ ही सतर्कता दिखाते हुए स्टेशन मास्टर को सूचना दी। इस बीच पीछे से आ रही एक मालगाड़ी को आउटर रोका गया। इस घटना का असर यात्री ट्रेनों पर नहीं पड़ा। जानकारी होते ही न्यू कंचौसी से पहुंचे कैरिज एंड वैगन के कर्मचारियों ने एक दूसरे से सटे ब्रेक-शू को अलग करते हुए तकनीकी परीक्षण किया। इसके बाद गंतव्य को मालगाड़ी रवाना हो सकी। इसके साथ ही आउटर पर रोकी गई मालगाड़ी को पास कराया जा सका। इस संबंध में स्टेशन अधीक्षक नवाना वांचे ने बताया कि ब्रेक शू जाम होने से मालगाड़ी खड़ी रही थी। रेलवे क्रॉसिंग पर जाम लगने से वाहन सवार एक घंटे तक जाम में फंसे रहे। दोपहर 3:10 पर यातायात सुचारू हो सका।

एक ही दुपट्टे के फंदे से लटके मिले युवक-युवती के शव

जन एक्सप्रेस/औरैया। थाना क्षेत्र के नगला निवी गांव में खेत के किनारे पेड़ से युवक-युवती के शव एक ही दुपट्टे से बने फंदे से लटके मिले। सूचना पर पहुंची पुलिस व फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस को प्राथमिक जांच में पता चला कि दोनों में काफी समय से प्रेम प्रसंग था। युवक शादीशुदा था, वहीं, युवती के घरवाले उसकी शादी कहीं और तय कर रहे थे। प्रेम परवान न चढ़ते देखकर दोनों ने आत्मघाती कदम उठा लिया। गांव नगला निवी निवासी सर्वेश शाक्य की 18 वर्षीय पुत्री करिश्मा रविवार रात लापता हो गई थी। वहीं, गांव निवासी बालेश्वर कमल का पुत्र नीलेश (25) भी रविवार रात से लापता था। दोनों के परिजन देर रात तक खोजबीन करते रहे, लेकिन नहीं मिलने पर पुलिस के पास पहुंचे। पुलिस ने नीलेश के मोबाइल की जांच की तो गांव के बाहर लोकेशन मिली। सोमवार सुबह गांव निवासी चौकीदार रामऔतार ने गांव के बाहर खेत पर जाते समय पेड़ से करिश्मा व नीलेश के शव दुपट्टे के फंदे पर लटके देखे। मौके पर परिजनों के साथ अपर पुलिस अधीक्षक दिगंबर कुशवाहा व सीओ अशोक कुमार फोरेंसिक टीम के साथ पहुंचे। नीलेश के परिजनों ने एएसपी को बताया कि उसकी दो साल पहले शादी हुई थी, लेकिन शादी के बाद भी नीलेश व करिश्मा आपस में मिलते-जुलते थे। जिसके बारे में सभी को जानकारी थी। सीओ बिधूना अशोक कुमार ने बताया कि ग्रामीणों व परिजनों ने पूछताछ में बताया कि दोनों में काफी समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मामला स्पष्ट हो जाएगा। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महिला सहित चार मादक पदार्थ तस्कर गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस/मैनपुरी। थाना दन्नाहार पुलिस ने सिरसागंज रोड से मंगलवार की सुबह एक महिला सहित चार मादक पदार्थ तस्कर गिरफ्तार किए। इनके कब्जे से 56 किलो गांजा और परिवहन के लिए इस्तेमाल की गई कार बरामद हुई। पकड़े गए सभी आरोपी अलीगढ़ के रहने वाले हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करने के बाद मादक पदार्थ तस्करों को चालान करने के बाद न्यायालय में पेश किया। थानाध्यक्ष चंद्रपाल सिंह को मंगलवार की सुबह सूचना मिली कि एक संदिग्ध कार में एक महिला सहित चार लोग सिरसागंज रोड पर मौजूद हैं। इनकी गतिविधि संदिग्ध लग रही है। इस सूचना पर थानाध्यक्ष ने मुख्य आरक्षी पदम गोस्वामी व टीम के साथ बताए गए स्थान पर घेराबंदी की। कार में मौजूद सभी चार लोगों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। कार की तलाशी के दौरान दो बोरा में करीब 56 किलो गांजा बरामद हुआ। पुलिस महिला सहित सभी चार मादक पदार्थ तस्कर को थाने ले आई। वहां पूछताछ करने के बाद तस्करों ने अपने नाम ओमवीर निवासी कुलदीप विहार थाना महुआ खेड़ा अलीगढ, सुभाष बघेल निवासी रजावल थाना गोंडा अलीगढ, हरेंद्र सिंह निवासी रजावल थाना गोंडा अलीगढ और महिला ने अपना नाम लता कुमारी निवासी बाबा कॉलोनी धनीपुर मंडी अलीगढ़ बताया। एसपी विनोद कुमार ने बताया कि पकड़ा गया ओमवीर पहले भी मादक पदार्थ तस्करी के मामले में अलीगढ़ से जेल जा चुका है। उसके खिलाफ करीब 15 से अधिक आपराधिक मामले विभिन्न थानों में दर्ज हैं। उसके खिलाफ थाना खैर और अकराबाद थाने से गैंगस्टर की कार्रवाई भी की जा चुकी है। तस्कर अपने साथ एक महिला को भी लाए थे। ताकि कोई उन पर शक न करे। पकड़े गए मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। सभी को चालान करने के बाद न्यायालय में पेश किया गया।

करहल या कन्नौज अब कहां होगा अखिलेश का ठिकाना

जन एक्सप्रेस । मैनपुरी

कन्नौज वह सीट है जहां से अखिलेश पहली बार सांसद बने और करहल से पहली बार विधायक। इस बार वे करहल से विधायक भी हैं और अब कन्नौज के नए सांसद भी। ऐसे में उनका नया ठिकाना कहां होगा इसकी लोगों के बीच चर्चा है। छह माह में उन्हें अपना निर्णय लेकर एक सीट छोड़नी होगी। खाली हुई सीट पर चुनाव आयोग उप चुनाव कराएगा। पूर्व सीएम और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सियासी पारी कन्नौज से ही शुरू की थी। ये बात वर्ष 2000 की है, जब मुलायम सिंह यादव के सीट छोड़ने के बाद यहां उप चुनाव हुआ था। सपा ने अखिलेश यादव को प्रत्याशी बनाया और वे जीतकर सांसद भी बने। लगातार तीन बार वे यहां से सांसद चुने गए। 2012 में मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने ये सीट छोड़ दी थी। इसके बाद डिंपल यादव यहां से सांसद रहीं। वहीं 2022 में जब विधानसभा चुनाव लड़ने की बात आई तो अखिलेश ने करहल को चुनाव। करहल से वे वर्तमान में विधायक हैं और सदन में नेता प्रतिपक्ष हैं। ये पहली बार था जब अखिलेश ने विधानसभा चुनाव लड़ा। अब वे कन्नौज से एक बार फिर से सांसद बन गए हैं। अब उन्हें एक सीट छोड़ने का निर्णय करना होगा। ऐसे में वे कन्नौज छोड़ते हैं या करहल इसकी चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया है। न करहल के मतदाता चाहते हैं कि अखिलेश यादव सीट छोड़े और न कन्नौज के। ऐसे में अखिलेश को ये निर्णय बहुत सोच-समझकर लेना होगा।

सरकार बनी तो दिल्ली जाने की भी हैं चर्चाएं

अखिलेश यादव को लेकर कई तरह की चर्चाएं सियासी गलियों में चल रही हैं। इन चर्चाओं के अनुसार अगर केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनती है तो अखिलेश यादव दिल्ली जाएंगे। ऐसे में वे करहल सीट छोड़ेंगे। वहीं अगर केंद्र में सरकार नहीं बनती है तो वे सदन में नेता प्रतिपक्ष की ही भूमिका निभाएंगे। इसके लिए उन्हें कन्नौज लोकसभा सीट से इस्तीफा देना होगा।

खूब कराया दलबदल, नहीं खिल सका कमल

जन एक्सप्रेस । मैनपुरी

लोकसभा सीट मैनपुरी जीतने को भाजपा ने इस बार प्रदेश के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह को चुनाव मैदान में उतारा। चुनाव दौरान खूब दलबदल भी हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त और गृह मंत्री अमित शाह ने व्यक्तिगत सभाएं कीं। भाजपा लंबे समय से सीट जीतने को छटपटा रही है। कमल खिलाने को भाजपा ने कई बार माली तक बदला है। भाजपा की तमाम कवायद सपा के गढ़ में कमल नहीं खिला सकी है। वर्ष 1991 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने पहली बार प्रत्याशी मैदान में उतारा था। भाजपा प्रत्याशी दूसरे नंबर पर रहा था। उसके बाद से 10 बार लोकसभा के आम चुनाव हो चुके हैं। मैनपुरी में तो वर्ष 2004, 2014 और 2022 में उप चुनाव तक हो चुका है। भाजपा ने स्थानीय से लेकर बाहरी प्रत्याशी तक पर दांव लगाया है।

डंपर की टक्कर से सो रहे चालक पर चढ़ा ट्रक, मौत

जन एक्सप्रेस । उन्नाव

असोहा-भल्लाफार्म मार्ग पर शाहाबाद गांव के पास खड़े ट्रक में डंपर ने टक्कर मार दी। ट्रक के पास लेटे दूसरे ट्रक के चालक पर पहिया चढ़ने से उसकी मौत हो गई। हादसे में चार लोग घायल हुए हैं। जिन्हें स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। कानपुर नगर के बिधनू थानाक्षेत्र के गांव शंभुआ निवासी मेवालाल का पुत्र राजू (25) ट्रक चालक था। रविवार रात करीब 1:30 बजे वह गांव के ही क्लीनर रामराज के साथ हमीरपुर से मौरंग लादकर लखनऊ जा रहा था। असोहा-भल्लाफार्म मार्ग पर शाहाबाद गांव के पास ट्रक का पिछला पहिया पंक्चर हो गया था। इस पर ट्रक चालक व क्लीनर ट्रक के बगल में गमछा बिछाकर लेट गए। ट्रक के पीछे दूसरा ट्रक भी खड़ा करवा दिया। तभी भल्लाफार्म की ओर से आ रहे डंपर ने खड़े ट्रक में टक्कर मार दी। इससे ट्रक के बगल में लेटे राजू पर ट्रक का पहिया चढ़ गया और उसकी मौत हो गई। वहीं चालक के बगल में लेटा क्लीनर रामराज, दूसरे ट्रक का चालक संजीव, क्लीनर राजीव और डंपर चालक घाटमपुर के जियापुर निवासी रामसेवक को चोटें आईं। पुलिस ने घायलों को सीएचसी पहुंचाया। पति की मौत से पत्नी आकांक्षा, मां गुलाबदेई, बड़ा भाई विजय सहित अन्य परिजन बेहाल हैं। एसओ रामऔतार ने बताया कि डंपर को कब्जे में लिया गया हैं। डंपर चालक समेत चार घायल हैं। जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया हैं। तहरीर मिलने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

मकान में नकब लगाकर जेवर नकदी चोरी

जन एक्सप्रेस । मैनपुरी

नगला पैंठ में चोरों ने सोमवार की रात एक मकान के पिछले हिस्से में नकब लगाकर चोरी की वारदात को अंजाम दी। चोरी करीब तीन लाख रुपये के जेवर और नकदी आदि चोरी कर ले गए। मंगलवार की सुबह जानकारी मिलने के बाद पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जानकारी जुटाई। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है। थाना क्षेत्र के नगला पैंठ गांव निवासी अतुल कुमार सोमवार की रात खाना खाने के बाद पत्नी और बच्चों के साथ छत पर सोने के लिए चले गए थे। रात में किसी समय चोरों ने मकान के पिछले हिस्से में नकब लगा दिया। कमरे में प्रवेश कर उसमें रखी अलमारी और बक्सा के ताले तोड़ कर करीब तीन लाख रुपये के जेवर और 60 हजार रुपये की नकदी चुरा ले गए।

इटावा लोकसभा सीट पर 33 साल बाद कांग्रेस और सपा का गठबंधन सफल, भाजपा हारी

जन एक्सप्रेस । इटावा

इटावा लोकसभा सीट पर गठबंधन का प्रयोग 33 साल बाद एक बार सफल साबित हुआ है। इससे पहले सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव और बसपा संस्थापक कांशीराम के बीच समझौता होने पर इस प्रयोग ने सफलता पाई थी। मोदी लहर में दो बार यह सीट लगातार भाजपा के पाले में रही। इस बार इंडिया गठबंधन ने भाजपा को करारी शिकस्त दी। राजनीतिक गलियारों में इटावा लोक सभा सीट की एक अलग ही पहचान है। इससे जो भी प्रत्याशी जीतता है वह देश का हर एक नेता की नजर में आ जाता है। कारण यह सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के क्षेत्र के रूप में जाना जाता है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राजनीतिक दलों के गठबंधन कर प्रदेश भर में राजनीतिक दांवपेच की अपनी पहचान बना ली है। तो वहीं इटावा सीट पर किया गया गठबंधन का प्रयोग पूरी तरह 33 साल बाद सफल हुआ। इटावा सीट के लिए औरैया सदर से सपा को कुल एक लाख 80 हजार 52 मत मिले। जबकि भाजपा को एक लाख 48 हजार 894 वोट ही मिल सके। इस प्रकार दोनों विधान सभाओं से कुल 31 हजार 158 मतों का अंतर रहा। यही स्थित कन्नौज लोकसभा सीट के लिए विधान सभा में भी रही। यहां सपा को एक लाख 19 हजार 843 और भाजपा को 80 हजार सात वोट ही प्राप्त हो सके। इससे पहले इस सीट पर सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव और बसपा संस्थापक कांशीराम के गठबंधन कर सफलता पाई थी। वर्ष 1991 में राम मंदिर लहर में सपा और बसपा ने इटावा में भाजपा की लहर को रोकने का काम किया था। बसपा संस्थापक कांशीराम ने इटावा लोक सभा सीट से किस्मत आजमाई थी। इससे पहले वह 1988 में इलाहाबाद और 1989 में पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट से हार का सामना कर चुके थे। 1991 में यादवों का गढ़ मानी जाने वाली इटावा सीट से कांशीराम चुनाव मैदान में उतरे। सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के सहयोग से सफलता भी पाई। उस समय उन्होंने भाजपा के प्रत्याशी लाल सिंह वर्मा को 20 हजार से अधिक मतों से पराजित किया था। मालूम हो कि वर्ष 2019 के चुनाव में सपा और बसपा का गठन काम नहीं आया था। नरेंद्र मोदी की लहर के आगे यह गठबंधन पूरी तरह फेल साबित हुआ था। जिसके चलते भाजपा प्रत्याशी ने दी अपनी जीत दर्ज कराई थी। लेकिन इस बार इंडिया गठबंधन की रणनीति के चलते भाजपा को इटावा लोकसभा सीट को लेकर औरैया जिले में मुंह की खानी पड़ी।

बदल गया समीकरण

भाजपा इस सीट पर सवर्ण, अन्य पिछड़े और दलित आदि जातियों के सहारे जीत का दम भर रही थी। तो वहीं मोदी सरकार की योजनाओं को भुनाने का प्रयास भी कर रही थी। तो वहीं सपा इस बार अपना वोट बैंक को पाने में कामयाब रही ही। साथ ही अन्य वर्गों का वोट भी अपने पक्ष में करने में कामयाब रही। बतादें कि इटावा सीट पर लगभग साढ़े चार लाख दलितों की आबादी है। जिसके चलते यह सीट आरक्षित की गई है।

शाम को भंडारे में लोगों को परोसा खाना... सुबह फंदे पर लटके मिले प्रेमी युगल, एक ही गांव के रहने वाले थे

जन एक्सप्रेस । मैनपुरी

मंगलवार की सुबह एक युवक और एक किशोरी का शव नीम के पेड़ पर दुपट्टे के फंदे पर लटका मिला। दोनों गांव के ही रहने वाले प्रेमी -प्रेमिका थे। सोमवार की रात गांव में आयोजित भंडारे में शामिल होने के बाद लापता हो गए थे। सूचना मिलने के बाद पहुंची पुलिस ने जानकारी जुटाई। युवक और किशोरी के शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे। घटना कोतवाली क्षेत्र के कड़ेराहार गांव की है। गांव निवासी युवक और गांव की ही रहने वाली किशोरी के बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था। इसकी भनक दोनों के परिजन को भी लग चुकी थी। इसके बाद दोनों पर परिजन ने सख्ती की तो सोमवार की रात दोनों गांव में आयोजित भंडारे से लापता हो गए। परिजन ने उनकी तलाश भी की लेकिन पता नहीं लग सका। मंगलवार की सुबह दोनों के शव गांव के बाहर एक पेड़ पर दुपट्टे के फंदे पर लटके मिले। इसकी जानकारी मिलने के बाद दोनों के परिजन मौके पर पहुंच गए। सूचना मिलने के बाद एएसपी राहुल मिठास पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। मौके पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से जांच के लिए नमूने एकत्र किए। इसके बाद पुलिस ने दोनों के शव फंदे से उतरवाने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजे। युवक और किशोरी के खुदकुशी मामले को लेकर दोनों के परिजन चुप्पी साधे हुए हैं। वही पुलिस ने मंगलवार को शवों का पोस्टमार्टम कराया। इसके बाद अंतिम संस्कार के लिए परिजन ने सुपुर्द कर दिए गए।

पुलिस ने भी की थी तलाश

गांव में आयोजित भंडारे में युवक व किशोरी रात के 9 बजे तक लोगों को खाना खिलाते हुए देखे गए थे। इसके बाद से ही लापता हो गए थे। परिजन ने रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड व हर संभावित स्थान पर दोनों की तलाश की। यूपी 112 को भी देर रात सूचना देकर गांव बुलाया गया। पुलिस ने भी तलाश की लेकिन दोनों के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी थी। मंगलवार की सुबह गांव के बाहर उनके शव नीम के पेड़ पर लटके मिले। दोनों ने दुपट्टे को फाड़ने के बाद उसी की रस्सी बनाई थी। इसी का फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। घटना के बाद से ही गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है।

फंदे पर लटके मिले प्रेमी युगल के शव

जन एक्सप्रेस । मैनपुरी

एक गांव में मंगलवार की सुबह एक युवक और एक किशोरी का शव नीम के पेड़ पर दुपट्टे के फंदे पर लटका मिला। दोनों गांव के ही रहने वाले प्रेमी -प्रेमिका थे। सोमवार की रात गांव में आयोजित भंडारे में शामिल होने के बाद लापता हो गए थे। सूचना मिलने के बाद पहुंची पुलिस ने जानकारी जुटाई। युवक और किशोरी के शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव कड़ेराहार निवासी युवक और गांव की ही रहने वाली किशोरी के बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था। इसकी भनक दोनों के परिजन को भी लग चुकी थी। इसके बाद दोनों पर परिजन ने सख्ती की तो सोमवार की रात दोनों गांव में आयोजित भंडारे से लापता हो गए। परिजन ने उनकी तलाश भी की लेकिन पता नहीं लग सका। मंगलवार की सुबह दोनों के शव गांव के बाहर एक पेड़ पर दुपट्टे के फंदे पर लटके मिले। इसकी जानकारी मिलने के बाद दोनों के परिजन मौके पर पहुंचगए। सूचना मिलने के बाद एएसपी राहुल मिठास पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। मौके पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से जांच के लिए नमूने एकत्र किए। इसके बाद पुलिस ने दोनों के शव फंदे से उतरवाने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजे। युवक और किशोरी के खुदकुशी मामले को लेकर दोनों के परिजन चुप्पी साधे हुए हैं। वही पुलिस ने मंगलवार को शवों का पोस्टमार्टम कराया। इसके बाद अंतिम संस्कार के लिए परिजन ने सुपुर्द कर दिए गए।

पुलिस ने भी की थी तलाश

गांव में आयोजित भंडारे में युवक व किशोरी रात के 9 बजे तक लोगों को खाना खिलाते हुए देखे गए थे। इसके बाद से ही लापता हो गए थे। परिजन ने रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड व हर संभावित स्थान पर दोनों की तलाश की। यूपी 112 को भी देर रात सूचना देकर गांव बुलाया गया। पुलिस ने भी तलाश की लेकिन दोनों के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी थी। मंगलवार की सुबह गांव के बाहर उनके शव नीम के पेड़ पर लटके मिले। दोनों ने दुपट्टे को फाड़ने के बाद उसी की रस्सी बनाई थी। इसी का फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। घटना के बाद से ही गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है।

भाजपा नेता व अन्य के विरुद्ध जानलेवा हमले की रिपोर्ट दर्ज

जन एक्सप्रेस । मैनपुरी

मोहल्ला छपट्टी निवासी अधिवक्ता और साथी पर हमले और लाठी-डंडों से पीटने के मामले में पुलिस ने भाजपा नेता व जिला पंचायत सदस्य व साथियों के खिलाफ जानलेवा हमला सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। 31 मई को हुई इस घटना के बाद लगातार अधिवक्ता शिकायत दर्ज करने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर थे। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला छपट्टी निवासी अधिवक्ता विकास कुलश्रेष्ठ 31 मई की रात स्टेशन रोड स्थित अपने चैंबर से घर जा रहे थे। तभी वंशीगोहरा में भाजपा नेता व जिला पंचायत सदस्य शिवम सिंह उर्फ रवी निवासी उत्तरी छपट्टी, राकेश बाथम निवासी वंशीगोहरा, अनुज यादव उर्फ डब्बू व चार अन्य लोगों ने गाली गलौज कर रोक लिया था। इन लोगों ने अधिवक्ता से अपने साथी गोल्डी को बुलाने के लिए कहा था। गोल्डी के आने के बाद भाजपा नेता व साथियों ने दोनों पर जानलेवा हमला करते हुए पीटना शुरू कर दिया। इस दौरान गोल्डी वहां से भाग निकला और आरोपियों ने विकास के सिर पर धारदार हथियार से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इस दौरान अधिवक्ता के पिता राजीव कुलश्रेष्ठ अपने भाई गोपाल कुलश्रेष्ठ के साथ वहां पहुंचे। विरोध किया तो भाजपा नेता व साथी असलहा दिखाकर जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए थे।

‘भारत के लोकतंत्र की जीत’

पीएम मोदी बोले, देश की करोड़ों माताओं-बहनों ने मां की कमी खलने नहीं दी, इनसे मिली नई प्रेरणा

चंद्रबाबू-नीतीश का नाम लिया, कहा, जनता का ऋणी, उन्होंने एनडीए पर तीसरी बार भरोसा: मोदी

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

एनडीए के तीसरी बार सरकार बनने के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को भाजपा मुख्यालय पहुंचे। उन्होंने स्पीच की शुरुआत भारत माता की जय और जय जगन्नाथ से की। उन्होंने कहा, इस आशीर्वाद के लिए मैं समस्त देश वासियों का ऋणी हूं। आज बड़ा मंगल है। इस पावन दिन एनडीए की लगातार तीसरी बार सरकार बननी तय है। उन्होंने कहा- देशवासियों ने भाजपा पर एनडीए पर पूर्ण विश्वास जताया है। आज की ये विजय दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की जीत है। ये भारत के संविधान पर अटूट निष्ठा की जीत है। ये विकसित भारत के प्रण की जीत है। ये सबका साथ, सबका विकास मंत्र की जीत है। प्रधानमंत्री ने आंध्र प्रदेश के पूर्व ष्टरूचंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार का भी नाम लिया।

देश के मतदाताओं पर

इस बार भारत में जितने लोगों ने मतदान किया है। वह दुनिया के अन्य लोकतांत्रिक देशों की जनसंख्या से भी ज्यादा है। जम्मू कश्मीर ने रिकॉर्ड मतदान करके दुनिया में भारत को बदनाम करने वालों को आइना दिखा दिया है। मैं देश के सभी दलों, सभी उम्मीदवारों का अभिनंदन करता हूं। सभी की भागीदारी के बिना लोकतंत्र की सफलता संभव नहीं है।

यूपीए के कार्यकाल पर

2013-14 में देश निराशा में डूब चुका था। हर दिन अखबारों की हेडलाइन घोटालों से भरी रहती थी। युवा भविष्य को लेकर आशंकित थे। ऐसे समय देश ने हमें मौका दिया। हम सभी ने पूरी ईमानदारी से काम किया। 2019 में इसी प्रयास पर विश्वास व्यक्त करते हुए देश ने प्रचंड जनादेश दिया। इसके बाद एनडीए का दूसरा कार्यकाल विकास की गारंटी बन गया।

10 साल की सरकार पर

पिछले 10 साल में देश ने कई बड़े फैसले लिए हैं। हमने दुनिया की सबसे बड़ी जनकल्याणकारी योजनाएं चलाईं। आजादी के 70 साल बाद 12 करोड़ लोगों को नल से जल मिला। 4 करोड़ लोगों को पक्के घर मिले। 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिला। राष्ट्र प्रथम की इसी भावना के चलते कश्मीर से धारा 370 हटी। कोरोना का इतना बड़ा संकट आया।

विकसित भारत पर

हमने बड़े फैसला लिया, जो देश हित में था, जनहित में था। इसी का नतीजा है कि आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से विकसित होती इकोनॉमी है। राष्ट्र प्रथम की यह भावना भारत को आत्म निर्भर बनाएगी। हमारे सामने एक महान संकल्प है। विकसित भारत का संकल्प। लगातार तीसरी बार जनता का आशीर्वाद हमारा हौसला बढ़ाता है।

मां को याद किया

2024 में हम देश के कोने-कोने में गए। आज तीसरी बार जो आशीर्वाद एनडीए को मिला है। उसको लेकर मैं देशवासियों के सामने नतमस्तक हूं। आज का यह पल निजी तौर पर मेरे लिए भी भावुक करने वाला पल है। मेरी मां के जाने के बाद यह मेरा पहला चुनाव था। लेकिन सच मानिए देश की मां, बहनों और बेटियों ने मां की कमी मुझे खलने नहीं दी।

चुनाव आयोग पर

ये 140 करोड़ भारतीयों की जीत है। मैं आज देश के चुनाव आयोग का भी अभिनंदन करूंगा। चुनाव आयोग ने दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव इतनी कुशलता से संपन्न कराया। करीब सौ करोड़ मतदाता, एक करोड़ मतदान कर्मी, 11 लाख बूथ इतनी प्रचंड गर्मी में कर्मियों ने अपने दायित्वों को बखूबी निभाया। हमारे सुरक्षा कर्मियों ने अपने कर्तव्य भाव का शानदार परिचय दिया। भारत के चुनाव प्रोसेस। चुनाव के इस सिस्टम और क्रेडिबिल्टी पर हर भारतीय को गर्व है। हमारे जैसे चुनाव का दुनिया में कहीं कोई उदाहरण नहीं है। मैं ओपिनियन मेकर्स को कहूंगा कि लोकतंत्र में चुनावी प्रक्रिया की ताकत है।

कांग्रेस पार्टी पर

इस चुनाव के इस जनादेश के कई पहलू हैं। 1962 के बाद पहली बार कोई सरकार अपने दो कार्यकाल पूरे करने के बाद तीसरी बार वापस आई है। राज्यों में जहां भी विधानसभा के चुनाव हुए वहां पर एनडीए को भव्य विजय मिली। अरुणाचल प्रदेश आंध्र प्रदेश सिक्किम या ओडिशा हो। इन राज्यों में कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया है। शायद उन्हें जमानत बचाना भी मुश्किल हो गया होगा। भाजपा ओडिशा में सरकार बनाने जा रही है। लोकसभा चुनाव में भी ओडिशा ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है।

ओडिशा-आंध्र में जीत पर

यह पहली बार होगा, जब जगन्नाथ की धरती पर बीजेपी का सीएम होगा। बीजेपी ने केरल में भी सीट जीती है। केरल के कार्यकर्ताओं ने बहुत बलिदान भी दिए। पीढ़ियों से जिस छण का इंतजार किया, वो आज सफलता को चूमने लगी। आंध्र में चंद्रबाबू के नेतृत्व और बिहार में नीतीश बाबू के नेतृत्व में शानदार प्रदर्शन किया है। तेलंगाना में हमारी संख्या दो गुना हो गई है। मध्यप्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़, दिल्ली, उत्तराखंड, हिमाचल ऐसे कई राज्य में हमारी पार्टी ने क्लीन स्वीप किया है। मैं इन सभी राज्यों और आंध्र, अरुणाचल, ओडिशा और सिक्किम के लोगों का आभार व्यक्त करता हूं। विश्वास दिलाता हूं कि केंद्र सरकार विकास में कसर नहीं छोड़ेगी।

नड्डा बोले, कुछ लोग 30-40 सीट जीतकर धूम मचाते हैं

प्रधानमंत्री से पहले नड्डा ने पार्टी कार्यकर्ताओं संबोधित किया। उन्होंने एनडीए और पार्टी कार्यकर्ताओं को तीसरी बार सरकार बनाने की बधाई दी। नड्?डा बोले- पहली बार कोई गठबंधन पीएम मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार देश में सरकार बनाने जा रहे हैं। मोदी का कहना है कि देश को आगे ले जाना है। इसी के लिए वह काम करते हैं। विपक्ष के लोग लोकलुभावने वादे करके सरकार के नजदीक आना चाहते हैं। नड्डा- हम बंगाल में 3 सीटों से बढ़कर 77 हो जाते हैं तो उसकी चर्चा नहीं होती। कहते हैं हम हार गए। आज ही ओडिशा में पहली बार भाजपा की सरकार मोदी जी के नेतृत्व में बन रही है। लेकिन कुछ लोग 30-40 सीटें जीत लें तो धूम मचाने लग जाते हैं। वे भूल जाते हैं कि देश मोदी के साथ है।

जेपी नड्डा ने कहा, यह भ्रष्टाचार, परिवारवाद व तुष्टिकरण पर विकासवाद की जीत

यह भारत के जन-जन की विजय है! आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी और एनडीए को मिले इस जनसमर्थन के लिए मैं मोदी जी, समस्त वरिष्ठ नेताओं और हमारे निष्ठावान कोटिशः कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई देता हूँ। यह भ्रष्टाचार, परिवारवाद व तुष्टिकरण पर विकासवाद की जीत है। विकसित भारत निर्माण का हमारा संकल्प युवा, महिला, किसान, गरीब को सशक्त कर समृद्ध, सक्षम व आत्मनिर्भर भारत निर्माण के पथ पर अग्रसर है।

एनडीए सरकार जोर भ्रष्टाचार को उखाड़ फेंकने पर रहेगा’

पीएम मोदी ने कहा तीसरे कार्यकाल में एनडीए सरकार का बहुत ज्यादा जोर हर तरह के भ्रष्टाचार को उखाड़ फेंकने पर होगा। भाजपा के हर कार्यकर्ता के लिए हमेशा से दल से बड़ा देश रहा है। सेवा भाव से बड़ी राजनीति कोई नहीं हो सकती। इसलिए हमें सेवाभाव को सर्वोपरि रखने को निरंतर मजबूत रखना है। भाजपा के कार्यकर्ताओं को जनआकांक्षाओं, जनभावनाओं का प्रतिनिधित्व करना है। जरूरी है कि समाज के हर वर्ग से और हर व्यक्ति से निरंतर संवाद करते रहें।

आने वाला समय भारत का समय है: पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा हम तब तक नहीं रुकेंगे, जब तक गरीबी देश के अतीत का हिस्सा न हो जाए। अब देश सेमीकंडक्टर्स के क्षेत्र में और काम करेगा। हम तब तक नहीं रुकेंगे जब तक देश का रक्षा सेक्टर आत्मनिर्भर नहीं बन जाता। हम युवाओं को हर क्षेत्र में सशक्त करेंगे। किसानों के लिए बीज से बाजार तक आधुनिक रीतियों को बनाने का काम प्राथमिकता पर होगा। हम किसानों को हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए काम करते रहेंगे। आने वाला समय भारत का समय है।

आप एक कदम चलेंगे, मैं चार कदम चलूंगा: पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा देश और दुनिया में उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं को कहूंगा कि आपकी मेहनत इतनी गर्मी में आपका बहाया पसीना ये मोदी को निरंतर काम करने की प्रेरणा देता है। मैं देशवासियों से दोबारा दोहराना चाहता हूं कि 10 घंटे काम करेंगे तो मोदी 18 घंटे काम करेगा। आप एक कदम चलेंगे, मोदी चार कदम चलेगा। तीसरे कार्यकाल में देश बड़े फैसलों का एक नया अध्याय लिखेगा। ये मोदी की गारंटी है।

‘देश की कोटि-कोटि माताओं बहनों ने मुझे नई प्रेरणा दी’

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा देश की कोटि-कोटि माताओं बहनों ने मुझे नई प्रेरणा दी है। पिछले 10 साल में देश ने बहुत बड़े फैसले लिए। राष्ट्रप्रथम की भावना हमें असामान्य लक्ष्य हासिल करने का हौसला देती है।

पीएम मोदी ने मंच से चंद्रबाबू और नीतीश का नाम लिया

पीएम मोदी ने कहा आंध्र प्रदेश में चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में एनडीए ने शानदार प्रदर्शन किया है। बिहार में नीतीश बाबू के नेतृत्व में एनडीए ने शानदार प्रदर्शन किया है। दोस्तों 10 साल पहले देश ने हमें जनादेश दिया था। 2013-14 में देश एक निराशा की गर्त में डूब चुका था। हर दिन अखबारों की हेडलाइन ऐसी ही होती थी। ऐसे समय में देश ने हमें निराशा के गहरे सागर से आशा के मोती निकालने का जिम्मा सौंपा था।

तेलंगाना में हमारी संख्या दोगुना हो गई है: पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा तेलंगाना में हमारी संख्या दोगुना हो गई है। मध्य प्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़, दिल्ली, उत्तराखंड, हिमाचल और ऐसे कई राज्यों में हमारी पार्टी ने लगभग क्लीन स्वीप किया है। मैं इन सभी राज्यों और अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और सिक्किम विधानसभा के मतदाताओं का भी आभार व्यक्त करता हूं। मैं इन राज्यों की जनता को विश्वास दिलाता हूं कि केंद्र सरकार आपके विकास के लिए कोई कोर-कसर बाकी नहीं छोड़ेगी।

ओडिशा में भाजपा ने शानदार प्रदर्शन किया: पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा इस बार चुनाव में कुछ और चीजें देखने को मिलीं। अरुणाचल हो या सिक्किम, आंध्र प्रदेश हो या ओडिशा, कांग्रेस को जमानत बचाना भी मुश्किल हो गया। ओडिशा में भाजपा सरकार बनाने जा रही है। लोकसभा चुनाव में भी ओडिशा ने जबरदस्त प्रदर्शन किया है। यह पहली बार होगा जब महाप्रभु जगन्नाथ की जमीन पर भाजपा का मुख्यमंत्री होगा। पीढ़ियों से जिस क्षण का इंतजार किया, वह आज सफलता को चूमने लगी है।

‘ममता सरकार की नीतियों पर जनता को भरोसा, सड़कों पर कार्यकर्ताओं का जश्न’

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। कोलकाता

लोकसभा चुनाव के नतीजे आ रहे हैं। भाजपा समर्थित एनडीए ने रुझानों में बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है। हालांकि, विपक्षी गठबंधन ने इस बार एनडीए को कड़ी टक्कर दी है। इस बीच, पश्चिम बंगाल के सत्तारूढ़ दल तृणमूल कांग्रेस ने 42 में से 30 सीटों पर बढ़त बना रखी है। रुझानों के बीच टीएमसी ने कहा कि यह नतीजे ममता सरकार की जन-समर्थक नीतियों में लोगों के विश्वास और भाजपा के खिलाफ निराशा के माहौल को दर्शाता है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बंगाल में टीएमसी कार्यकर्ता जय बांग्ला, टीएमसी जिंदाबाद और भाजपा हाय-हाय के नारे लगा रहे हैं। टीएमसी समर्थक जादवपुर, कोलकाता दक्षिण, कोलकाता उत्तर, डायमंड हार्बर, बैरकपुर, आसनसोल, दुर्गापुर-बर्धमान सहित अन्य शहरों में सड़कों पर जश्न मना रहे हैं। अधिकतर लोगों ने टीएमसी सुप्रीमो की तस्वीरें और पार्टी के प्रतीक के कटआउट लिए हुए थे।

भाजपा के अहंकार के खिलाफ लोगों ने मतदान किया

जादवपुर में एक टीएमसी कार्यकर्ता ने कहा कि जश्न अभी शुरू हुआ है। बाहरी लोगों के दखल और पीएम मोदी की टिप्पणियों को मतदाताओं ने नकार दिया है। लोगों ने दीदी और अभिषेक बनर्जी को वोट दिया है। शांतनु ने राष्ट्रीय स्तर के रुझानों पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि लोगों ने भाजपा के अहंकार और कुशासन के खिलाफ मतदान किया है। परिणामों से साफ होता है कि भाजपा नैतिक रूप से और राजनीतिक रूप से भी पराजित हुई है।

एग्जिट पोल भाजपा समर्थक मीडिया का दिखावा

चुनाव आयोग की वेबसाइट के अनुसार, दोपहर 12:30 बजे तक कई दौर की मतगणना के बाद टीएमसी 31 सीटों पर आगे थी। वहीं, भाजपा 10 और कांग्रेस एक सीट पर आगे थी। टीएमसी प्रवक्ता शांतनु सेन ने कहा कि राज्य की जनता ने जनादेश से बंगाल विरोधी ताकतों को हरा दिया है। नतीजों से साफ होता है कि एग्जिट पोल भाजपा समर्थक मीडिया का दिखावा था। बता दें, 2019 लोकसभा चुनावों में टीएमसी ने 22 सीटें जीती थीं, जबकि भाजपा ने 18 और कांग्रेस ने दो सीटें जीती थीं। रुझानों के चलते टीएमसी कार्यकर्ताओं में उत्साह है।

23 से 133 सीटों पर टीडीपी: चंद्रबाबू ने सीएम बनने के बाद ही विधानसभा आने की खाई थी कसम, पांच साल बाद फिर सत्ता में

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

साल 2021। आंध्र प्रदेश का विधानसभा भवन। चंद्रबाबू नायडू तमतमाकर खड़े हुए और विधानसभा से बाहर चले गए। साथ में उन्होंने प्रण लिया कि अब वे मुख्यमंत्री बनने के बाद ही वापस विधानसभा में कदम रखेंगे। इस गुस्से का कारण था कि उनके परिवार के कुछ सदस्यों के खिलाफ की गई टिप्पणियां। 2021 से दो साल पहले 2019 में हुए विधानसभा चुनावों में नायडू ने जगन मोहन रेड्डी के हाथों अपमानजनक हार झेली थी। आप फास्ट फोरवर्ड करते हैंज्वार जून 2024, आंध्रप्रदेश के विधानसभा चुनाव में नायडू 133 सीटों के साथ उभरकर सामने आए। वहीं, उनके गठबंधन में शामिल जनसेना ने 21 सीटें हासिल की तो भाजपा ने आठ सीटों पर जीत दर्ज की। आंध्र प्रदेश के लोकसभा चुनावों में भी टीडीपी ने सबसे अधिक सीटें जीत लीं। टीडीपी को 23 से 133 सीटों तक पहुंचाने में चंद्रबाबू नाडयू का अहम रोल रहा है। नायडू का जन्म 20 अप्रैल 1950 को अविभाजित आंध्रप्रदेश में हुआ। चित्तूर जिले के नरवरिपल्ली में जन्में नायडू ने अपनी राजनीति की शुरुआत तिरुपति के श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय में छात्र राजनीति से की। छात्र राजनीति से निकलकर नायडू कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। वे कैबिनेट मंत्री भी बने। हालांकि बाद में उन्होंने अपने दिवंगत ससुर और दिग्गज अभिनेता एनटी रामा राव की पार्टी टीडीपी में शामिल हो गए। पहली बार 1995 में वे मुख्यमंत्री बने और तीन बार राज्य की बागडोर संभाली, दो बार अविभाजित आंध्र की तो एक बार विभाजित आंध्र की। बता दें, चंद्रबाबू नायडू सितंबर 2023 में 371 करोड़ रुपये के कौशल विकास घोटाले में गिरफ्तार हुए थे।

वाजपेयी सरकार के गठन में अहम भूमिका

नायडू को आधुनिक हैदराबाद का मुख्य वास्तुकार भी कहा जाता है। उन्होंने हाई-टेक शहर को विकसित करने और इसे एक प्रमुख केंद्र में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार को बाहर से समर्थन दिया और सरकार गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने अमरावती को विभाजित आंध्र की राजधानी बनाने का बीड़ा उठाया लेकिन 2019 में सत्ता से बाहर होने के बाद यह सपना सिर्फ सपना ही रह गया।

अयोध्या की दर्दनाक पराजय, उत्तर प्रदेश में खिसकती जमीन और भाजपा

संगठन, सरकार और संवाद पर उठते प्रश्न, इतनी बुरी हार के कारण अनेक

जन एक्सप्रेस । गिरीश चंद्र पांडेय

जन एक्सप्रेस की त्वरित टिप्पणी...

कुशीनगर। लोकसभा चुनाव के परिणाम लगभग आ ही गए हैं। इस बार 400 पार के नारे के साथ शुरू हुए भाजपा और एनडीए के प्रचार के बाद अत्यंत विपरीत आए परिणाम ने बहुत चौंकाया है। सबसे दर्दनाक पराजय अयोध्या की सीट पर दिख रही है जिसके बल से ही भाजपा का राजनीतिक ग्राफ इतना ऊपर आया था। अयोध्या के अलावा प्रयागराज की सीट भी भाजपा हार चुकी है। काशी में प्रधानमंत्री की जीत केवल जीत भर ही है। लखनऊ जैसी सीट पर राजनाथ सिंह जैसे राष्ट्रीय नेता की विजय भी केवल विजय ही है। गांधीनगर से अमित शाह की विजय वास्तव में बड़ी दिख रही है। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्य नाथ जैसे विराट हिंदू चेहरे के नेतृत्व में भाजपा का लगभग आधी सीटों पर सिमट जाना गंभीर लगता है। अभी पूरे परिणाम आने बाकी हैं लेकिन अनेक स्थानों पर अच्छी जीत पाकर भी भाजपा केवल उत्तर प्रदेश में इतना पिछड़ गई है कि उसको 272 का आंकड़ा भी नहीं मिल पा रहा है। यह परिणाम निश्चित रूप से विश्लेषण और मंथन तलाश रहा है। एक जून की शाम को एग्जिट पोल के नतीजे आने शुरू हुए तो किसी को अंदाजा नहीं था कि एग्जिट पोल में बीजेपी और एनडीए को ऐसा परिणाम मिलेगा। ज्यादातर एग्जिट पोल ने एनडीए को 350 से ऊपर सीटें दी। कई एग्जिट पोल के नतीजों में तो एनडीए को 400 का आंकड़ा छूते हुए बताया गया। ठीक इसी तरह तीन दिन बाद आए चुनाव नतीजों ने भी अब हर किसी को हैरान कर दिया है। अभी तक की मतगणना के आंकड़े देखें, तो बीजेपी को बहुत बड़ा झटका लगता हुआ नजर आ रहा है। उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और पंजाब में बीजेपी बुरी तरह पिछड़ रही है। दूसरी ओर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी सहित विपक्ष के कई दलों ने जबरदस्त वापसी की है। एक तथ्य तो स्पष्ट है कि केवल मोदी मैजिक के सहारे रहना भाजपा के लिए बहुत भारी पड़ा है। पिछले दो महीनों में बीजेपी और एनडीए में उसके सहयोगी दलों का चुनाव प्रचार देखें, तो एक बात साफ तौर पर नजर आती है कि इन्होंने केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ा। चुनावी रैलियों और सभाओं में पार्टी के छोटे-बड़े सभी नेता स्थानीय मुद्दों से बचते हुए नजर आए। पूरा प्रचार केवल और केवल पीएम मोदी के करिश्मे पर टिका था। बीजेपी के प्रत्याशी और कार्यकर्ता भी जनता से कनेक्ट नहीं हो पाए, जिसका खामियाजा पार्टी को भुगतना पड़ा। दूसरी तरफ, विपक्ष लगातार महंगाई और बेरोजगारी जैसे मुद्दों के जरिए सरकार के प्रति नाराजगी को जोर-शोर से उठाता रहा। एक और भी बड़ा कारण रहा है बीजेपी के पारंपरिक मतदाताओं की नाराजगी।

सांसद रह चुके चेहरों को ही फिर से उतार देना

बीजेपी को इस चुनाव में स्थानीय स्तर पर भी भारी नाराजगी झेलनी पड़ी। कई सीटों पर टिकट बंटवारे की नाराजगी मतदान की तारीख तक भी दूर नहीं हो पाई। कार्यकर्ताओं के अलावा सवर्ण मतदाताओं का विरोध भी कुछ सीटों पर देखने को मिला। कुल मिलाकर कहा जाए तो बीजेपी इस चुनाव में केवल उन मुद्दों के भरोसे रही, जो आम जनता से कोसों दूर थे। यहां एक बहुत बड़ा कारण रहा लगातार सांसद रह चुके चेहरों को ही फिर से उतार देना। इन चेहरों को जनता बिलकुल भी देखना नहीं चाहती थी लेकिन कई ऐसे थे जो दो से तीन बार या उससे भी अधिक टर्म सांसद रह चुके थे और उनकी स्थिति क्षेत्र में बिल्कुल अलोकप्रिय रही। इधर मौसम की तल्खी ने अलग से सबको उदासीन कर दिया। सरकार, संगठन और कार्यकर्ता के बीच ठीक से समन्वय इसलिए नहीं हो पाया क्योंकि सभी अतिविश्वास में थे।

बीजेपी को अपने ही वोटर्स की नाराजगी झेलनी पड़ी

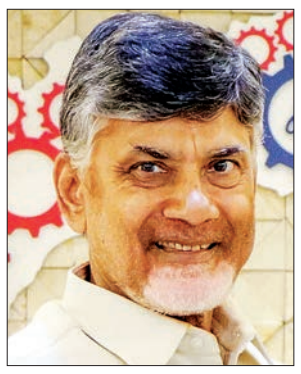

लोकसभा चुनाव के नतीजे इस बात के भी संकेत दे रहे हैं कि कई बड़े मुद्दों पर बीजेपी को अपने ही वोटर्स की नाराजगी झेलनी पड़ी। अग्निवीर और पेपर लीक जैसे मुद्दे साइलेंट तौर पर बीजेपी के खिलाफ काम करते रहे। वोटर्स के बीच सीधा संदेश गया कि सेना में चार साल की नौकरी के बाद उनके बच्चों का भविष्य क्या होगा? पेपर लीक के मुद्दे पर युवाओं की नाराजगी को समझने में बीजेपी ने चूक की। पुलिस भर्ती परीक्षा के मुद्दे पर यूपी के लखनऊ में हुआ भारी विरोध प्रदर्शन इसका गवाह है। पार्टी के नेता ये मान बैठे थे कि केवल नारेबाजी से वो अपने समर्थकों और वोटर्स को खुश कर सकते हैं।

महंगाई ने सरकार के खिलाफ एक माहौल पैदा किया

इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि 400 सीट लेकर संविधान बदलने और आरक्षण खत्म कर देने के विपक्ष के नरेटिव ने काफी हद तक आरक्षित और दलित वर्ग को इंडी गठबंधन से जोड़ लिया। महंगाई के मुद्दे ने इस चुनाव पर बहुत ही गहरा असर डाला। पेट्रोल-डीजल से लेकर खाने-पीने की चीजों पर लगातार बढ़ रही महंगाई ने सरकार के खिलाफ एक माहौल पैदा किया। विपक्ष इस मुद्दे के असर को शायद पहले ही भांप गया था, इसलिए उसने हर मंच से गैस सिलेंडर सहित रसोई का बजट बढ़ाने वाली दूसरी चीजों की महंगाई को मुद्दा बनाया। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बढ़ती महंगाई के लिए आर्थिक नीतियों को जिम्मेदार ठहराते हुए कई बार प्रधानमंत्री मोदी पर सीधा हमला बोला। दूसरी तरफ, बीजेपी नेता और केंद्र सरकार के मंत्री महंगाई के मुद्दे पर केवल आश्वासन भरी बातें करते हुए नजर आए। इस लोकसभा चुनाव में बेरोजगारी के मुद्दे ने एक बड़े फैक्टर के तौर पर काम किया। विपक्ष ने हर मंच पर सरकार को घेरते हुए बेरोजगारी के मुद्दे पर जवाब मांगा। यहां तक कि कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में वादा कर दिया कि अगर उनकी सरकार केंद्र में बनती है, तो तुरंत 30 लाख सरकारी नौकरियां दी जाएंगी। मंगलवार को घोषित चुनाव नतीजे साफ तौर पर संकेत दे रहे हैं कि राम मंदिर, सीएए लागू करने की घोषणा और यूनिफॉर्म सिविल कोड जैसे मुद्दे भी बीजेपी को बेरोजगारी के खिलाफ बने माहौल के नुकसान से नहीं बचा पाए।

मनीष सिसोदिया को जमानत याचिका पर अभी सुनवाई नहीं: सुप्रीम कोर्ट

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) नेता मनीष सिसोदिया ने आबकारी नीति मामले में सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। अदालत ने सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज कर दी है। बता दें कि इस मामले में सिसोदिया ने दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। दिल्ली उच्च न्यायालय ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और सीबीआई द्वारा दर्ज मामलों में सिसोदिया की जमानत याचिका को खारिज किया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और सीबीआई के आरोप पत्र दाखिल करने के बाद सिसोदिया फिर से जमानत के लिए याचिका दायर कर सकते हैं।

भाजयुमो सदस्य प्रवीण नेत्तारु हत्याकांड में बड़ी सफलता, एक अन्य आरोपी को किया गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

मंगलवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने भाजयुमो सदस्य प्रवीण नेत्तारु हत्याकांड में एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। मुंबई हवाईअड्डे से एनआईए ने उसे गिरफ्तार किया जब वह देश छोड़कर भागने की फिराक में था। वर्ष 2022 में कर्नाटक के भाजपा नेता प्रवीण नेत्तारु की हत्या की गई थी। अगस्त 2022 को एनआईए को मामला सौंपा गया। उन्होंने लगभग 21 आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया। एनआईए ने साकलेशपुर ट्रैक कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया था। एक आरोपी रियाज युसुफ हारली उर्फ रियाज को मुंबई हवाईअड्डे से गिरफ्तार किया गया। एनआईए का कहना है कि वह विदेश भागने की फिराक में था। रियाज को गिरफ्तार करने के बाद गिरफ्तार आरोपियों की संख्या 19 हो गई थी। मुस्तफा पाइचर की गिरफ्तारी के एक महीने के अंदर ही दूसरे आरोपी को दबोचा गया है। बता दें कि नेत्तारु भाजपा के युवा मोर्चा के जिला समिति के सदस्य थे। एनआईए की जांच में रियाज एक आरोपी अब्दुल रहमान के कहने पर भारत वापस आया था। मंसूर पाशा और रियाज को छिपने के लिए कर्नाटक के हासन जिले के सकलेशपुर में सुरक्षित ठिकाना और पैसा पहुंचाया गया था। उन्होंने बताया कि पीएफआई पुत्तूर जिले का सचिव और पुत्तूर जिला सेवा दल का प्रमुख पैचर इस मामले में मुख्य साजिशकर्ता था। इसने ही हिट टीम को एकत्र कर पीड़ित को निशाना बनाया। बता दें कि एनआईए फरार लोगों को पकड़ने के लिए तलाश जारी रखे है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशकः अरुण कुमार त्रिपाठी द्वारा ए0वी0बी0 रेप्रोग्राफिक्स, ए-59, इंडस्ट्रियल एस्टेट, ताल कटोरा, लखनऊ से मुद्रित तथा अय्यूब कॉम्प्लेक्स, 82/68, गुरु गोविन्द सिंह मार्ग, लखनऊ पिन-226004, उ0प्र0 से प्रकाशित। संपादकः अरुण कुमार त्रिपाठी, (प्रबंध संपादक- मनोज तिवारी) (नेशनल हेडः कमलेश फाइटर) आर.एन.आई. पंजीयन संख्या : UPHIN/2009/30003, फोन नं.: 0522-4330955 मोबाइल नं. 8933805555, (नोटः सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ स्थित न्यायालय होगा।)